3 राजधानी
एफबीयू मामले में दिल्ली सरकार की घेरेबंदी

6 अभिमत
पर्यावरण पर्यटन का स्वर्ग भारत

10 विदेश
तुर्किए, सीरिया में भूकंप से मृतक संख्या 19 हजार पार

11 राष्ट्रीय
सीयूईटी-यूजी के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 11 अंक 97
नई दिल्ली, शुक्रवार, 10 फरवरी, 2023
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

जडेजा के पंजे में आए कंगारू
स्पोर्ट्स-12

जितना कीचड़ उछालोगे, कमल उतना ही खिलेगा: मोदी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके आरोपों के कीचड़ से कमल को खिलने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि वह अकेले ही पूरे विपक्ष पर भारी पड़ रहे हैं, जिन्हें उनके विरोध में बारी-बारी से नारेबाजी करनी पड़ती है। उन्होंने कहा, जितना कीचड़ उछालोगे, कमल उतना ही ज्यादा खिलेगा। अपनी छाती ठोकते हुए मोदी ने कहा कि वह देश के लिए जीते हैं और देश के लिए कुछ करना चाहते हैं, जिससे विपक्षी दल परेशान हैं तथा खुद को बचाने के लिए राजनीतिक खेल खेल रहे हैं।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर राज्यसभा में हुई चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने यह बात कही। कमल केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का चुनाव चिन्ह है। मोदी ने कहा, उन्होंने कहा, एक अकेला कितनों पर भारी पड़ रहा है... नारे बदलने के लिए उन्हें बदलाव करना पड़ रहा है... घंटे भर से आवाज नहीं रोक पाए हैं क्योंकि देश के लिए जीता हूं... देश के लिए कुछ करने के लिए निकला हूं। उन्होंने विपक्षी सदस्यों पर हमला करते हुए कहा कि राजनीतिक खेल खेलने वाले लोगों के अंदर वह हौसला नहीं है। उन्होंने कहा, वे बचने का रास्ता खोज रहे हैं। प्रधानमंत्री ने जब यह बात कही उस समय कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, शिव सेना, आम आदमी पार्टी आदि विपक्षी दलों के सदस्य आसन के निकट आकर प्रधानमंत्री मोदी और अडाणी समूह के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। विपक्षी सदस्य अडाणी समूह के खिलाफ आरोपों की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की भी मांग कर रहे थे। सदस्यों की नारेबाजी के बीच मोदी ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इतने महत्वपूर्ण सदन में कुछ लोगों का व्यवहार, कुछ लोगों की वाणी ना सिर्फ सदन को बल्कि देश को निराश करने वाली रही है। कवि माणिक वर्मा की कविता की पंक्तियां उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा, इस प्रकार की प्रवृत्ति के सदस्यों को मैं यही कहूंगा... कीचड़ उनके पास था, मेरे पास गुलाल। जो भी जिसके पास था, उसने दिया उछाल। ... अच्छा ही है।

- राष्ट्रपति के अभिभाषण पर राज्यसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का दिया जवाब, कीचड़ और कमल के जरिए विपक्ष को निशाने पर लेते हुए कहा-एक अकेला कितनों पर भारी
- विपक्ष की नारेबाजी के बीच कहा, दुर्भाग्यपूर्ण है कि सदन में कुछ लोगों का व्यवहार, वाणी निराश करने वाली रही

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर राज्यसभा में हुई चर्चा का उत्तर देते प्रधानमंत्री

जितना कीचड़ उछालोगे, कमल उतना ही ज्यादा खिलेगा। मोदी ने विपक्षी दलों पर तंज कसते हुए कहा कि इसलिए कमल खिलाने में उनका भी प्रत्यक्ष व परोक्ष योगदान है। उन्होंने कहा, इसके लिए मैं उनका भी आभार व्यक्त करता हूं। ज्ञात हो कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा के दौरान अधिकतर विपक्षी दलों ने अडाणी समूह को लेकर अमेरिकी वित्तीय शोध कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च की ओर से लगाए गए आरोपों का उल्लेख किया और इसकी जांच के लिए जेपीसी गठित करने की मांग की। प्रधानमंत्री ने करीब एक घंटा और 25 मिनट के अपने पूरे भाषण के दौरान सरकार की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं का उल्लेख करते हुए उसकी उपलब्धियां गिनाईं और कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा। उन्होंने जनजातीय वर्ग के लिए उठाए गए कदमों का विशेष उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने विकसित भारत का लक्ष्य रखा है और वह इस संकल्प को पूरा करने की ओर बढ़ रही है। उन्होंने कहा, यह हम सबका संकल्प है। अब देश पीछे मुड़कर देखने को तैयार नहीं है। देश लंबी छलांग मारने को तैयार है। कांग्रेस पर लोगों की समस्याओं का समाधान ना करने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार, आजाद भारत के लिए जो सपने देखे गए थे, उन्हें पूरा करने के लिए संकल्पित होकर काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार योजनाओं का शत प्रतिशत लोगों तक लाभ पहुंचाने के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि इससे भेदभाव की सारी गुंजाइश खत्म होती है, भ्रष्टाचार की संभावनाएं समाप्त होती हैं और तुष्टिकरण की आशंकाएं खत्म होती हैं। उन्होंने कहा, सच्ची पंथनिरपेक्षता अगर कुछ है... सच्ची धर्मनिरपेक्षता कुछ है तो यही है। यही सेक्युलरिज्म है। सबका साथ, सबका विकास का मतलब भी यही है... शत प्रतिशत सेवा अभियान सामाजिक न्याय का बहुत बड़ा सशक्त माध्यम है।

यही सामाजिक न्याय की असली गारंटी है। यही सच्ची पंथनिरपेक्षता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने देश को विकास का ऐसा मॉडल दिया, जिसमें सभी हितधारकों को उनका शत प्रतिशत हक मिले। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, इसलिए देश हमारे साथ है और कांग्रेस को बार-बार खारिज किया जा रहा है। लेकिन इसके बावजूद कांग्रेस और उसके साथी साजिशों से बाज नहीं आते। जनता देख रही है और उन्हें सजा भी देती है। कांग्रेस शासित राज्यों द्वारा पुरानी पेंशन योजना बहाल किए जाने पर प्रधानमंत्री ने चिंता जताई और इससे भावी पीढ़ी को होने वाले नुकसान के प्रति विपक्षी दलों को आगाह किया। उन्होंने कहा, जिनको आर्थिक नीतियों की समझ नहीं है, सत्ता का खेल खेलना जिनका सार्वजनिक जीवन का काम है, उन्होंने अर्थ नीति को अनर्थ नीति में परिवर्तित कर दिया है। प्रधानमंत्री ने ऐसे राज्यों को चेतावनी देते हुए कहा कि वे अपने लोगों को समझाएं कि वे गलत रास्ते पर ना चले जाएं। प्रधानमंत्री ने विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने अपने भाषण के दौरान कहा कि कांग्रेस ने साठ सालों में देश में मजबूत बुनियाद रखी और मोदी उसका श्रेय ले रहे हैं। मोदी ने कहा कि जब 2014 में वह देश के 60 साल में कांग्रेस के परिवार ने गड्ढे ही गड्ढे कर दिए हैं। उन्होंने कहा, हो सकता है कि उनका इरादा नेक होगा, लेकिन उन्होंने गड्ढे ही गड्ढे कर दिए। जब वह गड्ढे खोद रहे थे... छह-छह दशक बर्बाद कर दिए थे... उस समय दुनिया के छोटे-छोटे देश भी सफलता के शिखरों को छू रहे थे... आगे बढ़ रहे थे। अभिभाषण के दौरान केंद्रीय योजनाओं के नामों को लेकर कुछ सदस्यों द्वारा की गई आपत्ति का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि एक समय था जब करीब 600 सरकारी योजनाओं व कार्यक्रमों के नाम गांधी-नेहरू परिवार के नाम पर थे।

गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि उन्हें यह बात समझ नहीं आती कि उनकी पीढ़ी का कोई व्यक्ति नेहरू उपनाम रखने से डरता क्यों है? उन्होंने कहा, क्या शर्मिंदगी है उपनाम रखने में? इतना बड़ा महान व्यक्तित्व अगर आपको मंजूर नहीं है... परिवार को मंजूर नहीं है... और हमारा हिसाब मांगते रहते हो। उन्होंने कहा, यह सदियों पुराना देश... जन-जन की पीढ़ियों की परंपरा से बना हुआ देश है, यह देश किसी परिवार की जागीर नहीं है। कुछ सदस्यों द्वारा राज्यों के साथ भेदभाव करने और अनैतिक तरीके से राज्य सरकारों को परेशान करने के आरोप लगाए गए थे। इन आरोपों का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वह लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे हैं, इसलिए वह सहकारी संघवाद के महत्व को समझते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने हमेशा सहकारी संघवाद पर बल दिया है और साथ मिलकर काम करने को प्रोत्साहित किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जो लोग आज (शेष पेज 8)

अफगानिस्तान में भारतीय दूतावास पर आतंकी हमले की धमकी: संयुक्त राष्ट्र

एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार इस्लामिक स्टेट इन इराक एंड द लेवांत-खुरासान (आईएसआईएल-के) ने अफगानिस्तान स्थित भारत, ईरान और चीन के दूतावासों पर आतंकी हमले की धमकी दी है। रिपोर्ट में कहा गया कि यह आतंकवादी समूह तालिबान और मध्य एवं दक्षिण एशिया क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों के बीच संबंधों को कमजोर करना चाहता है। आईएसआईएल-के के खतरे को लेकर यह खुलासा संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटारेस की एक रिपोर्ट में किया गया है। जिसमें कहा गया कि अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए खतरा बने आईएसआईएल से मुकाबला करने में संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों की मदद करेगा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव की 16वीं रिपोर्ट में कहा गया कि मध्य एवं दक्षिण एशिया में आईएसआईएल-के बड़ा आतंकवादी खतरा है और जो अपने खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने की तैयारी कर रहा है। सुरक्षा परिषद ने बृहस्पतिवार को एक बैठक की, जिसमें पिछले सप्ताह संयुक्त राष्ट्र के आतंकवाद-विरोधी कार्यालय के अवर महासचिव व्लादिमीर वोरोनकोव पिछले सप्ताह पेश रिपोर्ट में आतंकवादी गतिविधियों के कारण अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के खतरे पर विमर्श (शेष पेज 8)

पुतिन से मिले एनएसए डोभाल अहम मुद्दों पर हुई बातचीत

- दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी के क्रियान्वयन की दिशा में काम करते रहने पर सहमति जताई

पीएनएस/एजेंसी। नई दिल्ली/मॉस्को

रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन के साथ बृहस्पतिवार को मॉस्को में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने विभिन्न द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की। वार्ता में दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी के क्रियान्वयन की दिशा में काम करते रहने पर सहमति जताई गई।

दूतावास ने ट्वीट कर कहा कि एनएसए डोभाल ने राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की। ट्वीट में कहा गया है, विभिन्न द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की गई। भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी के क्रियान्वयन की दिशा में काम करते रहने पर सहमति बनी। रूसी राष्ट्रपति के आवास क्रेमलिन ने जारी बयान में कहा कि पुतिन ने अफगानिस्तान पर बहुपक्षीय चर्चा में भाग लेने आए प्रतिनिधिमंडल के प्रमुखों से मुलाकात की है। डोभाल ने बुधवार को अफगानिस्तान पर सुरक्षा परिषदों के सचिवों और एनएसए की पांचवीं बैठक में शिरकत की।

यह बैठक रूस ने बुलाई है। क्रेमलिन के मुताबिक, पुतिन ने कहा कि हम इस बात से भी चिंतित हैं कि गैर क्षेत्रीय ताकतें अफगानिस्तान के हालात का इस्तेमाल कर अपने आधारभूत ढांचा का विस्तार या उनके निर्माण की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा, ये देश अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद का मुकाबला करने के बहाने से करेंगे लेकिन वे ऐसा कुछ नहीं कर (शेष पेज 8)

खाली प्लेट न देने पर कैटरिंग कर्मचारी की पीटकर हत्या

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रोहिणी सेक्टर-12 में एक समारोह में कैटरिंग स्टाफ ने खाली प्लेट देने से इनकार कर दिया तो डीजे वालों ने क्रेट से उसके सिर पर तावड़तोड़ हमला कर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद वे वहां से भाग गए। मामले में पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है, जो मारपीट करने वालों के साथ खड़े थे। प्रशांत विहार थाना पुलिस हत्या केस दर्ज कर फरार आरोपी अंशुल और अमन पकड़ने के लिए दबिश दे रही है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त रजनीश गर्ग ने बताया कि बुधवार देर रात प्रशांत विहार पुलिस थाने को रोहिणी के सेक्टर-12 स्थित जापानी पार्क के एम समारोह में मारपीट की जानकारी मिली थी। सूचना पाकर पुलिस जब घटनास्थल पर पहुंची तो पता चला कि मारपीट में घायल एक युवक को उसके दोस्त बाबा साहेब आंबेडकर अस्पताल ले गए है जहां डाक्टरों ने जांच के उसे मृत घोषित कर दिया। इस हमले में जान गंवाने (शेष पेज 8)

भारत में लंबित वीजा निपटाने को अमेरिका ने की पहल

- गुपचुप तरीके से राष्ट्रपति आयोग की सिफारिशें लागू की, इसमें भारत में वीजा साक्षात्कार के लिए राजनयिक मिशन खोलने जैसे कदम सुझाए गए है

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिकी विदेश विभाग ने गुपचुप तरीके से राष्ट्रपति आयोग की सिफारिशें लागू कर दी हैं जिसने भारत में वीजा साक्षात्कार के वास्ते अमेरिकी राजनयिक मिशन खोलने जैसे कदम सुझाए हैं। इनका उद्देश्य भारत में लंबित वीजा आवेदनों की संख्या कम करना है।

भारत उन कुछ देशों में से एक है जहां कोरोना वायरस से संबंधित यात्रा प्रतिबंध हटाए जाने के बाद अमेरिकी वीजा के लिए आवेदनों में बड़ी तेजी देखी गई है। राष्ट्रपति आयोग ने पाया कि वीजा साक्षात्कार नियुक्ति में देरी से उन छात्रों और उन आगंतुकों के लिए काफी समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं, जिनकी अमेरिका में अध्ययन करने और देश की यात्रा करने की योजना है। आयोग ने सिफारिश की है कि विदेश विभाग को जहां संभव हो वहां डिजिटल साक्षात्कार की अनुमति देनी चाहिए और दुनिया भर के दूतावासों के कर्मचारियों और अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के कर्मचारियों को उन दूतावासों में डिजिटल साक्षात्कार आयोजित करने में मदद करनी चाहिए जहां अधिक संख्या में आवेदन लंबित हैं।

सिफारिशों में वीजा साक्षात्कारों के लिए भारत के बाहर अमेरिकी राजनयिक मिशन खोलना, अधिक काउंटर की व्यवस्था करना और वीजा आवेदनों को संसाधित करने के लिए अतिरिक्त संसाधन लगाना शामिल है। भारत में अमेरिकी दूतावास ने जनवरी 2023 में एक लाख से अधिक आवेदन संसाधित किए, जो एक महीने में सबसे अधिक संख्या और जुलाई 2019 के बाद से किसी महीने में सबसे अधिक संख्या है।

ग्रेनो में रोडवेज बस ने सात को रौंदा, चार की मौत

- बुधवार देर रात भीषण हादसा, शिफ्ट छूटने के बाद घर जा रहे थे हीरो मोटर्स कंपनी के कर्मचारी
- मुख्यमंत्री ने की मृतकों के परिजनों को दो दो लाख देने की घोषणा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

हादसे के बाद बस चालक फरार हो गया

ग्रेटर नोएडा में बुधवार देर रात बेलगाम रोडवेज बस ने सात लोगो को रौंद दिया, जिसमें चार लोगों की मौके पर मौत हो गई। हादसे के शिकार सभी लोग हीरो मोटर्स कंपनी के कर्मचारी हैं। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर दुःख प्रकट करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

सीएम ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये आर्थिक मदद देने की घोषणा की है। बुधवार रात बादलपुर में रात करीब 11.30 बजे हीरो मोटर्स कंपनी की शिफ्ट समाप्त होने के बाद कर्मचारी घर जाने के लिए बाहर निकल रहे थे, गेट पर भीड़ थी। इस दौरान कुछ कर्मचारी सड़क पार कर रहे थे। अचानक तेज रफ्तार में अनियंत्रित रोडवेज बस ने भीड़ को रौंद दिया। बस दादरी से नोएडा की तरफ जा रही थी।

ड्राइवर बस छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने हादसे के शिकार सभी लोगों को अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने 4 लोगों को मृत घोषित कर दिया। एडिशनल डीसीपी विशाल पांडे ने बताया कि हादसे में हीरो मोटर्स में काम करने वाले जिन चार लोगों की मौत हुई है। उसमें तीन बिहार के निवासी थे।

मरने वालों में संकेश्वर कुमार दास (25) मुंगेर के बरियारपुर गांव, मोहरी कुमार (22) बांका जिले के खरवा गांव, सतीश 25 मेजा जिले के कपूरी और गोपाल (34) गौतमबुद्ध नगर के पटवारी का बाग गांव का निवासी था। हादसे में अनुज, धर्मवीर और संदीप घायल हुए हैं। उन्हें इलाज के लिए निठारी फिर सफदरजंग अस्पताल दिल्ली ले जाया गया।

बाजार

सेंसेक्स	60,806 ↑ 142	
निफ्टी	17,893 ↑ 21	
सोना	57,410 ↑ 35	/10g
चांदी	67,641 ↓ 05	/kg

क्विक न्यूज

हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट की जांच संबंधी अर्जी पर सुनवाई आज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय शुक्रवार को उस याचिका पर सुनवाई करेगा जिसमें उद्योगपति गौतम अडाणी के नेतृत्व वाले कारोबारी समूह को लेकर हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट की जांच के लिए शीर्ष अदालत के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में समिति का गठन करने के वास्ते केंद्र को निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। याचिका दायर करने वाले अधिवक्ता विशाल तिवारी ने प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा, न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला की एकपीठ से मामले को तुरंत सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया। उन्होंने पीठ से अनुरोध किया कि उनकी याचिका पर मामले में दर्ज अन्य याचिकाओं के साथ 10 फरवरी (शुक्रवार) को सुनवाई की जाए। उन्होंने कहा, पीठ ही एक याचिका पर कब सुनवाई लेती है।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना का रास्ता साफ

- उच्च न्यायालय में गोदरेज एवं बॉयस की याचिका खारिज

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

बंबई उच्च न्यायालय ने मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए महाराष्ट्र सरकार और राष्ट्रीय उच्च गति रेल निगम लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) द्वारा मुंबई के विखरोली क्षेत्र में शुरू किए गए भूमि अधिग्रहण के खिलाफ गोदरेज एंड बॉयस द्वारा दायर याचिका बृहस्पतिवार को खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि यह परियोजना राष्ट्रीय महत्व की है और जनता के भले के लिए है। न्यायमूर्ति आरडी धानुका और न्यायमूर्ति एमएम सथाए की खंडपीठ ने कहा कि परियोजना अपने आप में अनूठी है और सार्वजनिक हित को निजी हित पर वरीयता मिलेगी। मुंबई से अहमदाबाद के बीच कुल 508.17 किलोमीटर की रेल की पटरी में से 21 किलोमीटर भूमिगत रहेगी। भूमिगत सुरंग का एक प्रवेश बिंदु विखरोली में गोदरेज की जमीन पर पड़ता है। राज्य सरकार और राष्ट्रीय उच्च गति रेल निगम लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने दावा किया था कि कंपनी के कारण पूरी परियोजना में देरी हो रही है, जबकि परियोजना जनता के लिए महत्वपूर्ण है। सरकार ने उच्च न्यायालय को बताया था कि गोदरेज एंड बॉयस मेन्युफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड के विखरोली क्षेत्र में स्थित क्षेत्र को छोड़कर परियोजना के पूरे मार्ग के लिए अधिग्रहण प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। राज्य सरकार ने अदालत को पहले बताया था कि वह पहले ही पिछले साल अक्टूबर में कंपनी को 264 करोड़ रुपये का मुआवजा दे चुकी है। गोदरेज एंड बॉयस ने उसे मुआवजा देने के महाराष्ट्र सरकार के 15 सितंबर, 2022 को जारी आदेश को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी।

वैश्विक निवेशक सम्मेलन आज से, यूपी के विकास पर मंथन

मेहमानों के स्वागत के लिए तैयार लखनऊ, प्रधानमंत्री करेंगे उद्घाटन, 12 फरवरी तक चलेगा कार्यक्रम, पहले दिन योगी करेंगे संबोधित

- केंद्र और राज्य सरकार के कई मंत्री और देश के प्रमुख उद्योगपति कार्यक्रम में करेंगे सहभागिता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए उप की राजधानी लखनऊ को सुंदर ढंग से सजाया गया है

यूपी के आर्थिक विकास को बढ़ाने के लिए शुक्रवार से तीन दिन तक ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) का आयोजन होगा। शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिवसीय समिट का शुभारंभ करेंगे। इस सत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी बढ़ते और बदलते उत्तर प्रदेश के बारे में विचार रखेंगे।

तीन दिनों में कुल 34 सत्र होंगे। पहले दिन 10, दूसरे दिन 13 और आखिरी दिन 11 सत्र आयोजित किए जाएंगे। अधिकांश सत्रों में केंद्रीय मंत्री मौजूद रहेंगे। समिट का उद्घाटन सत्र वाल्मीकि मेन हॉल में होगा जिसको प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व राज्य के औद्योगिक मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी के साथ ही उद्योगपति मुकेश अंबानी, के चंद्रशेखरन, कुमार मंगलम बिरला व आनंद महिंद्रा संबोधित करेंगे। दस फरवरी को दोपहर 2.30 से 4 बजे तक व्यास हॉल 1 में यूपी डिजाइनिंग एंड मैन्यूफैक्चरिंग इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड विषय पर चर्चा होगी। इसके मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव होंगे। दधीचि हॉल 2 में टूरिज्म लीवरेजिंग कल्चरल हैरिटेज फॉर मॉडर्न एंड प्रोग्रेसिव उत्तर प्रदेश विषय पर चर्चा होगी। इसमें केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी बतौर मुख्य अतिथि रहेंगे। भारद्वाज हॉल तीन में सिंगापुर पार्टनर कंट्री सेशन होगा।

इसमें यूपी सरकार के मंत्री एके शर्मा व स्वतंत्र देव सिंह मौजूद रहेंगे। विशिष्ठ हॉल चार में सस्टेनेबल डवलपमेंट रिनीवल एनर्जी पर सत्र होंगे। इसमें केंद्रीय मंत्री आरके सिंह मुख्य अतिथि की भूमिका में होंगे। शाम 4.30 से 6 बजे तक व्यास हॉल 1 में एडवांटेज उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर विषय पर चर्चा होगी। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शिरकत करेंगे। दक्षीचि हॉल दो में ओडीओपी इम्पावरिंग ट्रेडिशनल इंडस्ट्री पर संगोष्ठी होगी। मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी होंगी। भारद्वाज हॉल (शेष पेज 8)

ग्रेनो में खुलेगी इंटीग्रेटेड यूनिवर्सिटी 2000 करोड़ रुपये का निवेश होगा

● मलेशियाई शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष ने सीईओ से की मुलाकात

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

बैठक मं सीईओ ऋतु माहेश्वरी

मलेशियाई बेस्ड शिक्षण संस्थान लिंकन यूनिवर्सिटी कॉलेज ग्रेटर नोएडा में इंटीग्रेटेड विश्वविद्यालय खोलना चाह रहा है।

इसी सिलसिले में एक प्रतिनिधिमंडल ने सीईओ ऋतु माहेश्वरी से मुलाकात की और प्लान पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल को जमीन भी दिखा दी गई है। ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट के बाद जमीन आवंटन की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। संस्था ने 100 से 150 एकड़ जमीन मांगी है। इस पर 2000 करोड़ का निवेश होगा। यहां 50 हजार छात्र उच्च तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। इस विश्वविद्यालय में 5000 रोजगार के अवसर भी मिलेंगे।

ग्रेटर नोएडा सिर्फ औद्योगिक निवेश ही नहीं, बल्कि शैक्षणिक निवेश का भी केंद्र बना हुआ है। देश.विदेश के तमाम बड़े निवेशक यहां निवेश करना चाह रहे हैं। ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट में एक लाख करोड़ रुपए के करार से यह बात साबित भी हो रहा है। निवेशकों की इसी कड़ी में एक बड़ा नाम लिंकन यूनिवर्सिटी कॉलेज भी जल्द जुड़ सकता है। संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष डॉ अमिया भौमिक और कार्यकारी निदेशक डॉ अब्दुल रफीक ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की सीईओ रितु माहेश्वरी से मुलाकात की और अपने प्रोजेक्ट से अवगत कराया।

ग्रेटर नोएडा में इंटीग्रेटेड यूनिवर्सिटी खोलने की इच्छा जताई। यूनिवर्सिटी खोलने के लिए 100 से 150 एकड़ जमीन मांगी गई है। प्राधिकरण की सीईओ रितु माहेश्वरी के निर्देश पर ओएसडी नवीन कुमार सिंह ने यूनिवर्सिटी के लिए नॉलेज पार्क फाइव, टेकजोन टू और गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के पास खाली जमीन दिखा दी है। ये तीनों ही लोकेशन पसंद आई है। यहां का इंफ्रास्ट्रक्चर भी बहुत पसंद आया है।

इन तीनों लोकेशन में से किसी एक का चयन कर शीघ्र ही फाइनल प्रस्ताव सबमिट करने की बात कही है। संस्था प्रतिनिधियों ने 2000 करोड़ रुपए के निवेश की इच्छा जताई गई है। इस इंटीग्रेटेड यूनिवर्सिटी में 50 हजार छात्रों को उच्च तकनीकी शिक्षा प्राप्त हो सकेगी।

इसमें 5000 लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार भी मिलेगा। संस्था की तरफ से ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट के अंतर्गत भी ग्रेटर नोएडा में 2000 करोड़ रुपए के निवेश के लिए करार भी किया गया है।

इनवेस्टर्स समिट के बाद जमीन आवंटन की प्रक्रिया हो सकती है। संस्था के प्रतिनिधियों ने कहा कि एनसीआर के अन्य शहरों का भी जायजा ले चुके हैं।

ग्रेटर नोएडा उन्हें सर्वाधिक पसंद आया है। यहां निवेश करने के इच्छुक हैं। सीईओ से मुलाकात के दौरान एसीईओ प्रेरणा शर्मा और अमनदीप डुली भी मौजूद रहे।

तेंदुए के रूट की जांच करेगा वन विभाग

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में पिछले दो साल से तेंदुए के देखने की घटना को लेकर वन विभाग गंभीर है। हाल ही में हाईवे पर एक तेंदुए के मारे जाने और बुधवार को कचहरी परिसर में तेंदुए के घुसने की घटना को देखते हुए वन विभाग अब सर्तकता बरत रहा है।

डीएफओ मनीष सिंह ने बताया कि लगातार तेंदुए की हलचल को देखते हुए अब इनके आने.जाने के रूट को सर्च किया जाएगा। गाजियाबाद वाइल्ड क्षेत्र में नहीं आता नाहीं यहां ऐसे जीव रहते। ऐसे में तेंदुआ जैसा जीव किसी अन्य जिले के जंगलों से होते हुए जिले में प्रवेश कर रहे हैं। गाजियाबाद के कचहरी में चार घंटे की मशक्कत के बाद पकडे गए तेंदुए को वन विभाग की टीम ने सहारनपुर रेंज की हस्तिानपुर सेंचुरी में छोड़ दिया है। देर रात डीएफ ओ मनीष सिंह की अगुवाई में

गाजियाबाद.मेरठ वन विभाग की टीम तेंदुए को लेकर सहारनपुर निकली और वहां हस्तिानपुर सेंचुरी में छोड़ा गया। डीएफओ ने बताया कि तेंदुए को थोड़ी बहुत इंजरी थी बाकी वह पूरी तरह से स्वस्थ है। सेंचुरी में छोड़े जाने के बाद सभी ने राहत की सांस ली है।

हिट एंड रन मामला

उबर बाइक पर पीछे बैठी महिला डॉक्टर को कार ने मारी थी टक्कर

नोएडा। हिट एंड रन मामले में एक महिला डॉक्टर को एक बलेनो गाड़ी ने टक्कर मार दी। इस घटना में युवती की हालत काफी नाजुक है। डॉक्टर का इलाज दिल्ली के एक अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने पीड़िता की मां की शिकायत पर थाना सेक्टर-113 में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के जरिए नीले रंग की बलेनो कार की तलाश कर रही है।

नोएडा की सेक्टर-31 में स्थित हाउसिंग सोसाइटी में 24 साल की स्पीच थैरेपिस्ट डॉक्टर अनाहिता ऋषि अपने परिवार के साथ रहती है। अनाहिता की मां ने नोएडा सेक्टर-113 थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। शिकायत में उन्होंने बताया कि बीते मंगलवार की शाम करीब 6;00 बजे उनकी बेटी उबर बाइक के माध्यम से सेक्टर.51 मेट्रो स्टेशन की तरफ जा रही थी। तभी पीछे से एक नीले कलर की मारुति सुजुकी बलेनो गाड़ी ने बाइक में टक्कर मार दी।

सड़क पर कूड़ा फेंकने वालों की सीसीटीवी से होगी निगरानी

● नोएडा प्राधिकरण की 100 कैमरे लगाने की योजना

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में कूड़ा फेंकने वालों पर अब तीसरी आंख की नजर रहेगी। इसके लिए मुख्य स्पॉट पर 100 सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। प्राधिकरण ने कंपनियों को आमंत्रित किया है। कंपनियां 16 फरवरी तक आवेदन कर सकती हैं। 17 फरवरी को प्री क्वालिफि केशन बिड खोली जाएगी। योजना पर 112 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे।

स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर प्राधिकरण ने ये प्लानिंग की है। इसके तहत शहर में 40 से ज्यादा स्थानों को चिह्नित किया गया है, जहां लोग रात के अंधेरे में आकर कूड़ा फेंककर चले जाते है। सोसाइटी और आरडब्ल्यूए की ओर से भी इस तरह की शिकायत मिलती रहती है। इन लोगों को पकड़ने के लिए अब सीसीटीवी की मदद ली जाएगी। इन स्पॉट पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। जिससे 24 घंटे नजर रखी जा सकेगी। इंटीग्रेटेड सीक्यूरिटी ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम आईएसटीएमएस कार्यशील है। इसके तहत 1000 से ज्यादा कैमरों की मॉनिटरिंग ट्रैफिक विभाग की ओर से की जा रही है।

स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत लगाए जाने वाले कैमरे भी इसी स्थान से मोनिटर किए जाएंगे। इनका स्टॉफ अलग होगा और इनकी बैंच और मॉनिटर भी अलग होगा।

कैमरे की जद में आने के बाद अमुक व्यक्ति का चालान किया जाएगा। इसी तर्ज पर एक सेक्टर में प्रहरी बनाए जाने की योजना है। ये प्रहरी सड़क पर कूड़ा फेंकने वालों पर नजर रखेंगे। इसकी शिकायत कंट्रोल रूम में देंगे। जिस पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। ये नियम सोसाइटी और गांवों में भी लागू होंगे।

संक्षिप्त समाचार

कोर्ट की सुरक्षा को लेकर वकीलों की हड़ताल

गाजियाबाद। बुधवार को कचहरी परिसर में करीब चार घंटे तक तेंदुए का आंतक रहा। तेंदुए के हमले में आधा दर्जन लोग भी घायल हो गए। इस घटना के विरोध में गाजियाबाद बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने कडा रोष जताया। एसोसिएशन के सचिव नितिन यादव ने कहा कि तेंदुए के कचहरी में आने से अधिवक्ताओं सहित अन्य लोगों में दहशत का माहौल है। साथ ही यह सुरक्षा व्यवस्था पर भी बडा सवाल है कि कैसे एक तेंदुए यहां तक पहुंच गया। अधिवक्ताओं ने कहा कि यह इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्थाओं की कमी पर भी सवाल खडे कर दिए हैं जिसे लेकर अधिवक्ताओं ने रोष व्यक्त करते हुए आज कचहरी में हडताल कर दी।

जानलेवा हमले के मामले में 2 को भेजा जेल

गाजियाबाद। धारदार हथियारों से जानलेवा हमला बोलकर कई लोगों को गंभीर रूप से घायल करने वाले दो वांछित अभियुक्तों को मोदीनगर कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। इस संदर्भ में एसीपी रितेश त्रिपाठी ने बताया कि पुलिस ने पुलिस ने जिन दो अपराधियों को जेल भेजा है उनके नाम समीर पुत्र शब्बीर व अल्ताफ निवासी गढ़ी हैं। श्री त्रिपाठी ने बताया कि उनके खिलाफ गदाना निवासी एक युवती ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी।

कौशांबी पुलिस ने पकड़े 2 अंतरराज्यीय चोर

गाजियाबाद। कौशांबी थाना पुलिस ने आनन्द विहार के पास से चेकिंग के दौरान अंतर्राज्जीय चोरों के गैंग के दो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से चोरी करने में प्रयुक्त किये जाने वाले औजार व सामान बरामद हुआ। पूछताछ में दोनों ने अपने नाम संतोष चौहान निवासी झुग्गी-झोंपड़ी भोवापुर व राहुल निवासी गाजीपुर दिल्ली बताये। साथ ही चोरों ने यह भी बताया कि वो बॉर्डर क्षेत्र में रैकी करके दुकानों व मकानों में चोरी किया करते हैं।

25 हजार का इनामी गो तस्कर गिरफ्तार

नोएडा। गौतम बुद्ध नगर की दादरी पुलिस ने गुरुवार को पुलिस ने गोकशी करने वाले 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कोट की नहर की पूर्वी पटरी पर छोलस गांव की तरफ जाने वाले रास्ते से आरोपी को पकड़ा है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक तमंचा 12 बोर एक जिंदा कारतूस व एक खोखा कारतूस बरामद किया है। आरोपी शातिर किस्म का अपराधी है, जो गोकशी, लूट और चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। लावारिस गोवंश को सुनसान जगह पर ले जाकर अपने साथियों के साथ मिलकर गोकशी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी दिन में लावारिस पशु गोवंश को तलाश करता था। रात में मौका पाकर अपने साथियों के साथ मिलकर गोकशी करता था।

सेक्टर-18 के व्यापारियों ने उठाई समस्या

नोएडा। नोएडा आपके द्वार कार्यक्रम के तहत आज सेक्टर.18 मार्केट एसोसिएशन में समस्याओं को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसोसिएशन के अध्यक्ष सुशील कुमार जैन ने प्राधिकरण अधिकारियों के समक्ष समस्या रखी। उन्होंने बताया कि सेक्टर-18 जे ब्लॉक आदि जैसे शेष स्थानों में स्ट्रीट लाइट लगाई जाए, यातायात संकेत के साथ ब्लाक की पहचान के लिए बोर्ड लगाए जाए। उन्होंने कहा कि यहां स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत की जाए, मार्केट में विभिन्न स्थानों से अतिक्रमण हटाया जाए। ऊंची इमारतों के पास ट्रांसफॉर्मर बदले जाए, चौ राहों पर जलभराव और फव्वारा आदि का निर्माण कर सौंदर्यीकरण किया जाए। सेक्टर.18 को वेंडर मुक्त सेक्टर किया जाए। इसके अलावा मल्टी लेवल पार्किंग से मेट्रो स्टेशन सेक्टर.18 के लिए एलिवेटड वॉकवे बनाया जाए। बाजार में आग से बचाव के लिए आग सुरक्षा पाइपलाइन लगाई जाए।

जीएल बजाज संस्थान को बनाया गया डीएसटी केंद्र

नोएडा। इनोवेशन के क्षेत्र में कुछ नया करने की सोच रखने वाले छात्र-छात्राओं के लिए एक अच्छी खबर है। भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिक विभाग डीएसटी ने ग्रेटर नोएडा स्थित जीएल बजाज के सेंटर फॉर रिसर्च एंड इनक्यूबेशन को डीएसटी प्रवास केंद्र बनाया है। यहां पर छात्र छात्राओं के नए आइडिया को उड़ान भरने में मदद मिलेगी। यहां पर छात्र.छात्राओं को आर्थिक सहयोग के साथ-साथ मेंटर भी उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे युवा अपने आइडिया पर अच्छे से काम कर सकेंगे। यहां पर युवाओं को अच्छी लैब मिलेंगी और कॉलेज प्रबंधक की तरफ से भी पूरा सहयोग दिया जाएगा। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क स्थित जीएल बजाज कॉलेज में डीएसटी सेंटर बनाया गया है।

सांकेतिक कब्जे की सूचना

ICICI Bank | शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, प्लॉट नंबर- 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली- 110005

जबकि

अधोहस्ताक्षरी ने आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कर्जदार और डीएचएफएल के बीच हुए ऋण अनुबंध के अनुसरण में मंजूर की गई आवास ऋण सुविधा और प्रतिभूति के प्रवर्तन के संबंध में निम्न वर्णित कर्जदारों को (बुनियादी समूह दीवान हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड द्वारा आईसीआईसीआई बैंक को समनुदेशित किए जाने पर) माँग सूचनाएँ जारी की थीं, जिसमें उनसे सूचना में वर्णितानुसार बकाया राशि का भुगतान, उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर करने की माँग की गई थी।

कर्जदार उपरोक्त राशि चुकाने में असफल रहे हैं, एतद् द्वारा कर्जदार और जनसाधारण को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यहाँ नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा निम्न वर्णित तिथि को प्राप्त कर लिया है।

कर्जदार को विशेष रूप से तथा जनसाधारण को एतद्द्वारा उक्त संपत्ति के संबंध में संव्यवहार नहीं करने हेतु सावधान किया जाता है तथा उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभाराधीन होगा।

क्र. सं.	कर्जदार का नाम/(ऋण खाता नंबर) (डीएचएफएल पुराना ऋण खाता नंबर एवं आईसीआईसीआई नया ऋण खाता नंबर)	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्जे की तिथि	माँग सूचना की तिथि/ माँग सूचना में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	बालेश्वर/राजकुमारी- (27400000668-QZBWD00005029301)- गांव खोह, पोस्ट मानेसर, इंटर लक्ष्मी स्कूल के पास, गुड़गांव, हरियाणा गुड़गांव- 122001	फ्लैट नंबर पी-108, 7वीं मंजिल, ग्रेहन हिल व्यू गार्डन, टावर पी, धड़ा, भिवाड़ी, राजस्थान, भिवाड़ी- 301707/ 07 फरवरी, 2023	जून 27, 2022 रु. 16,15,939.00/-	भिवाड़ी/ गुड़गांव

उपरोक्त दर्शाए गए कर्जदार/सह-कर्जदार एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जाएगी जो पूर्णतः नियम 8 और 9 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक : फरवरी 10, 2023
स्थान : गुड़गांव

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

इंटीग्रेटेड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड

सीआईएन : एल31909डीएल1995पीएलसी277176
पंजी. कार्यालय : सी-24, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली-110024
फोन : +91-11-41552579
ई-मेल : info@integratedtech.in | वेबसाइट : www.integratedtech.in

31 दिसम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही और नौ माह हेतु
अ-लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का विवरण

(रू. लाख में, सिवाय प्रति शेयर डेटा)

क्र. सं.	विवरण	तिमाही समाप्त			नौ माह समाप्त		वर्ष समाप्त
		31-12-2022	30-09-2022	31-12-2021	31-12-2022	31-12-2021	31-03-2022
1	परिचालन से कुल आय	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित
	(क) शुद्ध बिक्री/प्रचालनों से आय	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	(ख) अन्य प्रचालन आय	0.00	509.92	0.00	509.92	0.00	12.01
	प्रचालनों से कुल आय {1(क) + (ख)}	0.00	509.92	0.00	509.92	0.00	12.01
2	अन्य आय	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
3	कुल आय (1+2)	(0.00)	509.92	0.00	509.92	0.00	12.01
4	व्यय						
	क) खपत की गई सामग्री की लागत	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	ख) व्यापार में स्टॉक का क्रय	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	ग) तैयार माल, प्रगति में कार्य तथा व्यापार में स्टॉक की मालसूची में परिवर्तन	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	घ) कर्मचारी हित व्यय	0.90	1.06	1.05	3.01	3.16	4.21
	ङ) वित्त लागत	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	च) मूल्यह्रास व्यय	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	छ) अन्य व्यय	2.24	2.81	1.25	8.66	2.32	11.97
	कुल व्यय {4(क) से 4(छ)}	3.14	3.87	2.30	11.67	5.48	16.18
5	कुल लाभ, अपवाद मदों तथा असाधारण मदों तथा कर से पूर्व	(3.14)	506.05	(2.30)	498.25	(5.48)	(4.17)
6	अपवाद मदें	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
7	करों से पहले लाभ (5-6)	(3.14)	506.05	(2.30)	498.25	(5.48)	(4.17)
8	कर व्यय						
	चालू कर	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	आस्थगित कर	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	(9.87)
	कुल कर व्यय	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	(9.87)
9	अवधि हेतु कर पश्चात लाभ (7-8)	(3.14)	506.05	(2.30)	498.25	(5.48)	(14.04)
10	अन्य समावेशी आय (ओसीआई						
	क) मदें जो लाभ एवं हानि में पुनरवर्गीकृत की जाएंगी (कर की शुद्ध)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	ख) मदें जो लाभ एवं हानि में पुनरवर्गीकृत नहीं की जाएंगी (कर की शुद्ध)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
11	अवधि हेतु कुल समावेशी आय (9+10)	(3.14)	506.05	(2.30)	498.25	(5.48)	(14.04)
12	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी (रू. 10 प्रत्येक का इक्विटी शेयर, पूर्ण चुकता)	478.15	478.15	478.15	478.15	478.15	478.15
13	अन्य इक्विटी						
14	प्रति शेयर अर्जन (शेयरों का अंकित मूल्य रू. 10 (पूर्व वर्ष रू. 10) (वार्षिककृत नहीं)						
	(क) मूल	(0.07)	10.58	(0.05)	10.42	(0.11)	(0.29)
	(ख) तनुकृत	(0.07)	10.58	(0.05)	10.42	(0.11)	(0.29)

टिप्पणियां :

1) उपरोक्त वित्तीय परिणाम भारतीय लेखांकन मानक (आईएनडी-एएस) के अनुसार तैयार किए गए हैं, जैसा कि कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 के साथ पठित तदधीन विरचित नियमों के तहत निर्धारित किया गया है। इंटीग्रेटेड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ("कम्पनी") के सांविधिक लेखापरीक्षकों ने सेबी (सूचीयन दायित्व एवं अन्य प्रकटन अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015, यथा संशोधित, के विनियम 33 के अनुसरण में उपरोक्त परिणामों का सीमित पुनरीक्षण किया है और असंशोधित समीक्षा मत व्यक्त किया है।
2) कम्पनी का प्रचालन खंड "प्रिंटेड सर्किट बोर्ड" "मुख्य प्रचालन निर्णय कर्ता" ("सीओडीएम") चिह्नित किया गया है, जो एक खंड के समग्र कम्पनी स्तर पर व्यवसाय निष्पादन की समीक्षा करता है। अतएव, सेबी (सूचीयन दायित्व एवं अन्य प्रकटन अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 की अनुसूची 4 के क्लॉज (एल) के साथ पठित विनियम 33(1) (ई) के अनुसार प्रकटीकरण कम्पनी पर लागू नहीं है।
3) 31 दिसम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही हेतु उपरोक्त अलेखापरीक्षित परिणाम 09 फरवरी, 2023 को आयोजित संबंधित बैठक में लेखापरीक्षा समिति द्वारा पुनरीक्षित और निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किए गए हैं।
4) सेबी (सूचीयन दायित्व एवं अन्य प्रकटन अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015, यथा संशोधित, के विनियम 33 के निबन्धनों में उपरोक्त परिणामों के संबंध में प्रबंध निदेशक एवं सीएफओ से प्राप्त प्रमाणपत्र निदेशक मंडल के समक्ष प्रस्तुत किया जा चुका है।
5) कम्पनी का कारखाना परिचालन पहले ही नहीं चल रहा था और कोविड के बाद सम्पूर्ण गतिविधि रूक गई है। कम्पनी ने अपना उत्पादन आरंभ नहीं किया है।
6) पूर्व अवधि के आंकड़े चालू अवधि के अनुरूप बनाने के लिए पुनर्समूहित/पुनर्वर्गीकृत किए गए हैं।

कृते एवं हिते निदेशक मंडल
इंटीग्रेटेड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड
हस्ता./-
(राजीव बाली)
प्रबंध निदेशक
डीआईएन - 00772978

स्थान : नई दिल्ली
तिथि : 09फरवरी, 2023

रामसन्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड

सीआईएन : L74899DL1994PLC063706
पंजी. कार्यालय : ए-10/6, वसंत विहार, नई दिल्ली-110057
वेबसाइट : www.ramsonsprojects.com, ई-मेल : corprelations@ramsonsprojects.com

31 दिसम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही और नौ माह हेतु पृथक्कृत अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का संक्षिप्त विवरण

(आईएनआर लाख में)

क्र. सं.	विवरण	तिमाही समाप्त 31-12-2022 (अलेखापरीक्षित)	नौ माह समाप्त 31-12-2022 (अलेखापरीक्षित)	तिमाही समाप्त 31-12-2021 (अलेखापरीक्षित)
1	प्रचालनों से कुल आय	15.05	39.07	24.38
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर, अपवादात्मक तथा/अथवा असाधारण मदों से पूर्व)	0.56	4.90	9.21
3	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर से पहले (अपवादात्मक तथा/अथवा असाधारण मदों के पश्चात)	0.56	(6.87)	9.21
4	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर पश्चात (अपवादात्मक तथा/अथवा असाधारण मदों के पश्चात)	0.58	(6.93)	9.19
5	अवधि हेतु कुल समावेशी आय [जिसमें अवधि हेतु लाभ/(हानि) (कर पश्चात) तथा अन्य समावेशी आय (कर पश्चात) सम्मिलित है]	0.94	(4.83)	12.44
6	इक्विटी शेयर पूंजी	300.65	300.65	300.65
7	संचेय (पुनर्मूल्यन संचेय छोड़कर) जैसाकि पिछले वर्ष के लेखापरीक्षित तुलनपत्र में दर्शाया गया है	-	-	-
8	अर्जन प्रति शेयर (रू. 10/- प्रत्येक का) (जारी और बंद प्रचालनों हेतु)			
	1. मूल :	0.02	(0.23)	0.31
	2. तनुकृत :	0.02	(0.23)	0.31

नोट्स :
1. प्रति शेयर अर्जन अंतरिम अवधि हेतु वार्षिककृत नहीं है।
2. 31-12-2022 को समाप्त तिमाही और नौ माह हेतु कम्पनी के वित्तीय परिणाम एकल आधार पर तैयार किए गए हैं, क्योंकि ऐसी कोई स्थिति नहीं है, जहां कम्पनी को समेकन की आवश्यकता हो। संगत अवधियों के आंकड़े, जहां आवश्यक है, पुनर्समूहित एवं पुनर्व्यवस्थित किए गए हैं।
3. उपरोक्त विवरण सेबी (सूचीयन दायित्व एवं अन्य प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंज में प्रस्तुत किए गए तिमाही और नौ माह हेतु वित्तीय विवरण का संक्षिप्त विवरण है। उक्त परिणामों का पूर्ण विवरण स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट (www.bseindia.com) तथा कम्पनी की वेबसाइट (www.ramsonsprojects.com) पर उपलब्ध है।

बोर्ड के आदेश द्वारा
रामसन्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड
हस्ता./-
सुनील सचदेव
प्रबंध निदेशक
डीआईएन : 00012115

स्थान : गुरुग्राम, हरियाणा
दिनांक : 09-02-2023

यूनाइटेड लीजिंग ऐंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड

पंजी. कार्यालय : प्लॉट नंबर 66, सेक्टर-34, ईएचटीपी, गुरूग्राम-122001 (हरियाणा)
फोन : 0124-4200274, ई-मेल : investorrelations@ulilltd.com.
वेबसाइट : ulilltd.com. (सीआईएन : एल17100एचआर1983पीएलसी033460)

असाधारण सामान्य बैठक की सूचना

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि यूनाइटेड लीजिंग ऐंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड की दूसरी असाधारण सामान्य बैठक शुक्रवार 03 मार्च, 2023 को अप. 1.00 बजे 14 Kms, गुरूग्राम पटौदी रोड, ग्राम झुंड सराय वीरान, जिला गुरूग्राम, सेक्टर-95, गुरूग्राम हरियाणा-122001 में आयोजित की जाएगी, जिसमें निम्नलिखित व्यवसाय निष्पादित किए जाएंगे :

ईजीएम कम्पनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") के लागू प्रावधानों, तदधीन विरचित नियमों के साथ पठित एमसीए के जनरल सर्कुलर्स नंबर 14/2020, 17/2020, 20/2020, 02/2021, 02/2022 क्रमानुसार दिनांकित 8 अप्रैल, 202, 13 अप्रैल, 2020, 5 मई, 2020, 13 जनवरी, 2021 तथा 5 मई, 2022 और सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 ("सेबी सूचीकरण विनियमावली") के साथ पठित सेबी सर्कुलर नंबर सेबी/एचओ/सीएफडी/सीएम01/सीआईआर/2020 दिनांकित 12 मई, 2020 के सम्यक् अनुपालन में आयोजित की जा रही है।

कम्पनी अधिनियम की धारा 108 के अनुसरण में और उपरोक्त सर्कुलर्स के अनुपालन में ईजीएम की सूचना केवल ई-मेल द्वारा 08 फरवरी, 2023 को उन सभी सदस्यों को प्रेषित कर चुकी है, जिनका ई-मेल पता कम्पनी/कम्पनी के रजिस्ट्रार एवं शेयर ट्रांसफर एजेंट (आरटीए) नामतः मैसर्स लिंक इन टाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड अथवा उनके संबंधित डिपॉजिटरी पार्टिसिपैंट्स ("डिपॉजिटरी") के पास पंजीकृत है। ईजीएम की सूचना कम्पनी की वेबसाइट ulilltd.com पर भी उपलब्ध है।

कम्पनी अधिनियम की धारा 108 के साथ पठित कम्पनी (प्रबंधन और प्रशासन) नियमावली, 2014 और सेबी सूचीकरण विनियमावली के विनियम 44 के अनुसरण में सभी सदस्यों को ईजीएम में प्रस्तावित प्रस्तावों पर उनका वोट इलेक्ट्रॉनिक विधि से डालने हेतु सक्षम बनाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक साधनों द्वारा वोटिंग (ई-वोटिंग) के लिए रिमोट ई-वोटिंग की सुविधा प्रदान कर रही है। कम्पनी ने यह ई-वोटिंग सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए नैशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) तथा सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विस लिमिटेड (सीडीएसएल) की सेवाएं अनुबंधित की हैं तथा कम्पनी (प्रबंधन और प्रशासन) नियमावली, 2014 के नियम 20 (4) (अ) के अनुसरण में अपेक्षित विस्तृत विवरण यहां नीचे दिया गया है।

ईजीएम का दिन और तिथि : 03 मार्च, 2023 समय अप. 01.00 बजे
स्थान : 14 Kms, गुरूग्राम पटौदी रोड, ग्राम झुंड सराय वीरान, जिला गुरूग्राम, हरियाणा
ई-वोटिंग अवधि : 28 फरवरी (पूर्वा. 9.00 बजे) तथा समाप्ति 02 मार्च, 2023 (अप. 5.00 बजे) कट-ऑफ तिथि 24 फरवरी, 2023

भौतिक रूप में शेयरों के धारक सदस्य ये विवरण आरटीए लिंक इनटाइम इंडिया प्रा. लि., नोबल हाइट्स, प्रथम तल, प्लॉट नंबर एनएच 2, एलएससी, सी-1 ब्लॉक, निकट सावित्री मार्किट, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058. फोन नंबर : 011-41410592-93-9 फैक्स : 011-41410591, ई-मेल : के पते पर शुक्रवार, 17 फरवरी, 2023 से पहले भेज सकते हैं, जिसमें संदर्भ फोलियो नंबर दिया जाना चाहिए तथा उनके सक्रिय बैंक खाते के चैक पन्ने की फोटोप्रति और उनके पैन कार्ड की स्व-सत्यापित प्रति संलग्न की जानी चाहिए। शेयरधारक लॉगइन करने में किसी तकनीकी समस्या के मामले में लिंक इनटाइम इंस्टावोट हेल्पडेस्क से enotices@linkintime.co.in पर अनुरोध भेजकर सम्पर्क कर सकते हैं अथवा फोन : 022- 4918 6000 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

बोर्ड के आदेश द्वारा
यूनाइटेड लीजिंग ऐंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड
हस्ता./-
शशि शेखर
कम्पनी सचिव

स्थान : नई दिल्ली
तिथि : 08-02-2023

सार्वजनिक सूचना

मुकदमें के फैसले के बारे में समन्स (व्यवहार प्रक्रिया संहित, आदेश 5 नियम 1 और 5)
परिवाद क्रमांक सी.सी.,/2020/544
जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, दुर्ग (छ.ग.)

आवेदक / परिवादी सत्येन्द्र सुखलाल सहा पीता सुखलाल सहा उम्र 66 वर्ष वर्तनाम पता 1 क्यू नं. बी/2 टेम्पल के सामने शी शंकराचार्य मेडिक कॉलेज भिलाई जुनवानी भिलाई दुर्ग (छ. ग.) पिन न. 490020 मो 9823176142

बनाम

अनावेदक एल. जी. इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ए विंग (तीसरी मंजिल) जिला सेण्टर, साकेत जिला, नई दिल्ली -110017

आवेदक / परिवादी ने अनावेदक के विरुद्ध उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के तहत रू.42990/- मय ब्याज एवं मानसिक क्षति के लिए परिवाद प्रस्तुत किया है, आपको इस समंस द्वारा आदेशित किया जाता है कि आप प्रकाशन की तिथि के 30 दिवस के अन्दर पेशी दिनांक 17/03/2023 .को सुबह 11 बजे स्वयं या ऐसे किसी प्लीडर / अधिवक्ता द्वारा उपसंजात होकर अपना पक्ष मय शपथ पत्र के साथ प्रस्तुत करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा आधारित है और आप यदि किसी अन्य दस्तावेज समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है, तो आप ऐसे दस्तावेज की सूची के साथ अपने लिखित प्रतिरक्षा के साथ पेश करें।

आपको सूचित किया जाता है कि आप उक्त बतायी गई पेशी तिथि को या उसके पूर्व या समंस तामिली के 30 दिवस के अन्दर इस जिला आयोग में उपसंजात नहीं होंगे तो परिवाद की सुनवाई और निराकरण आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।

आज दिनांक10-01-2023 को जिला आयोग की मुहर से जारी किया गया।

अध्यक्ष
जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष
आयोग दुर्ग
जिला-दुर्ग (छत्तीसगढ़)

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यवाहक कार्यकारी संपादक: विजय प्रकाश सिंह , स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।

एफबीयू मामले में दिल्ली सरकार की घेरेबंदी

भाजपा ने मुख्यमंत्री केजरीवाल, सिसोदिया का मांगा इस्तीफा, कांग्रेस ने की प्राथमिकी दर्ज करने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एक के बाद एक आरोपों और मुश्किलों में घिरते जा रहे हैं। शराब घोटाले में लगते आरोपों और राज निवास से टकराव की वजह से कामकाज में आ रही दिक्कतों के बीच जासूसी कांड (फीडबैक यूनिट) से खलबली मच गई है। आरोप है कि सरकार ने विजिलेंस डिपार्टमेंट में फीडबैक यूनिट का गठन किया और इससे नेताओं की जासूसी कराई गई।

इस मुद्दे को लेकर भाजपा और कांग्रेस ने दिल्ली सरकार पर हमला तेज कर दिया है। प्रदेश भाजपा ने इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन कर यातायात जाम किया। साथ ही मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया का का इस्तीफा मांग है। वहीं प्रदेश कांग्रेस ने केजरीवाल और सिसोदिया के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की मांग की है। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को किसी भी तरह का विरोध सहन नहीं है चाहें वह राजनीतिक, प्रशासनिक या फिर न्यायपालिका का।

केजरीवाल वर्ष 2015 में सत्ता में आये तो उन्होंने पहला काम मीडिया कर्मियों के सचिवालय में प्रवेश का रोक लगा दी। इसके बाद केजरीवाल ने राजनीतिक विरोधियों, मीडिया हाउसों, केन्द्रीय मंत्रियों, बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठानों आदि पर निगाह रखने के लिये अन्य राज्यों से पुलिसकर्मी बुलाकर अपनी निजी संस्था फीडबैक यूनिट बना डाली।

एफबीयू अरविंद केजरीवाल के खिलाफ हर तरह के विरोधियों पर नजर रखने का माध्यम थी तो वहीं यह केजरीवाल के द्वारा वर्ष 2015 में मिले पूर्ण बहुमत का दुरुपयोग करने का सबसे बड़ा प्रमाण है। रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चंद्रशेखर की सरकार के समय कांग्रेस की ओर से उनपर आरोप लगाया गया कि उनकी सरकार राजीव गांधी के परिवार की जासूसी करवा रही है और चन्द्रशेखर की सरकार गिर गई लेकिन आज सरकारी रिकॉर्ड बता रहा है कि केजरीवाल सरकार में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने उपराज्यपाल, सांसद एवं विधायकों की जासूसी करने के लिए एक अलग विभाग की स्थापना कर दी लेकिन इस्तीफा देना तो दूर केजरीवाल इन आरोपों को झूठा बता रहे हैं। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार ने कहा कि भ्रष्टाचार खत्म करने का फैसला करने वाले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने 28 अक्टूबर 2015 को सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के बहाने राजनीतिक जासूसी कराने के लिए फीडबैक यूनिट को सिर्फ केबिनेट प्रस्ताव पर गठित करके संवैधानिक और प्रशासनिक प्रक्रियाओं का उलंघन किया है।

आईटीओ पर भाजपा नेता और कार्यकर्ता आप सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए। फोटो: रंजन डिमरी

कांग्रेस मांग करती है मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को फीडबैक यूनिट गठित करके प्रशासनिक अनियमितताओं के 700 मामलों में मुख्य आरोपी बनाकर उपराज्यपाल के निर्देश पर सीबीआई मुख्यमंत्री के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल करें।

जंतर मंतर पर भाजपा, अडाणी के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

नई दिल्ली। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की सदस्यों ने वित्तीय अनियमितताओं और बाजार में हेराफेरी के आरोपों को लेकर केंद्र और अडाणी समूह के खिलाफ बृहस्पतिवार को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया। महिलाओं ने मामले में जांच की मांग करते हुए नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान तख्तियां थाम रखी थीं, जिन पर लिखा था- भारत कहता है, हमें भाजपा नहीं चाहिए , भाजपा भूख से परेशान आबादी पर कोई रहम नहीं करती, एलपीजी सिलेंडर 1,100

रुपए हो गया है और प्रधानमंत्री (नरेन्द्र) मोदी का मंत्र: जनता से छीनो, अडाणी को दो। कई प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान सिर पर काली पट्टी बांध रखी थी, जिन पर महंगाई मुक्त भारत लिखा था। महिला कांग्रेस प्रमुख नीता डीसूजा ने कहा, हम इस मामले की तत्काल जांच चाहते हैं।

विशेष अधिकारी पारित कर सकते हैं एमसीडी का बजट

- अभी तक नहीं महापौर नहीं चुने जाने से परेशानी

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) का महापौर अब तक नहीं चुने जाने के बीच निगम का 2023-2024 का बजट इसके विशेष अधिकारी द्वारा पारित किया जा सकता है। यह जानकारी सूत्रों ने बृहस्पतिवार को दी।

सूत्रों के मुताबिक, बजट कवायद को पूरा करने में एक हफ्ते का ही समय बचा है और अगर निगम के विशेष अधिकारी द्वारा बजट पारित किया जाता है तो यह एमसीडी के इतिहास में अप्रत्याशित घटनाक्रम होगा, क्योंकि परंपरागत रूप से बजट को सदन पारित करता है।

गौरतलब है कि एमसीडी सदन अब तक तीन बार महापौर का चुनाव करने में विफल रहा है। जब-जब महापौर के चुनाव के लिए सदन की बैठक बुलाई जाती है तब-तब हंगामा होता है और कार्यवाही को स्थगित कर दिया जाता है। महापौर के चुनाव के लिए सदन की पिछली बैठक छह फरवरी को हुई थी और मनोनीत पार्षदों को मताधिकार देने को लेकर हुए हंगामे के बाद कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया था। आम आदमी पार्टी (आप) ने प्रक्रिया को रोकने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर साजिश रचने का आरोप लगाया है।

आप ने अदालत की निगरानी में चुनाव कराने के लिए मंगलवार को उच्चतम न्यायालय का रुख किया। सूत्रों ने पहले बताया था कि निगम के आयुक्त ज्ञानेश भारती ने आठ दिसंबर को एमसीडी का बजट इसके विशेष अधिकारी को प्रस्तुत किया था। नियमों के तहत आयुक्त को वार्षिक बजट 10 दिसंबर से पहले पेश करना होता है।

इसके बाद बजट को महापौर की अध्यक्षता में सदन की विशेष बैठक में सदन के नेता द्वारा अनुमोदित किया जाता है। इस संबंध में एक आधिकारिक सूत्र ने कहा, सदन तीन बार की कोशिश के बावजूद महापौर का चुनाव नहीं कर सका है और मामला अब अदालत चला गया है तथा डीएमसी अधिनियम 1957 के तहत बजट कवायद को 15 फरवरी तक पूरा करना है। ऐसे में लगता है कि बजट को विशेष अधिकारी द्वारा पारित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि अगर सदन में महापौर की अध्यक्षता के बिना बजट पारित किया जाता है तो यह एमसीडी के इतिहास में अप्रत्याशित घटनाक्रम होगा। राष्ट्रीय राजधानी में एमसीडी का चुनाव पिछले साल चार दिसंबर को हुआ था और सात दिसंबर को नतीजे आए थे। आप ने 250 में से 134 वार्ड पर जीत हासिल की थी जबकि भाजपा को 104 सीट मिली थी।

दिल्ली पुलिस में 3000 महिलाओं की भर्ती जल्द

- एलजी ने दिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट के लिए भवन निर्माण में तेजी के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उपराज्यपाल वी के सक्सेना की अध्यक्षता में महिला सुरक्षा पर एक बैठक में दिल्ली पुलिस ने बृहस्पतिवार को सूचित किया कि वह जल्द ही पुलिसिंग में सुधार के लिए 3,000 महिलाओं सहित लगभग 6,000 कर्मियों की भर्ती करेगी। सक्सेना ने बल में महिला पुलिसकर्मियों के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उपराज्यपाल कार्यालय से जारी बयान में कहा गया कि सक्सेना ने महिला सुरक्षा के मुद्दों से निपटने के लिए फास्ट-ट्रैक अदालतों के लिए भवन निर्माण में तेजी लाने और 311 ऐप के साथ स्टीट लाइट को एकीकृत करने के भी निर्देश दिए। राजधानी में 1,406 डार्क स्पॉट की जानकारी मिलने के बाद सक्सेना ने दिल्ली नगर निगम को एक महीने के भीतर इन स्थानों को रौशन करने का काम पूरा करने का निर्देश दिया।

केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन का एक गेट बंद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन के द्वार संख्या एक को रखरखाव संबंधी कार्य के चलते अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने ट्विटर पर लिखा, केंद्रीय सचिवालय के द्वार संख्या एक से प्रवेश और निकास 10 फरवरी से नवीनीकरण कार्य के लिए बंद रहेगा। यात्री प्रवेश और निकास के लिए द्वार संख्या दो और द्वार संख्या पांच का उपयोग कर सकते हैं।गौरतलब है कि यह स्टेशन राष्ट्रीय राजधानी के केन्द्र में स्थित है और येलो लाइन तथा वायलेट लाइन के बीच इंटरचेंज की सुविधा प्रदान करता है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रखरखाव का काम पूरा होने तक द्वार संख्या एक बंद रहेगा।

यमुना स्वच्छता: सीवर का पानी होगा रिसाइकिल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- यमुना विहार एसटीपी की क्षमता 45 से बढ़ाकर की जाएगी 70 एमजीडी, पूर्वी दिल्ली की छह लाख आबादी को होगा फायदा

केजरीवाल सरकार ने वर्ष 2025 तक यमुना को प्रदूषण मुक्त करने के लिए लगातार काम कर रही है। इसी कड़ी में बृहस्पतिवार को उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने यमुना विहार एसटीपी की क्षमता को बढ़ाने और यमुना तक साफ पानी पहुंचाने के लिए विशेष पाइपलाइन डालने की परियोजना के प्रस्ताव को मंजूरी दी।

इस परियोजना के तहत यमुना विहार एसटीपी की क्षमता 45 एमजीडी से बढ़ाकर 70 एमजीडी की जाएगी। इस दौरान सिसोदिया ने आधुनिक तकनीक से अपग्रेड कर सीवेज के पानी को बेहतर तरीके से शोधित करने के निर्देश दिए, ताकि गंदे पानी के बायोलॉजिकल ऑक्सीडेशन डिमांड (बीओडी) स्तर को शोधित कर 10 तक लाया जा सके। परियोजना के पूरा होने पर पूर्वी दिल्ली की करीब 6 लाख आबादी को फायदा होगा। साथ ही पूर्वी दिल्ली के नाले में गंदे पानी के बहाव को कम करने में मदद मिलेगी। मनीष सिसोदिया ने बताया कि अलग अलग इलाकों में विभिन्न वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट की क्षमता बढ़ाने व यमुना की सफाई को लेकर चरणबद्ध तरीके से काम किया जा रहा शोधित पानी के पुनर्चक्रण और दोबारा उपयोग पर जोर देते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि एसटीपी से आने वाले ट्रीडेड पानी से न केवल यमुना को साफ करने में मदद करेगा, बल्कि अन्य चीजों के लिए भी बेहत उपयोगी है। इसे बागवानी और झीलों का कायाकल्प करने आदि में इस्तेमाल किया जा सकेगा, ताकि पीने की बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके। यमुना विहार एसटीपी से यमुना नदी तक एक विशेष पाइपलाइन डाली जाएगी। वर्तमान में वहां एक पाइपलाइन पहले से ही बिछी हुई है, लेकिन सीमित क्षमता होने के चलते डीजेबी ने एक अन्य पाइपलाइन डालने की योजना बनाई है।

संक्षिप्त समाचार

चर्च के अगले भाग का गिरा मलबा।

चर्च की दीवार गिरने से मजदूर की मौत

नई दिल्ली। सुभाष प्लेस स्थित शक्रपुर इलाके में बृहस्पतिवार सुबह दो मंजिला चर्च का अगला हिस्सा भरभराकर जमींदोज हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस, दमकलकर्मी, आपदा प्रबंधन और निगम की टीम ने मलबे से एक मजदूर को जख्मी हालत में निकालकर भगवान महावीर अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसने दम तोड़ दिया। पादरी इमारत में मरम्मत करवा रहे थे। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है। पुलिस उपायुक्त उषा रंगनानी ने बताया कि सुबह करीब 9:45 बजे सूचना मिली कि शक्रपुर जी-ब्लॉक में मकान गिर गया है। सुभाष प्लेस थाना प्रभारी समेत दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। इमारत में पहली मंजिल पर काम कर रहा बिहार निवासी रघुबंश (35) मलबे में दब गया था। उसे पीसीआर की मदद से अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी मौत हो गई। चर्च के पादरी इमैनुअल (58) ने बताया कि इमारत 35 साल से अधिक पुरानी थी। भूतल पर चर्च था, जबकि पहली और दूसरी मंजिल खाली पड़ी थी।

टाटा पावर ने कस्टमर केयर सेंटर का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के 70 लाख से अधिक की आबादी के लिए बिजली सप्लाई करने वाली पावर यूटिलिटी टाटा पावर-डीडीएल ने अपने ग्राहकों को गुणवत्ता परक सेवा देने के लिए सिविल लाइंस में उन्नत कस्टमर केयर सेंटर का उद्घाटन किया है। इसके अलावा कंपनी अपने सभी कस्टमर केयर सेंटर्स को उन्नत बना रही है। इसके अलावा कस्टमर मोबाइल एप्लीकेशन 'टीपीडीडीएल कनेक्ट' को भी उन्नत बना रही है। इस नए यूजर-फ्रैंडली इंटरफेस के द्वारा उपभोक्ताओं के लिए बेहतर कस्टमर डैशबोर्ड, सुरक्षित बिलिंग एवं पेमेंट मोड, यूसेज टैब, वर्चुअल असिस्टेंट, गैस्ट लॉगिन, सर्विस रिक्वेस्ट और एनजी बचाने के लिए उपयोगी जानकारी भी उपलब्ध होगी। द्विजदास बासक, चीफ कस्टमर एक्सपीरियंस, कमर्शियल एंड सोशल इनोवेशन रुप, टाटा पावर-डीडीएल ने कहा कि टाटा पावर-डीडीएल में कस्टमर हमारे लिए हमेशा से प्रमुख रहे हैं।

'बिना बाधा बिजली उपलब्ध कराएगी सरकार'

नई दिल्ली। ऊर्जा के क्षेत्र में दिल्ली आत्मनिर्भर बनानेगी। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार को ऊर्जा विभाग के अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक की। बैठक में सिसोदिया ने ऊर्जा की जरूरतों और उसे पूरा करने के लिए दिल्ली सरकार की तैयारियों पर चर्चा की। विभिन्न पहलों के माध्यम से अगले 3 साल में नवीकरणीय उर्जा स्रोतों के माध्यम से करेगी 6000 मेगावाट बिजली का उत्पादन करने का लक्ष्य है। उर्जा की मांग के बड़े हिस्से को नवीकरणीय उर्जा पर शिफ्ट करना है ताकि थर्मल पॉवर प्लांट से निर्भरता कम हो सके और स्वच्छ अक्षय उर्जा का उत्पादन कर सकें। बैठक में अधिकारीयों ने बताया कि अबतक की सबसे ज्यादा बिजली की मांग 2022 में जून के महीने में 7695 मेगावाट रही।

डीडीसीडी उपाध्यक्ष के रूप में बहाल करने की अपील

नई दिल्ली। जैस्मीन शाह ने दिल्ली उच्च न्यायालय से दिल्ली के संवाद एवं विकास आयोग (डीडीसीडी) के उपाध्यक्ष के रूप में अपने विशेषाधिकार बहाल करने का आग्रह किया। शाह ने साथ ही दावा किया कि उपराज्यपाल द्वारा उन्हें उनके पद से हटाए जाने से संबंधित मामले को राष्ट्रपति को भेजा जाना कानून के अनुरूप नहीं है। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह मामले में शाह की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थीं, जिसमें दिल्ली सरकार के निदेशक द्वारा 17 नवंबर, 2022 को जारी उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें उपराज्यपाल ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से उन्हें डीडीसीडी के उपाध्यक्ष के पद से हटाने का अनुरोध किया था।

ईडी ने एक और आरोपी को किया गिरफ्तार

आबकारी नीति

- धन शोधन मामले में विज्ञापन कंपनी का निदेशक हिरासत में

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली की आबकारी नीति में कथित अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन के मामले में एक विज्ञापन कंपनी के निदेशक राजेश जोशी को गिरफ्तार किया है। आम आदमी पार्टी (आप) के गोवा विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान में कंपनी की कथित तौर पर अहम भूमिका थी।

चैरियट प्रोडक्शंस मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक राजेश जोशी को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया था। उन्हें स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा, जहां एजेंसी उनकी हिरासत का अनुरोध करेगी।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मामले में दाखिल किए अपने दूसरे आरोपपत्र में दावा किया है कि दिल्ली की अब रद्द कर दी गई आबकारी नीति में कथित रूप से ली गई 100 करोड़ रुपए की रिश्वत के एक हिस्से का इस्तेमाल 2022 के गोवा विधानसभा चुनाव में आप के अभियान में किया गया। इस संबंध में जोशी की भूमिका की जांच की जा रही है। निदेशालय के अनुसार, आप ने 2022 के विधानसभा चुनाव में गोवा चुनाव अभियान के लिए संबंधित विज्ञापन और अन्य कार्यों का जिम्मा चैरियट प्रोडक्शंस को दिया था। निदेशालय मामले में अभी तक जोशी सहित आठ लोगों को गिरफ्तार कर चुका है।

सीबीआई और निदेशालय ने अपनी शिकायत में दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और सरकार के कई अन्य आबकारी अधिकारियों को आरोपी बनाया है।

बुद्ध विहार में मिला युवक का शव

नई दिल्ली। रोहिणी के बुद्ध विहार इलाके में बृहस्पतिवार की सुबह एक नाले में एक व्यक्ति का शव मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि राजेंद्र (35) बेरोजगार था और शराब पीने का आदी था।

पुलिस ने बताया कि घटना के समय राजेंद्र नशे में था और ऐसा संदेह है कि वह सड़क किनारे बने एक नाले में दुर्घटनावश गिर गया होगा क्योंकि वह उसके पास बैठा था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विजय विहार पुलिस थाने में स्थानीय लोगों द्वारा मामले की सूचना दिए जाने के बाद उसका शव नाले से निकाला गया और एक टीम को मौके पर भेजा गया। युवक के शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं थे।

मालीवाल ने अमेरिका यात्रा मंजूरी को जयशंकर से किया अनुरोध

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- 11 फरवरी को हार्वर्ड होने वाले सम्मेलन में लेना है भाग

दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने विदेश मंत्री जयशंकर से 11 फरवरी को एक सम्मेलन में हिस्सा लेने के वास्ते अमेरिकी यात्रा से जुड़ी फाइल को मंजूरी देने का अनुरोध किया।

मालीवाल को हार्वर्ड विश्वविद्यालय में वार्षिक भारत सम्मेलन को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया गया है। सम्मेलन 11-12 फरवरी को होगा। इस सम्मेलन का विषय दिशादृष्टि 2047: आजादी के सौवें साल में भारत है। पहले, यह फाइल उपराज्यपाल वी के सक्सेना के पास भेजी गई थी जिन्होंने अपनी मंजूरी दे दी। मालीवाल ने ट्वीट किया है, हार्वर्ड में संबोधन के लिए यात्रा की अनुमति मांगते हुए मैंने 16 जनवरी को उपराज्यपाल के पास फाइल भेजी थी। उन्होंने 23 दिनों बाद मंजूरी दी और मुझे विदेश मंत्रालय से मंजूरी लेने को कहा। डॉ. एस जयशंकर जी से इस फाइल को शीघ्र मंजूरी देने का अनुरोध है क्योंकि सम्मेलन में महज दो दिन बचे हैं।

रोहिणी में बनेगा देश का पहला एनसीसी अंडरग्राउंड फायरिंग रेंज

कैडेट्स को मिलेगी अत्याधुनिक सुविधाएं व स्तरीय प्रशिक्षण, राष्ट्रीय कैडेट कोर ने युवाओं में पैदा की देशभक्ति : सिसोदिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली एनसीसी कैडेट्स को अब फायरिंग का अभ्यास के लिए फायरिंग रेंज जाकर प्रैक्टिस करने की जरूरी नहीं होगा।

केजरीवाल सरकार रोहिणी स्थित एनसीसी भवन में एनसीसी के क्षेत्र में देश का पहला अत्याधुनिक अंडरग्राउंड फायरिंग रेंज बनवा रही है जहां कैडेट्स लंबी दूरी की फायरिंग और लक्ष्य पर निशाना साधने का अभ्यास कर सकेंगे। यह अंडरग्राउंड फायरिंग रेंज तीन करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया जा रहा है। दिल्ली सरकार ने दावा किया है कि देशभर में एनसीसी के सभी 17 डायरेक्टरेट में पहला अंडर ग्राउंड फायरिंग रेंज होगा। साथ ही शानदार एनसीसी भवन भी तैयार करवाया गया है। यहाँ मौजूद अत्याधुनिक सुविधाओं की बदौलत एनसीसी अपने कैडेट्स को शानदार प्रशिक्षण मुहैया करा रहा है। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने गुरुवार को गणतंत्र दिवस शिविर में अपने शानदार प्रदर्शन के बल पर दिल्ली का मान बढ़ाने वाले एनसीसी कैडेट्स से संवाद के दौरान यह बातें कही। उन्होंने कहा कि एनसीसी ने बच्चों और युवाओं में देशभक्ति की चिंगारी पैदा करने का काम किया है। एनसीसी की यूनिफार्म और एनसीसी में होना सही समय पर युवाओं में देशभक्ति की भावना भरता है क्योंकि जब एक युवा अपने भविष्य के लिए सोच रहा होता है तो उसी समय वो एनसीसी में रहते हुए अपने भविष्य को देश की बेहतरी के साथ जोड़कर देखता है। उन्हें गर्व है कि एनसीसी के माध्यम से युवा अनुशासन और समर्पण के साथ तैयार हो रहे हैं। गणतंत्र दिवस पर अनुशासन के साथ कदम से कदम मिलाकर देश के सर्वश्रेष्ठ कैडेट, सर्वश्रेष्ठ घुड़सवार सहित कई खिताब जीतकर दिल्ली के एनसीसी कैडेट्स ने उन्हें और भी गौरवान्वित किया है।

कार्यक्रम में उपस्थित दिल्ली एनसीसी कैडेट्स।

421 स्कूलों और 88 कॉलेजों में एनसीसी यूनिट

दिल्ली निदेशालय की वर्तमान में 421 स्कूलों और 88 कॉलेजों में एनसीसी यूनिट हैं जिनमें जूनियर और सीनियर विंग सहित 42,245 कैडेट हैं। इस वर्ष दिल्ली एनसीसी निदेशालय के 116 कैडेटों ने एनसीसी कैडेटों के गणतंत्र दिवस शिविर में भाग लिया था। इनमें से 39 लड़कियां और 77 लड़के थे। गणतंत्र दिवस परेड के दौरान कर्तव्य पथ पर परेड में 18 कैडेटों ने भाग लिया, 7 कैडेटों को गार्ड ऑफ ऑनर के लिए चुना गया।

बिना डिग्री के ही ऋषि-मुनियों ने भारत को विश्व गुरू बनाया था : राष्ट्रपति मुर्मू

राष्ट्रपति ने कहा, महिलाओं के सशक्तिकरण से ही परिवार सशक्त होगा

बोलीं, बच्चों को इंजीनियर डॉक्टर बनाने के साथ अच्छे संस्कार भी दें माताएं

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के गांव बोहड़ाकलां स्थित ब्रह्मकुमारीज के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में राष्ट्रीय सम्मेलन-वीमेन एज फाउंडेशन ऑफ ए वैल्यूएबल सोसायटी का दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ करतीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू।

गुरुग्राम के गांव बोहड़ाकलां स्थित ब्रह्मकुमारीज के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में राष्ट्रीय सम्मेलन-वीमेन एज फाउंडेशन ऑफ ए वैल्यूएबल सोसायटी के दौरान ब्रह्मकुमारी को कलश भेंट करतीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू।

गुरुग्राम के गांव बोहड़ाकलां स्थित ब्रह्मकुमारीज के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में राष्ट्रीय सम्मेलन-वीमेन एज फाउंडेशन ऑफ ए वैल्यूएबल सोसायटी में पहुंची राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्वागत करते राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि हमें देश की महिलाओं को सशक्त करना होगा। महिलाओं के सशक्तीकरण से परिवार सशक्त होगा। परिवार से सशक्त समाज, सशक्त समाज से सशक्त भारत बनेगा। इस तरह से एक दिन भारत विश्व गुरू बनेगा। राष्ट्रपति गुरुवार को गुरुग्राम जिला के गांव बोहड़ाकलां स्थित ब्रह्मकुमारीज के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में राष्ट्रीय सम्मेलन-वीमेन एज फाउंडेशन ऑफ ए वैल्यूएबल सोसायटी के शुभारंभ अवसर पर बोल रहीं थी। इस कार्यक्रम में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, मुख्यमंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह भी मौजूद रहे। हरियाणा में पहुंचने पर राज्यपाल, मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति का स्वागत किया।

अपने संबोधन की शुरुआत में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्म ने कहा कि मैं ब्रह्मकुमारी संस्थान को बहुत करीब से जानती हूं। इसे अपना घर समझती हूं। इस साल की शुरुआत में उन्हें माउंट आबू ब्रह्मकुमारी संस्थान में जाने का अवसर मिला था। असीम शांति की अनुभूति हुई। राष्ट्रपति ने आगे कहा कि महिला शक्ति ने भारतीय समाज में मूल्यों और नैतिकता को स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई है। यह सत्य है कि भारत में महिलाओं को बेहतर सम्मान दिया गया था। हमारे वेदों, उपनिषदों, पुराणों, महाकाव्यों में महिलाओं की स्तुति, ज्ञान, करुणा का बखान किया गया है। उन्होंने कहा कि गांधीजी की प्रेरणा स्रोत कस्तूरबा गांधी की भी अहम भूमिका रही। गांधीजी ने पुस्तक में भी लिखा था कि उन्होंने अहिंसा का पाठ अपनी पत्नी से सीखा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, उन्हें प्रसन्नता है कि ब्रह्मकुमारीज ने नारी शक्ति को केंद्र में रखा है। भारतीय मूल्यों को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया जा रहा है। दुनिया के 140 देशों में आध्यात्मिकता, भारत की संस्कृति परंपरा को आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन दिनों में हमारे सामाजिक जीवन में प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है। आज का आदमी पैसा और प्रतिष्ठा के पीछे भाग रहा है। आर्थिक मजबूत होने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन केवल पैसे के लिए जीवन जीना भी सही नहीं है। उन्होंने कहा कि इंद्रियों का सुख व आंतरिक आनंद एक समान नहीं होते। आर्थिक प्रगति को हम सुख नहीं मान सकते।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारी माताओं के मार्गदर्शन में आनंद व शांति की खोज परिवारों में शुरू होने चाहिए। बेटियों, महिलाओं को जब भी समान अवसर मिले हैं, उन्होंने सिद्ध करके दिखाया है कि वह पुरुषों के बराबर नहीं बल्कि उनसे बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं। उन्होंने चिपको आंदोलन में महिलाओं की भूमिका का जिक्र करते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी भारतीय महिलाओं ने अनुकरणीय कार्य किए हैं। देश में असंख्य महिलाएं बिना किसी डिग्री के ही उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं। महिला सशक्तिकरण के सामाजिक व आर्थिक दोनों पहलू हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि आज भारत विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। बड़ी आर्थिक महाशक्ति के रूप में आगे बढ़ रहा है। एक हकीकत यह भी है कि भारतीय कंपनियों में केवल 7 प्रतिशत महिलाएं ही अच्छी पोजिशन पर हैं। निजी सेक्टर में महिलाएं कम हैं। इसका मुख्य कारण उनका पारिवारिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि भारत इस वर्ष जी20 समूह की अध्यक्षता कर रहा है। उन्हें विश्वास है कि भारत द्वारा जी20 फोरम में महिला शकितकरण को बढ़ावा देने के लिए रेखांकित किया जाएगा। राष्ट्रपति ने प्रकृति के संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि एक मां कभी अपने बच्चों में भेदाभव नहीं करती। हमारे यहां प्रकृति को भी मदर नेचर कहा जाता है। भारत की परमंरा में परिवार को सबसे अधिक महत्व दिया जाता है। आदर्श ग्रामीण संयोजन से आदर्श जनपद और आदर्श जनपद से आदर्श राष्ट्र बनता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि आज के समय में माताएं अपने बच्चों को एक आदर्श जीवन के बारे में नहीं बतातीं, जबकि यह बताना प्राथमिकता है। आज बच्चों को बचपन से ही डॉक्टर, इंजीनियर बनाने के लिए तैयार किया जाता है। माताओं को चाहिए कि वे अपनी संतान को एक अच्छा इंसान बनने की प्रेरणा दे। उन्होंने कहा कि आज सभी माताएं रो रही हैं। खुद की माता रो रही है। गंगा, गौ माता रो रही है। सभी माताएं दुखी हैं। जब माता दुखी होती है तो काली का रूप धारण करती हैं। इसलिए अभी भी समय बाकी है। सब लोगों को सजग होना पड़ेगा। बेटियों को सम्मान देने का संदेश देते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि बेटी परी होती है। लक्ष्मी होती है। जब वह हंसती है, हम भी हंसते हैं। जब वह खेलती है, हम भी खेलते हैं उसके साथ। कभी-कभी उसे किसी की नजर लग जाती है। ऐसी दृष्टि को ठीक करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आज चाल, चलन, चेहरा को ठीक करना होगा। कार्यक्रम की शुरुआत में गायिका साधना सरगम ने गीत-वंदे मातरम बोलिये दिल से बारम्बार, नारी है तू जगत में शक्ति का अवतार...गाया।

धरती माता ब्लास्टिंग के बाद भी माफ करती है

राष्ट्रपति ने पर्यावरण संरक्षण, धरती का संरक्षण करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि हम धरती को माता कहते हैं। लेकिन धरती के साथ क्या-क्या करते हैं। ब्लास्टिंग करते हैं। फिर भी मां माफ करती है। हमारी धरती माता को भी बहुत सहना पड़ता है, लेकिन सहने की भी एक सीमा होती है।

हम ही हैं भूकंप का कारण

द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि आज हम पर्यावरण, गलोबल वार्मिंग में फंसे हैं। आज क्या-क्या हो रहा है। तुर्की में भूकंप से 11 हजार लोग मारे गए, लेकिन यह तो होना है। इसका कारण हम ही हैं। भगवान से संतुलन बनाना था। जो कि नहीं बनाया।

नैतिक मूल्यों के समावेश में महिलाओं की अहम भूमिका : बंडारू दत्तात्रेय

गुरुग्राम। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि आज समाज में नैतिक मूल्यों की स्थापना और सुधार में महिलाओं की अहम भूमिका है। हमारे शास्त्रों में नारी को देवी का स्वरूप मानते हुए कहा गया है जहां नारी का सम्मान होता है, वहां देवता निवास करते हैं। समाज में माता-बहनों का त्याग, तपस्या, संयम और समपज़्ण भाव अतुलनीय है। यह बात उन्होंने गुरुवार को गांव बोहड़ाकलां स्थित ब्रह्मकुमारीज के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में राष्ट्रीय सम्मेलन-वीमेन एज फाउंडेशन ऑफ ए वैल्यूएबल सोसायटी में कही।

राज्यपाल ने कहा कि आज महिलाओं को शिक्षित और स्वावलम्बी होने की आवश्यकता हैं। केन्द्र एवं हरियाणा सरकार इस दिशा में प्रयासरत है। इसके फ्लस्वरूप आज देश की बेटियां अध्यापक व चिकित्सक से लेकर सेना में बड़े पदों पर आसीन हैं। श्रीदत्तात्रेय ने भारत की पहली महिला राफेल पायलट शिवांगी सिंह का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी इस उपलब्धि ने भारत की अन्य बेटियों को भी सफलता की नई राह दिखाई है। उन्होंने भारत की महान संस्कृति का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्व ने संस्कृति और सभ्यता का पाठ भारत से ही सीखा है। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, मुख्य सचिव संजीव कौशल, पुलिस महानिदेशक पीके अग्रवाल, एडीजीपी सीआईडी आलोक मित्तल, पटौदी के विधायक सत्यप्रकाश जरावता, मंडल आयुक्त रमेश चंद्र बिढान, गुरुग्राम पुलिस कमिश्नर कला रामचन्द्रन, गुरुग्राम के डीसी निशांत कुमार यादव, एडीसी विश्राम कुमार मीणा, राजयोगिनी बीके चक्रधारी, राजयोगी बीके ब्रिज मोहन, बीके मोहिनी, बीके शिवानी, बीके आशा अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

गांव बोहड़ाकलां स्थित ओम शांति रिट्रीट सेंटर में राष्ट्रीय सम्मेलन-वीमेन एज फाउंडेशन ऑफ ए वैल्यूएबल सोसायटी में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ मंचासीन राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय।

हरियाणा आर्थिक, खेल महाशक्ति, मैन्युफेक्चर केंद्र के रूप में उभरा

जी-20 अध्यक्षता का उद्देश्य विकसित और उभरते देशों के बीच समावेशी सहयोग को प्रेरित करना

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा आर्थिक, खेल महाशक्ति और विनिर्माण केंद्र के रूप में उभरा है और घरेलू व विदेशी निवेशक भी आज हरियाणा की ओर देख रहे हैं। इतना ही नहीं, हरियाणा ने तेजी से प्रगति की है, जिसकी बदौलत राज्य ने वैश्विक मानचित्र पर अपनी पहचान बनाई है। वे गुरुवार को गुरुग्राम में आईआईएम रोहतक द्वारा जी-20 अध्यक्षता को लेकर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के अध्यक्ष न्यायमूर्ति आदर्श कुमार गोयल, सांसद डॉ. सत्यपाल सिंह, मुख्य सचिव संजीव कौशल, आईआईएम रोहतक के निदेशक डॉ. धीरज शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि भारत की जी-20 अध्यक्षता का थीम वसुधैव कुटुम्बकम है, जिसका अर्थ है-एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य, जिसे प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रेखांकित किया गया है। इसका उद्देश्य विकसित और उभरते देशों के बीच समावेशी सहयोग को प्रेरित करना और सामूहिक एवं सहयोगात्मक कार्रवाई के महत्व को पहचानना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में चुनौतियों को अवसर में बदलने की क्षमता है। जी-20 की अध्यक्षता भारत को वैश्विक शक्ति के रूप में वैश्विक आर्थिक मुद्दों को हल करने में अपनी विश्वसनीयता स्थापित करने का एक सुनहरा अवसर प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि भारत की जी-20 अध्यक्षता सौहार्द एवं भाईचारे द्वारा चिह्नित एक नई वैश्विक व्यवस्था की शुरूआत करेगी।

गुरुग्राम में आईआईएम रोहतक द्वारा जी-20 अध्यक्षता को लेकर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ करते सीएम मनोहर लाल।

देश की जीडीपी में हरियाणा का योगदान 3.87 फीसदी : मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्रफल की दृष्टि से हरियाणा देश में 21वें तथा जनसंख्या की दृष्टि से 18वें स्थान पर है, लेकिन हरियाणा देश के सकल घरेलू उत्पाद में 3.87 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। इतना ही नहीं, राज्य देश के निर्यात में 4 प्रतिशत का योगदान करता है। हरियाणा बासमती चावल, ऑटो और ऑटो घटकों, मानव निर्मित फाइबर, कालीन, इलेक्ट्रिक मशीनरी आदि जैसी वस्तुओं का निर्यात करने वाला देश का 7वां सबसे बड़ा माल निर्यातक है। उन्होंने कहा कि हरियाणा आर्थिक विकास के मापदंडों पर अग्रणी राज्यों में शामिल है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में टॉप अचीवर्स कैटेगरी में राज्य का स्थान है, जबकि नीति आयोग के इनोवेशन इंडेक्स में हरियाणा देश के शीर्ष 3 राज्यों में शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आधे से ज्यादा हरियाणा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आता है जिसे राज्य सरकार लॉजिस्टिक हब के रूप में विकसित कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के विजन में हरियाणा सरकार अपना महम्वपूर्ण योगदान देने के लिए समर्पित प्रयास कर रही है।

किसानों को मोटे अनाज की पैदावार बढ़ाने को किया जागरुक

कृषि विभाग ने किसानों को मोटा अनाज की पैदावार बढ़ाने तरीके बताए

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

कृषि विभाग किसानों को मोटा अनाज की पैदावार बढ़ाने के उत्साहित कर रहा है। जिसके के लिए गांवों में शिविर लगाकर मोटा अनाज की पैदावार करने के तरीके और फसल से होने वाले लाभों की जानकारी दी जा रही है।

कृषि विभाग ने किसानों को मोटा अनाज की फसल अपने खेतों में अधिक से अधिक पैदा करने के लिए जागरुक करने का अभियान शुरू किया है। जिसके लिए ग्रामीण क्षेत्र में किसानों को जागरुक करने के लिए शिविर लगाए जा रहे हैं। इन शिविरों में किसानों को एक साथ बैठाकर टेलीफिल्म या ऑडियो आवाज सुनाकर किसानों को मोटा अनाज पैदावार को बढ़ावा देने के गुण और तरीके बताए जा रहे हैं। मोटा अनाज की फसल पैदावार से किसान को कम आर्थिक खर्चे पर फसल की बिक्री के दौरान अधिक लाभ मकाने के तरीके बताएं जा रहे है।

मोटा अनाज की श्रेणी : मोटे अनाज की श्रेणियों में ज्वार, बाजरा, रागी, कुटकी, कंगनी, राजकगिरा, कुट्टू, सांवा, चेना, कोदो आदि शामिल हैं। जिन्हें पैदावार करने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इन फसलों के पैदावार में कम खर्चा के साथ-साथ अच्छी पैदावार होती है। ये सभी फसलें कम पानी में पैदा होती है और किसानों का अच्छा लाभ होता है।

मोटा अनाज होता है गुणकारी : मोटा अनाज का उपयोग करने से शारीरिक ताकत के साथ इसमें विटामिन से भरपूर होता है। जिसके उपयोग से शरीर की पाचन क्रिया को मजबूती मिलती है। मोटा अनाज जल्द से पचता है।

गुरुवार को सोहना के गांव घंघौला में कृषि विभाग द्वारा किसानों को जागरुक करने के लिए लगाया शिविर।

> “ **यह** अभियान देश ही नहीं विश्व स्तर पर शुरू किया है। जिसका नागरिकों को किसानों के जागरुकता ही लाभ होगा। किसानों को मोटा अनाज देने वाली फसलों की पैदावार बढ़ानी होगी।
>
> **अरुण सोलंकी**
> **(खंड अधिकारी, कृषि विभाग)**

सोहना आईटीआई में प्रदेश स्तरीय प्रधानमंत्री प्रशिक्षु रोजगार मेला 13 को

आईटीआई पास विद्यार्थियों को 20 से 25 प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों में मिल सकेगा रोजगार

सोहना। स्थानीय आईटीआई में सोमवार 13 फरवरी को प्रदेश स्तरीय प्रधानमंत्री प्रशिक्षु रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर जिला उपायुक्त निशांत यादव मुख्य अतिथि होंगे। आईटीआई पास विद्यार्थियों को 20 से 25 प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों में रोजगार प्राप्ति का अवसर प्रधान किया जाएगा।

आईटीआई की प्रधानाचार्य सोनिका तक्षक ने बताया कि सोमवार को पहली बार स्थानीय आईटीआई में प्रधानमंत्री प्रशिक्षु रोजगार मेला का योजना प्रदेश स्तर पर किया जा रहा है। जिसमें प्रदेश की सभी आईटीआई से पास विद्यार्थी रोजगार प्राप्ति के लिए अपना साक्षात्कार देकर रोजगार उपलब्ध प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि अभी तक स्थानीय आईटीआई में जिला स्तरीय रोजगार मेलों में भाग लेकर विद्यार्थियों को रोजगार उपलब्धि का अवसर मिलता रहा है, लेकिन यह पहली बार प्रदेश स्तर का होगा।

जिसमें जेबीएम इंडिया लिमिटेड, सूजूकी मोटरसाइकिल, डेंसको हरियाणा, सूब्रो लिमिटेड मानेसर, मुंजल, सोवा जोनशन आदि कंपनियों से साक्षात्कार के लिए अधिकारियों की टीमें आ रही है। इस मेले का उद्घाटन जिला गुरुग्राम उपायुक्त निशांत यादव करेंगे।

गुरुग्राम विवि की छात्रा अंजली को मिला सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का अवार्ड

गुरुग्राम। गुरुग्राम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने हिसार में हाल ही में संपन्न हरियाणा फिल्म महोत्सव-2023 में कई पुरस्कार जीते। गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय हरियाणा फिल्म महोत्सव में गुरुग्राम विवि के मीडिया अध्ययन विभाग के छात्रों द्वारा निर्मित लघु फिल्म 'नैना' और वृत्तचित्र 'संविधान' तथा एनिमेटड फिल्म 'अंतरिक्ष के लिए बनी हूं मैं' को खूब सराहा गया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच लघु फिल्म 'नैना' और वृत्तचित्र 'संविधान' को द्वितीय पुरस्कार मिला,वहीं लघु फिल्म 'नैना' की मुख्य अभिनेत्री एवं जीयू की छात्रा अंजली को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का अवार्ड एवं एनिमेटड फिल्म 'अंतरिक्ष के लिए बनी हूं मैं' को प्रोत्साहन पुरुस्कार मिलने से पूरे विवि में हर्ष का माहौल है। गुरुग्राम विश्वविद्यालय के मीडिया अध्धयन विभाग के डीन डॉ. राकेश योगी ने बताया कि हरियाणा फिल्म महोत्सव का आयोजन 4-5 फरवरी को विश्व संवाद केंद्र, हरियाणा और सिने फाउंडेशन के तत्वावधान में हिसार के गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, में किया गया था, आगे डीन ने जानकारी दी कि हिसार के गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय हरियाणा फिल्म महोत्सव में पूरे प्रदेश से कुल 113 लघु फिल्म और वृत्तचित्र भेजे गए थे।

सरपंचों ने ई-टेंडरिंग नीति के विरोध में बीडीपीओ को सौंपा ज्ञापन

सरपंचों ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपे ज्ञापन में जल्द मांगों पर निर्णय को कहा

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

खंड के सरपंचों ने बीडीपीओ को मुख्यमंत्री के नाम सरपंचों को पूर्ण अधिकार की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा। सरपंचों ने पंचायत विभाग की ई- टेंडरिंग नीति का विरोध करते हुए तुरन्त प्रभाव से बंद किए जाने की मांग की है।

गुरुवार को खंड की 35 ग्राम पंचायतों से आए सरपंचों ने प्रधान गांव सिलानी सरपंच एवं प्रधान सरपंच एसोसिएशन जयपाल की अध्यक्षता में खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी को मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से सरपंचों ने ई-टेंडरिंग नीति का विरोध करते हुए तुरन्त प्रभाव से बंद किए जाने की मांग की है। गांव महेन्द्रवाड़ा सरपंच रामपाल ने बताया कि सरकार की सरपंचों को 2 लाख रुपये के विकास कार्य कराने की नीति मजाक है। दो लाख रुपये की ग्रांट से विकास के कार्य नहीं हो सकते।

पंचायतों में सरपंचों के माध्यम से पुरानी 20 लाख रुपये वाली ग्रांट राशि को जारी रखा जाए। जिससे ग्राम पंचायतों में जनहित विकास कार्य कराए जा सके। आज की अध्यक्षता कर रहे खंड सरपंच एसोसिएशन के प्रधान जयपाल ने स्पष्ट शब्दों में सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि राइट टू रिकॉल नीति को किसी भी सूरत लागू नहीं होने दिया जाएगा। उन्होने कहा कि राज्य सरकार को सरंपचों को सम्मान और गांवों में विकास कराने अवसर देना चाहिए। जनहित की नीतियों को सरपंच सम्मान करेंगे, लेकिन जब तक सरकार अपनी नीतियों में बदलाव नहीं करती है।

तब तक सरपंच गांवों में किसी प्रकार का विकास कार्य नहीं होने देंगे। ग्राम पंचायतों में धरना जारी किया जाएगा। यह धरना प्रदेश सरकार की सरपंचों के खिलाफ बनाई गई नीति के खिलाफ होगा।

बीडीपीओ को ज्ञापन सौंपते खंड सोहना के सरपंच।

सोहना में उत्पाती बंदरों का आतंक, नागरिक अपने घरों में कैद होने को मजबूर

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

नगर परिषद सीमा क्षेत्र में उत्पाती बंदरों का आतंक सिर चढ़कर बोल रहा है। उत्पाती बंदर छोटे बच्चों से लेकर बड़े, बूढ़े, स्त्री-पुरुष सभी नागरिकों पर हमला करके जख्मी बना रहे है। स्थानीय नागरिक उत्पाती बंदरों के खिलाफ धरपकड़ का अभियान चलाने की मांग कर रहे हैं। नगर परिषद के शहरी क्षेत्र में लगते वार्ड 4 से लेकर 21 की अधीन आने वाले वार्ड, मोहल्ले, गांव और शहरी क्षेत्र में उत्पाती बंदरों का आतंक दिन प्रति दिन बढ़ता ही जा रहा है।

शहरी की अनाज मंडी से लेकर नागरिक अस्पताल, राजकीय व गैर राजकीय स्कूलों में शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों पर उत्पाती बंदर कक्षाओं में पहुंच कर हमला कर रहे है। स्थानीय नागरिक राकेश का कहना है कि आम रास्तों से लेकर पार्क और सामुदायिक भवन आदि सार्वजनिक स्थानों पर छोटे बच्चों का खेलना भी मुश्किल हो गया है। घर के आंगन तथा रसोई में काम करने वाली महिलाओं पर उत्पाती पलक झपकते हुए हमला कर काट खाते है। बंदरों के आतंक के कारण महिलाएं अपने आपको घरों में भी असुरक्षित महसूस करती हैं।

सोहना नगर परिषद के गांव जखोपुर में बंदर के हमले में घायल मासूम बच्चा।

बंदरों के खिलाफ अभियान की मांग : स्थानीय नागरिक नगर परिषद प्रशासन से शहर में उत्पाती बंदरों को पकड़ने का अभियान चलाने की मांग कर रहे हैं। सरोज का कहना है कि परिषद अधिकारी उत्पाती बंदरों की जल्द से जल्द पकड़ कराए। जिन्हे राजस्थान के पहाड़ी इलाके छोड़ा जाए। सभी को फ्री इंजैक्शन लगाने की सुविधा शहर के निवासी सुशील का कहना है कि नागरिक अस्पताल में रेबिज के इंजैक्शन फी लगाए जाएं। क्योंकि अभी तक बीपीएल कार्ड धारक परिवार के सदस्यों को ही रैबिज के इंजेक्शन फ्री लगाने की सुविधा है। बाहर मार्केट में रेबीज के इंजेक्शन खरीदकर लगवाना मंहगा पड़ रहा है।

विधायक सुधीर सिंगला ने सिविल सर्विस में चयनित रितु को दी बधाई

रितु बंसीवाल ने हरियाणा सिविल सर्विस परीक्षा की है पास

गुरुग्राम के राजेंद्रा पार्क की रहने वाली हैं रितु बंसीवाल

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा सिविल सर्विस में चयनित हुई गुरुग्राम की बेटी रितु बंसीवाल को बधाई देने के लिए गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला उनके घर पहुंचे। राजेंद्रा पार्क स्थित उनके आवास पर विधायक ने बधाई देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है कि हमारी बेटी ऐसी उत्कृष्ट परीक्षा पास कर चयनित हुई है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम के होनहार बेटे-बेटियों सदा अपनी प्रतिभा के बल पर देश-प्रदेश में नाम रोशन करते हैं। उन्होंने कहा कि बेटियों की शिक्षा के प्रति प्रदेश सरकार ने अनेक कदम उठाए हैं। बेटियों को शिक्षा में किसी तरह की बाधा ना आए, उन्हें पढ़ाई में हर तरह से सहायता सरकार दे रही है। विधायक ने कहा कि हमारी बेटियां हर क्षेत्र में नाम रोशन कर रही हैं। शिक्षा के साथ खेल, कला, सेना समेत अनेक क्षेत्रों में बेटियों का जलवा है। उन्होंने बेटियों से कहा कि सभी बेटियां बेटी रितु से प्रेरण लें। शिक्षा के क्षेत्र में खुद को मजबूत करें। हर सफलता का रास्ता शिक्षा है। शिक्षित व्यक्ति ही समाज में बदलाव ला सकता है। आज हमारी बेटियां शिक्षित होकर देश-समाज में अहम स्थान हासिल कर रही हैं।

इस अवसर पर विधायक के साथ पार्षद योगेन्द्र सारवान, अभिषेक गॉड (बजरंग दल-विभाग संयोजक, बजरंग दल), अनुराग त्रिवेदी दीपक शर्मा, गणपत राठौड़ सुधीर भदौरिया, अजीत बंसीवाल, भगवान बंसीवाल, कुलदीप, ममता बंसीवाल, राजेश, संतोष बंसीवाल, मोहित बंसीवाल, साहिल बंसीवाल, अरुण बंसीवाल व अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

हरियाणा सिविल सर्विस में चयनित रितु को बधाई देते विधायक सुधीर सिंगला।

सात दिन बिक्री न होने पर मेला नहीं आई नेशनल अवार्डी

इस बार तो मेला आयोजकों की अनदेखी लेकिन जूट बोर्ड दिया स्टॉल

कविता। फरीदाबाद

मां काली जूट प्रोडेक्ट्स स्टॉल पर सजे जूट के उत्पाद।

स्टॉल पर रखा भगवान श्रीकृष्ण और अर्जुन का रथ।

पूर्व राष्ट्रपति स्व.प्रणव मुखर्जी से अवार्ड पाने वाली शोभा रानी

मां काली जूट प्रोडेक्ट्स के लिए नेशनल अवार्डी 60 वर्षीय शोभा रानी पोदार इस बार मेले में नहीं आई। कोलकता निवासी शोभा के बेटे सभ्य ने बताया कि बीते वर्ष मेले में उन्हें गेट नम्बर दो के पास पीछे की तरफ स्टॉल दिया था। इस बार नेशनल अवार्डी के लिए स्टॉल नहीं मिला। जूट बोर्ड ने उन्हें स्टॉल दिया है। मेला प्रबंधकों की अनदेखी के कारण नेशनल अवार्डी माता शोभा रानी पोदार इस बार मेले में आई ही नहीं है। क्योंकि बीते वर्ष मेले के दौरान सात दिन बिल्कुल बिक्री नहीं हुई। जिससे उनका मन दुखी हो गया। उन्होंने बताया कि 15 हजार रुपये खर्च करके भी ऐसी जगह दी जाती है, जहां पर्यटक आते ही नहीं है। इस बार भी उन्हें ऐसी ही जगह मिली है। जबकि पॉलीथिन बंद होने से जूट को बढ़ावा मिल रहा है। पिछले दो सालों से मेले में खर्च किया गया पैसा भी नहीं मिल रहा।

मिले हैं कई आवार्ड : सभ्य साची पोदार ने बताया कि उनकी माता शोभा रानी पोदार 15 साल से हाथों से तैयार जूट से बनी चीजे सूरजकुंड मेले में लेकर आ रही है। उन्हें वर्ष 2011 में मां दुर्गा की मूर्ति बनाने पर नेशनल अवार्ड मिला था। वर्ष 2009 में स्टेट अवार्ड और वर्ष 2008 में जिलास्तरीय आवार्ड मिला है। वह इस बार मेले में अपनी मां के हाथ के बने जूट से तैयार लैम्प, जूट की मूर्तियां, शोपीस, गिफ्ट आयटम और बैग लाए हैं। जिसमें 50 से 500 रुपये के बैग, 100 से 300 रुपये के लैम्प, थैले, चिड़ियों के घर, हैंगिंग स्टैंड, थैल 50 से 400 रुपये के हैं। जूट का कृष्ण अर्जुन रथ 15 हजार रुपये का है।

नेशनल आवार्डी को स्टॉल नहीं : सभ्य साची पोदार ने बताया कि मेले में स्टॉल की जगह उन्हें पिछले काफी समय से ठीक नहीं मिल रही है। इस बार नेशनल आवार्डी को मेले में स्टॉल उपलब्ध नहीं हो सका। इस बार की स्टॉल उन्हें जूट बोर्ड की तरफ से मिला है। लेकिन यह स्टॉल मेले के काफी अंदर है। यहां ग्राहक नहीं आ पा रहे हैं। बिक्री कम होने से उन्हें पिछली बार की तरह इस बार भी मायूस होना पड़ रहा है।

आर्थिक विकास के मामले में हरियाणा अग्रणी राज्यों में शुमार : मुख्यमंत्री

वर्ष 2019 से प्रदेश में 5.22 अरब अमेरिकी डॉलर का हुआ है निवेशः सीएम

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों को प्रदेश में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया और आश्वासन दिया कि राज्य सरकार की ओर से उन्हें कारोबार करने व निवेश संबंधी सभी सुविधाएं मुहैया करवाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा में उद्योग एवं निवेश के लिए अनुकूल माहौल है, जिसकी बदौलत हरियाणा निवेश के लिए प्रमुख गंतव्य बन गया है। वर्ष 2019 के बाद से, प्रदेश में 5.22 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश प्राप्त हुआ है। इसके अलावा, राज्य का निर्यात भी बढ़कर 2.17 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

मुख्यमंत्री ने यह बात सुरजकुंड में शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित एक बैठक के दौरान कही। बैठक में रूस, बेलारूस, तज्जाकिस्तान, कम्बोडिया, साऊदी अरब, मालदीव, चीन, क्रिगीस्तान, उज्जेबेकिस्तान, नेपाल, कजाकिस्तान, आर्मेनिया, म्यांमार, कतर, ईरान, यूएई, बहरीन देशों के प्रतिनिधिमण्डल, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री डी एस ऐसी, मुख्य सचिव श्री संजीव कौशल, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ अमित अग्रवाल और अन्य महानुभाव भी उपस्थित रहे।

महत्वपूर्ण भूमिका : मुख्यमंत्री ने कहा कि सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला में एससीओ की भागीदारी विभिन्न देशों को वैश्विक पटल पर लाने और उनकी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का काम करेगी। सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला वर्ष 1987 से आयोजित किया जा रहा है, जिसने विश्व मानचित्र पर अपनी एक अमिट छाप छोड़ी है। इस बार इस मेले में शंघाई सहयोग संगठन के विभिन्न देशों की भागीदारी बहुत महत्वपूर्ण है। हर देश के कलाकार गर्व से अपनी संस्कृति के अनूठे रंगों का प्रदर्शन कर रहे हैं और हस्तशिल्प व अन्य कलाओं के रूप में अपनी सर्वश्रेष्ठ विरासत का प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा तेजी से विकास करने वाले राज्यों में शुमार है। हरियाणा बिजनेस टू बिजनेस (बी2बी), बिजनेस टू कस्टमर (बी2सी) और सरकार से सरकार (जी2जी) के अलावा हार्ट टू हार्ट (एच2एच) कनेक्शन यानी दिल से दिल के साथ व्यापार करने में विश्वास करता है।

आर्थिक विकास के मानकों पर हरियाणा अग्रणी राज्यों में : मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्थिक विकास के मानकों पर हरियाणा अग्रणी राज्यों में शामिल है। दुनिया की 400 फॉर्च्यून कंपनियों के कार्यालय राज्य की आर्थिक राजधानी गुरुग्राम में स्थापित हैं। हरियाणा देश का एक प्रमुख सॉफ्टवेयर निर्यातक है। हरियाणा उद्योगों को लॉजिस्टिक सुविधाएं प्रदान करने के मामले में देश में दूसरे और उत्तर भारत में पहले स्थान पर है। राज्य का आधे से ज्यादा क्षेत्र एनसीआर में आता है। राज्य सरकार इस क्षेत्र में उद्योग और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए इसे एक लॉजिस्टिक हब के रूप में विकसित कर रही है।

हरियाणा टॉप अचीवर्स कैटेगरी में: मुख्यमंत्री ने कहा कि कार, दोपहिया, ट्रैक्टर, वैज्ञानिक उपकरण, जूते-चप्पल आदि अनेक उत्पादों के निर्माण में हरियाणा अग्रणी है। देश के लगभग 50 प्रतिशत चौपहिया वाहनों का निर्माण हरियाणा में होता है। आज राज्य में 1,000 से अधिक औद्योगिक इकाइयाँ स्थापित हैं, इनमें सीमेंस, सुजुकी, जीई, होंडा, स्मिथक्लाइन बीचम, जेसीबी, हॉलिस्टर, हार्वेल, ओसराम, मित्सुबिशी, आईबीएम, योकोहामा, अल्काटेल, पोस्को, एलजी, परफेटी, जॉनसन मैथे, बेक्टन डिकिंसन, कैपरो और हार्ले डेविडसन शामिल हैं।

12 साल की बच्ची से दुष्कर्म करने वाला नाना गिरफ्तार

12 वर्षीय नाबालिग लडक़ी के साथ दुष्कर्म करने का आरोपी नाना पल्ला थाना पुलिस की गिरफ्त में।

फरीदाबाद। 12 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में पल्ला थाना पुलिस ने पीड़िताआरोपी नाना को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की उम्र 53 वर्ष है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम महेश है। आरोपी की आयु 53 वर्ष है और वह कोई काम धंधा नहीं करता। दिसंबर 2022 में पल्ला थाने में पोक्सो एक्ट तथा दुष्कर्म की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था जिसमें आरोपी ने एक 12 वर्षीय नाबालिक लडक़ी के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया था। आरोपी पीड़ित लड़की के नाना का छोटा भाई है।

नवंबर 2022 में नाबालिग लड़की तथा उसकी मां दुर्गा पूजा के लिए पश्चिम बंगाल गए थे। वहां पर जब लड़की का पेट दर्द हुआ तो उन्होंने अस्पताल में इसका चेकअप करवाया तो पता चला कि लड़की गर्भवती है और 17 नवंबर को उसने एक बच्चे को जन्म दिया। लड़की से जब उसकी मां ने पूछताछ की तो पता चला कि उसके नाना के छोटे भाई आरोपी महेश ने उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया है। इसके 19 नवंबर को पश्चिम बंगाल के मच्छीपारा थाने में जीरो एफआईआर दर्ज की गई जो डाक के माध्यम से फरीदाबाद पहुंची और उसके पश्चात 6 दिसंबर 2022 को आरोपी के खिलाफ पोक्सो एक्ट में दुष्कर्म की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज करके फरीदाबाद पुलिस द्वारा मामले में जांच शुरू की गई। आरोपी को जैसे ही इसके बारे में पता चला तो वह फरार हो गया और पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए अपने ठिकाने बदल बदलकर रहने लगा। आरोपी की धरपकड़ के लिए पुलिस ने कई बार कई स्थानों पर रेड डाली परंतु आरोपी बचता रहा। पुलिस ने मामले में आगे कार्रवाई करते हुए आरोपी को बुधवार को फरीदाबाद से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच के दौरान सामने आया कि पीड़ित लड़की के एक भाई तथा एक बहन है जो अपने माता-पिता के साथ काम पर चले जाते हैं। पुलिस पूछताछ पूरी होने के पश्चात आरोपी को अदालत में पेश करके जेल भेज दिया गया है।

वर्क इंडिया ने ब्लू-कॉलर सेक्टर्स के रूप में रेखांकित किया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

भारत के सबसे बड़े ब्लू और ग्रे कॉलर रिक्रूटमेंट प्लेटफॉर्म वर्कइंडिया ने हाल ही में वर्ष 2021 और 2022 की तुलना करते हुए आंतरिक विश्लेषण में सतत रूप से वृद्धि कर रहे ब्लू-कॉलर सेक्टर्स के बारे में रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट में सामने आया है कि 2021 में पुरुष और महिला दोनों के लिए ब्लू कॉलर रोजगार के लिहाज से कंस्ट्रक्शन, ज्योतिष, कानून, परिधान निर्माण और बागवानी शीर्ष सेक्टर रहे हैं। कंस्ट्रक्शन और बागवानी सेक्टर्स में 2021 और 2022 दोनों में 100 प्रतिशत पुरुष प्रतिनिधित्व बना रहा। जबकि 2021 में हीरे के गहने और ज्योतिष सेक्टर्स में महिला प्रतिनिधित्व 100 प्रतिशत था। ग्राफिक डिजाइन क्षेत्र में 2022 में महिला प्रतिनिधित्व में 122.84 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

सर्वेक्षण के नतीजे बताते हैं कि ऑटोमोबाइल सेक्टर में 2021 में 2.20 प्रतिशत भागीदारी के साथ सर्वाधिक पुरुष ब्लू-कॉलर श्रमिक थे, जबकि इसी क्षेत्र में महिला श्रमिक केवल 0.10 प्रतिशत थीं। दूसरी ओर, डिलीवरी, कंटेंट राइटिंग और फार्मासिस्ट जैसे उद्योगों में महिला कर्मियों की संख्या में क्रमशः 56.09 प्रतिशत, 28.40 प्रतिशत और 87.55 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। हाउसकीपिंग सेक्टर में भी महिला श्रमिकों की संख्या में 58.20 प्रतिशत और पुरुष श्रमिकों की संख्या में 40.09 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। वर्कइंडिया के सह-संस्थापक और सीओओ नीलेश डूंगरवाल ने कहा, वर्कइंडिया में हमने वर्ष 2021 की तुलना में कुछ प्रमुख सेक्टर्स में तेजी दर्ज की है। हमारा उद्देश्य देश में 25.8 करोड़ ब्लू-कॉलर श्रमिकों को सार्थक आजीविका के अवसर प्रदान करना है। हाल की तकनीकी प्रगति के परिणामस्वरूप ब्लू-कॉलर क्षेत्र में पर्याप्त परिवर्तन हो रहा है। वर्कइंडिया में हम अत्यधिक पारदर्शिता और कुशल प्रक्रिया के साथ नौकरी चाहने वालों और नियोक्ताओं के बीच की खाई को पाटने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सर्वेक्षण से यह भी सामने आया है कि श्रम आधारित सेक्टर्स में महिला श्रमिकों की संख्या में 215.7 प्रतिशत की भारी वृद्धि देखी गई है। ब्लू-कॉलर सेक्टर्स में हाल के वर्षों में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं, क्योंकि ऑटोमेशन एवं रोबोटिक्स से शारीरिक श्रम की मांग कम होती है तथा उन्नत तकनीकी कौशल एवं प्रशिक्षण वाले श्रमिकों की आवश्यकता बढ़ती है। ई-कॉमर्स और ऑनलाइन मार्केटप्लेस की वृद्धि भी विशेष रूप से असंगठित क्षेत्र में वस्तुओं और सेवाओं के वितरण व बिक्री को बदल रही है, जिससे ब्लू-कॉलर उद्योग में विभिन्न सेक्टर में रोजगार के कई अवसर बढ़ रहे हैं।

गंदे पानी की निकासी को लेकर लोगों ने सड़क पर किया विरोध प्रदर्शन

सुविधाएं देने में भाजपा की मनोहर सरकार हुई नाकाम साबितः ललित नागर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

गंदे पानी की निकासी न होने के विरोध में प्रदर्शन करते कांग्रेसी।

खेड़ीपुल से वजीरपुर रोड पर पिछले कई महीनों से दो-तीन फुट भरे गंदे पानी के चलते लोगों को आवागमन में हो रही परेशानी को लेकर आज स्थानीय लोगों ने सरकार व प्रशासन के खिलाफ हाथों में तख्तियां लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान तिगांव के पूर्व विधायक ललित नागर तथा फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र से पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी लखन कुमार सिंगला ने प्रदर्शन में पहुंचकर लोगों के विरोध प्रदर्शन का समर्थन करते हुए उनकी मांग को जायज बताया। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस मार्ग पर पिछले कई महीनों से सीवरेज का गंदा पानी तीन-तीन फुट तक खड़ा है, जिसके चलते लोगों को आवागमन में दिक्कतें पेश आती है और कई बार वाहन चालक इस पानी में गिरकर जख्मी भी हो चुके है। इतना ही नहीं इस मार्ग की सभी नालियां भी भरी हुई है, जिनकी सफाई तक नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि कई बार शिकायतें करने के बावजूद निगम प्रशासन के कानों पर जूं तक नहीं रेंगती, मजबूरन उन्हें आज सडक़ पर उतरना पड़ा। लोगों का दुखड़ा सुनने के बाद पूर्व विधायक ललित नागर व कांग्रेसी नेता लखन सिंगला ने संयुक्त रूप से कहा कि भाजपा की नीति और नियत दोनों ही खराब है, आठ सालों में सरकार ने केवल कागजों में विकास किया है, जबकि जमीनी स्तर पर स्थिति बद से बदत्तर है। इस अवसर पर बालकिशन वशिष्ठ, सुभाष पांचाल, डा. राजेश गुप्ता, रविन्द्र कपूर, रोहित, सतेंद्र पायला, संजय नागर, रोहताश चौधरी, कपिल, अमित छोकर, आकाश, सिल्की, बंसती देवी, वीरवती, सुनीता, सर्वेश, संजना, सीमा, शकुंतला सहित अनेकों महिला-पुरुष मौजूद थे।

उद्योगपति बांगा के पर्यावरण संरक्षण कार्य को सीएम ने सराहा

स्लेजहैमर ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रदीप मोहंती भी रहे मौजूद

एसएस बांगा ने अपनी पुस्तक 'तिहाड़ से हरिद्वार' और 'सेल्फी विथ प्लांटेशन' की प्रति सीएम को सौंपी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मुख्यमंत्री मनोहरलाल को पुस्तक की प्रति भेंट करते एसएस बांगा। साथ में विक्टोरा ऑटो के मैनेजिंग डायरेक्टर एचएस बांगा व स्लेजहैमर ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रदीप मोहंती।

अपने सामाजिक कार्यों से शहर में अलग पहचान रखने वाले उद्योगपति एसएस बांगा के पर्यावरण संरक्षण के लिए किए गए कार्य को मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सराहा है। बुधवार शाम सेक्टर-15 में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री से शहर के उद्योगपतियों ने मुलाकात की। इसमें क्लीन एंड ग्रीन चैप्टर फरीदाबाद इंडस्ट्री एसोसिएशन के चेयरमैन एसएस बांगा द्वारा संपादित पुस्तक 'तिहाड़ से हरिद्वार' और 'सेल्फी विथ प्लांटेशन' की प्रति मुख्यमंत्री को भेंट की गई। श्री बांगा के साथ विक्टोरा ऑटो के मैनेजिंग डायरेक्टर एचएस बांगा व स्लेजहैमर ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रदीप मोहंती भी मौजूद रहे।

एसएस बांगा ने सीएम को अपनी पुस्तक से रूबरू कराते हुए कहा कि वह अक्सर तिहाड़ जेल में बंदियों के बीच प्रोत्साहन के लिए उनसे बातचीत करने जाते थे। ऐसे में उन्होंने पाया कि जेल में बहुत से ऐसे बंदी हैं, जो बहुत छोटे कारणों से जेल में है और बाहर नहीं निकल पा रहे। इस पुस्तक में उनके दुख दर्द और आध्यात्मिक यात्रा के बारे में उन्होंने जानकारी दी है। पुस्तक में उन्होंने कई महान हस्तियों के जेल जाने के वृतांत प्रस्तुत किए हैं। सेल्फी विद प्लांटेशन किताब के बारे में उन्होंने बताया कि पिछले दिनों विक्टोरा फाउंडेशन द्वारा चलाए गए पौधारोपण अभियान को इस पुस्तक में समेटा है।

इस मौके पर स्लेज हैमर ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रदीप मोहंती ने एसएस बांगा और एचएस बांगा को उनके कार्यों के लिए बधाई दी। जन सरोकार के कार्य में हमेशा उनका सहयोग देने का वादा किया। कार्यक्रम में हरियाणा के परिवहन और उच्च शिक्षा मंत्री मूलचंद शर्मा, विधायक नरेंद्र गुप्ता, राजेश नागर, सीमा त्रिखा, हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया, अजय गौड़, एफआइए के पूर्व प्रधान बीआर भाटिया समेत शहर के कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

डॉक्टर और मरीज में विश्वास का रिश्ता बना रहे : डॉ मालिक

प्रवीन शर्मा। फरीदाबाद

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन फरीदाबाद एवं अपोलो अस्पताल नई दिल्ली के सौजन्य से एक मेडिकल संगोष्ठी का आयोजन नीलम बाटा रोड स्थित होटल मिलेनियम में बुधवार देर शाम को किया गया। इस संगोष्ठी में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन हरियाणा के प्रेसिडेंट डॉ अनिल मालिक मुख्यतिथि के रूप में उपस्थित थे। आइएमए के संरक्षक डॉ नरेश जिंदल एवं डॉ अनिल गोयल वशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन सचिव डॉ बीरेंदर सिंह ने किया। इस संगोष्ठी में अपोलो अस्पताल नई दिल्ली के वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ यश गुलाटी, वरिष्ठ सलाहकार श्वसन चिकित्सा डॉ राजेश चावला एवं वरिष्ठ सलाहकार कार्डियोलॉजी डॉ विवेक कुमार अतिथि वक्ता के रूप में मौजूद थे। इन सभी वक्ताओं ने चिकित्सा के क्षेत्र में नवीनतम प्रगति के बारे में डॉक्टरों को विस्तार से जानकारी दी। आइएमए हरियाणा के अध्यक्ष डॉ अनिल मालिक ने कहा की डॉक्टर्स चिकित्सक के रूप में अपने पेशे की गरिमा को बनाएं रखे। डॉ अनिल मालिक ने बताया की आइएमए हरियाणा की वर्तमान कार्यकारणी में फरीदाबाद के डॉक्टर्स को विभिन्न जिम्मेदारियां दी गई है। डॉ नरेश जिंदल एवं डॉ अनिल गोयल को आइएमए हरियाणा का संरक्षक मनोनित किया गया है। डॉ दिनेश गुप्ता आइएमए हरियाणा नेग्लिजेंस बोर्ड के चेयरमैन नियुक्त किए गए है। डॉ प्रताप सिंह कवंर एवं डॉ आर एन रस्तोगी आइएमए हरियाणा इलेक्शन कमिशन के सदस्य नियुक्त किए गए है। डॉ अर्चना गोयल, डॉ दीपा गुप्ता एवं कामना बक्शी को मिशन पिंक हेल्थ का वाईस चेयरपर्सन की जिम्मेदारी दी गई है। आइएमए फरीदाबाद के अध्यक्ष डॉ दिनेश गुप्ता ने अंत में आएं हुए सभी डॉक्टर्स का धन्यवाद किया।

संक्षिप्त समाचार

नुक्कड़ नाटकों के जरिए कर रहे जागरूक

फरीदाबाद। राजकीय महाविद्यालय फ़रीदाबाद के एनएसएस प्रभारी डॉ दुर्गेश द्वारा सात दिवसीय एनएसएस कैम्प गांव चंदावली में चलाया जा रहा है। एनएसएस कैंप के चौथे दिन लगभग 50 स्वयं सेवक डॉ दुर्गेश की एनएसएस टीम गली गली घूम कर सामाजिक मुद्दों पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन कर लोगो को दिल जीत रहे है। स्वच्छ भारत-स्वस्थ और बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ और नशे की रोकथाम जैसे ज़रूरी मुद्दों को लेकर जगह नुक्कड़ नाटक का आयोजन कर लोगो को बेटियों को पढ़ने, आगे बढ़ने और घरों का कूड़ा कूड़ेदान व ईको ग्रीन की गाड़ी में डालने व नशे से होने वाली बीमारियों व ग्रह क्लेशों की जानकारी देकर लोगो से बात करते है उनके सवालों का भी जवाब देते हैं। सांभर्य फाउंडेशन के फाउंडर अभिषेक देशवाल वॉलंटियर्स पहुंचे जहां डॉ दुर्गेश द्वारा पौधा देकर सम्मानित किया। अभिषेक देशवाल ने वॉलंटियर्स को डिजिटल इंडिया, पोल्युशन की रोकथाम और जल बचाओ जैसे मुद्दों पर जागरुक किया जायेगा और गांव गांव जाकर लोगो को भी जागरूक करने की अपील की। इस दौरान संभार्य फाउंडेशन द्वारा सैनेट्री पेड़ भी डोनेट किए। इस दौरान प्राध्यापक भूमेश कौशिक भी उपस्थित रहे।

धूम्रपान करने वाली महिला के बच्चे में हृदय रोग का खतरा

फरीदाबाद। शिशुओं में होने वाले जन्मजात हृदय रोग के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से हर साल 7-14 फरवरी तक जन्मजात हृदय दोष जागरूकता सप्ताह मनाया जाता है। इस बारे में जानकारी देते हुए मैरिंगो क्यू.आर.जी हॉस्पिटल में बाल रोग विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. लोकेश महाजन ने कहा कि जन्मजात हृदय रोग एक ऐसी बीमारी है जिसमें माँ के गर्भ के अंदर बच्चे के शरीर की बनावट बनने के दौरान दिल की बनावट में परिवर्तन आ जाता है। दरअसल दिल के अंदर छोटे-छोटे 4 चैम्बर होते हैं तो उनके बीच में दीवार पूरी तरह बन नहीं पाती हैं तो छोटे-छोटे छेद रह जाते हैं या फिर शुद्ध एवं अशुद्ध रक्त को लाने-ले जाने वाली हृदय की मुख्य रक्त धमनियां की बनावट में नुक्स (दोष) आ जाती है तो उनमें भी संचार की समस्या आ जाती है। नसें उल्टी बन जाती हैं। यह आनुवंशिक रोग (जेनेटिक डिसऑर्डर) होता है। इसके अलावा गर्भावस्था के दौरान धूम्रपान एवं शराब का इस्तेमाल, मिर्गी रोग, डिप्रेशन व कील-मुहासों की दवाओं का सेवन करने और गर्भावस्था के पहले तीन महीने तक रूबेला का शिकार हो जाने वाली महिलाओं के गर्भ में पल रहे बच्चे में जन्मजात हृदय रोग का जोखिम ज्यादा बढ़ सकता है। इस रोग का पता करने के लिए 18 हफ्ते होने पर गर्भवती महिलाएं सबसे पहले लेवल-2 अल्ट्रासाउंड कराएं ताकि जन्म से पहले ही अगर कोई बीमारी है तो उसका पता चल सके। समय पर सही इलाज मिलने पर जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित मरीज भी सामान्य जीवन जी सकते हैं। प्रेग्नेंसी से पहले रूबेला का टीका जरूर लगवाएं।

गलतियां स्वीकार कर सबक लेना जरूरीः नेहा सिंह

फरीदाबाद। रतन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट की तरफ से गुरुवार को इनोवेशन एंपावरमेंट पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पलवल की जिला उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि अच्छा काम करने से ही हर किसी की पहचान बनती है। केवल एग्जाम पास करने से कोई उच्च पद पर नहीं लग जाता, इसके लिए कड़ी मेहनत की जरूरत होती है। अगर आप फेल भी हो जाते हैं तो इससे निराश होने की जरूरत नहीं होती बल्कि मंथन करने की जरूरत होती है। तैयारी के दौरान स्वयं मूल्यांकन करने के लिए टेस्ट देते रहना चाहिए। इससे पता लग जाता है कि आप टॉपर में से हो या बैक बैंचर में से हो। रतन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट कॉलेज के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अरुण डालमिया ने कहा कि उपायुक्त का कार्यक्रम में पहुंचने व छात्रों का उत्साहवर्धन करने के लिए धन्यवाद किया। समय-समय पर कॉलेज में इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। रतन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट कॉलेज की प्रिंसीपल प्रियंका पराशर ने जिला उपायुक्त नेहा सिंह को युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया। इस कार्यक्रम में 400 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

हृदयरोगी महिला की बच्चेदानी से निकाली डेढ़ किलोग्राम की रसौली

फरीदाबाद। महिलाओं की बच्चेदानी में इन दिनों रसौली के केस आने के मामले बढ़ते जा रहे हैं। यदि समय रहते रसोली को नहीं निकाला जाए तो यह कैंसर का रूप ले सकती हैं। फरीदाबाद के एनआईटी-5 स्थित डॉक्टर टुडे अस्पताल की वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. डॉ शुभदा चौपड़ा ने वीरवार को जटिल सर्जरी कर एक 42 वर्षीय महिला मरीज की बच्चेदानी में पनप रही डेढ़ किलो की रसोली निकाल महिला मरीज की जान बचाई है और उसे गंभीर पीढ़ा से भी निजात दिलाई। डॉ शुभदा ने बताया कि उनके अस्पताल में 42 वर्षीय नाजिया को हृदय संबंधित परेशानी थी। जिसके कारण उसकी गंभीर हालत में उसे लाया गया था। महिला मरीज को शुगर और ब्लड प्रेशर की समस्या थी। पहले उसकी ईसीजी कराई गई जिसके बाद उसकी एंजियोग्राफी में दिल को रक्त पहुंचाने वाली नस पूरी तरह से ब्लॉकेज पाया गया। साथ ही महिला को बच्चेंदानी से अत्यधिक रक्तरिसाव होना शुरू हो गया। डॉ. शुभदा ने जब मरीज का अल्ट्रासाउंड कराया तो मरीज की बच्चेंदानी में डेढ़ किलो की रसोई (बड़ी गांठ) का पता चला। जिसके बाद महिला मरीज की बच्चेंदानी निकालने का निर्णय लिया गया और डॉ.शुभदा व उनकी टीम ने तत्काल सर्जरी कर पेट में बढ़ रही पांच माह की डेढ़ किलो की रसोली को सकुशल निकाल लिया। जिससे महिला की जान बच सकी। डॉक्टर की माने तो ऑपरेशन बहुत जटिल था क्यूंकि मरीज को दिल की बीमारी भी थी। लेकिन चिकित्सकों ने जोखिम उठाया और डेढ़ घंटे के ऑपरेशन के बाद बच्चेदानी को सफलता पूर्वक निकाल लिया। अब महिला मरीज पूरी तरह से स्वस्थ हैं कुछ दिनों बाद ही महिला के हार्ट में ब्लॉकेज खोलने के लिए भी स्टंट डाला जाएगा। रसोली की बायोप्सी जांच करवाई जाएगी ताकि कैंसर के बारे में पता लगाया जा सके। वहीं चिकित्सक रसोली की बायोप्सी जांच करवाएंगे ताकि कैंसर के बारे में पता लगाया जा सके।

निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

फरीदाबाद। शिवमति चेरिटेबिल ट्रस्ट एन.एच.पांच में स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। इस जांच शिविर में हृदय रोग, स्त्री रोग, नेत्ररोग, शुगर, बीपी व अन्य तरह के रोगों की जांच की गई। इस कैम्प में एन.एच.पांच, राहुल कालोनी, भगत सिंह कालोनी, गांधी कालोनी के निवासियों ने स्वास्थ्य जांच करवाई। जिसमें फोर्टिस एस्कॉर्ट्स अस्पताल के विशेषज्ञों द्वारा लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई। वहीं इस मौके पर शिवमति चेरिटेबिल ट्रस्ट की संस्थापक डॉक्टर विंध्या गुप्ता ने बताया कि अक्सर देखा जाता है की समाज के कई ऐसे जरूरतमंद लोग होते है, जो इलाज महंगा होने के कारण डाक्टरों तक पहुंच नहीं पाते। इसी के चलते उनके द्वारा हर महीने की नौ तारीख को निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया जाता है। इसी कड़ी में यह शिविर आज आयोजित किया गया है। जिसमें 150 लोगों ने स्वास्थ्य की जांच करवाई। वहीं उन्होंने कहा कि ज्यादातर दवाइयां निशुल्क दी गई हैं। फोर्टिस एस्कॉर्ट्स अस्पताल के डॉक्टर पंकज बत्रा ने बताया कि आज उन्होंने शिवमति चेरिटेबिल ट्रस्ट के प्रांगण में 150 लोगो के स्वाथ्य की जांच की है आगे भी वह फोर्टिस एस्कॉर्ट्स अस्पताल के माध्यम से शिवमति चेरिटेबिल ट्रस्ट के साथ कंधे से कंधा मिलकर जनहित में सेवाएं देंगे।

आरडब्ल्यूए ने डीसी को सौंपा ज्ञापन

फरीदाबाद। रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन सेक्टर-17 द फैमिली के पदाधिकारियों ने मोबाइल टावर लगाने के विरोध में जिला उपायुक्त से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। इस दौरान स्थानीय निवासियों ने ज्ञापन के माध्यम से जिला उपायुक्त को बताया कि इंडस टॉवर्स लिमिटेड गुडगांव की कंपनी सेक्टर-17 के मकान नंबर-658 से 745 तक के समक्ष मोबाइल टेलीकॉम टॉवर लगा रही है, कंपनी द्वारा एसो से किसी तरह की कोई अनुमति नहीं लग गई। इस टावर की अनुमति आपके कार्यालय से मेमो के माध्यम से दी गई है, लेकिन हम इसका विरोध करते है। दरअसल उक्त क्षेत्र पूरी तरह से आबादी वाला है और यहां पार्क पूर्ण विकसित पेड़ों से भरा हुआ है जो निवासियों द्वारा लगाए गए हैं और जो 50 साल से भी अधिक पुराने है। उपायुक्त ने लोगों की बात सुनने के बाद सीटीएम को पूरे मामले की जांच करके जनहित में कार्य करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर विजय गौड़, जय तेवतिया, अशोक अरोड़ा, मनोज सिंधू, शिव हरि सिंगला, वीना पाण्डेय, दीपाली जैन, नीलम जैन, अनीता सिंधू, विमला सिंगला सहित अनेकों सेक्टरवासी मौजूद थे।

मेले में शिक्षा का अधिकार पर नुक्कड़ नाटक

फरीदाबाद। शिक्षा विभाग के आदेशानुसार राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सराय ख्वाजा फरीदाबाद की जूनियर रेडक्रॉस और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड ने प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा के निर्देशानुसार 36वें अंतराष्ट्रीय सूरजकुंड मेले में डिस्ट्रिक्ट लीगल लिटेसी स्टॉल पर शिक्षा का अधिकार विषय पर जूनियर रेडक्रॉस और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड सदस्यों ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर शिक्षा के महत्ता पर प्रकाश डाला। विद्यालय की जूनियर रेडक्रॉस और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड अधिकारी प्रधानाचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने बताया कि शिक्षा का अधिकार के माध्यम से हरियाणा राज्य में कक्षा एक से कक्षा आठ तक के सभी विद्यार्थियों के लिए नि:शुल्क शिक्षा का प्रावधान है। शिक्षा एक संवैधानिक अधिकार था जिसे अब मौलिक अधिकार बना दिया गया है।

ईवी निर्माता

भ्रष्टाचार उजागर

सरकार ने सब्सिडी के गलत दावे करने वाले ईवी वाहन निर्माताओं के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। कार्रवाई से इस क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार उजागर हुआ है। सरकार ने उचित ही जांच का दायरा बढ़ा कर कुछ हाइब्रिड या एलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं द्वारा 'फास्टर एडाप्शन एंड मैन्यूफैक्चरिंग' सब्सिडी-फेम इंडिया का कथित गबन उजागर किया है। भारी उद्योग मंत्रालय ने एलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन बनाने वाली बड़ी कंपनियों से अधिकतम एक्स-फैक्ट्री मूल्य सीमा के बारे में पूछताछ की थी। फेम इंडिया का उद्देश्य एलेक्ट्रिक वाहनों-ईवी को सार्वजनिक परिवहन में बढ़ावा देना तथा उनकी स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए उनके लिए बाजार बनाना व मांग बढ़ाना है। इस योजना से सरकार ने घरेलू ईवी उद्योग की समग्र वृद्धि की कल्पना की है जिसमें ज्यादा स्वदेशीकरण शामिल है। फेम का उद्देश्य सब्सिडी के माध्यम से 7,090 ई-बसों, पांच लाख ई तिपहिया वाहनों, 55,000 ई चौपहिया यात्री कारों तथा 10 लाख ई दुपहिया वाहनों को प्रोत्साहित करना है। लेकिन जैसा कि सब्सिडी से जुड़े अधिकांश कार्यक्रमों के साथ होता है, कुछ उद्योगों पर गलत ढंग से सब्सिडी हड़पने के आरोप लगे हैं। पिछले साल सरकार ने दो बड़ी कंपनियों, हीरो एलेक्ट्रिक व ओकीनावा आटोटेक की फेम सब्सिडी बंद कर दी थी क्योंकि उन पर योजना के अंतर्गत स्थानीयकरण मानकों के पालन न करने का आरोप था। इस बारे में और आरोप सामने आए हैं तथा सब्सिडी से वंचित ईवी वाहन निर्माताओं की संख्या बढ़ती जा रही है।

कुछ सप्ताह पहले 6 अन्य कंपनियों को भी सब्सिडी से वंचित किया गया था और अब ऐसी कंपनियों की कुल संख्या बढ़ कर 18 हो गई है। इतनी अधिक कंपनियों द्वारा लगभग 1,000 करोड़ का लाभ न उठाए जाने तथा डेढ़ दर्जन कंपनियों के खिलाफ गलत सब्सिडी लेने के आरोप में जांच के कारण स्थिति को समग्र रूप से संतोषजनक नहीं कहा जा सकता है। बताया जाता है कि सरकार ने ईवाई फर्म की एकाउंटिंग सेवाओं से उन सभी कंपनियों का वित्तीय आडिट करने को कहा है जिन पर योजना के अंतर्गत गलत ढंग से सब्सिडी लेने के आरोप हैं।

पहले आटो उपकरणों के स्थानीयकरण संबंधी आडिट करने वाली आटोमोटिव रिसर्च असोसियेशन आफ इंडिया अब मूल्य नियंत्रणों के उल्लंघनों की जांच भी करेगी। यदि कोई ईवी वाहन निर्माता भ्रष्टाचार में लिप्त पाया जाता है तो उसके खिलाफ देश के कानून के अनुसार कठोरतम कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन सरकार को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि जांच तेजी से पूरी हो। ईवी से जुड़ा पूरा तंत्र इन स्थितियों के कारण पीड़ित है जिसमें डीलरों से लेकर बैटरी निर्माता तक अनेक लोग शामिल हैं। कुछ लोगों द्वारा कानून का पालन न करने का दंड सबको नहीं मिलना चाहिए। इसके साथ ही उन नीतियों पर भी पुनर्विचार होना चाहिए जिनके आधार पर सब्सिडी व मूल्य नियंत्रण काम करते हैं। उल्लेखनीय है कि ऐसे कदम पूर्व-उदारीकरण युग के प्रतीक हैं। उस युग में राजनीति पर समाजवाद हावी था। अच्छा होगा कि सरकार सब्सिडी व मूल्य नियंत्रण पर विश्वास करने के बजाय स्थितियों में आमूल परिवर्तन का प्रयास करे। उसे 2018-19 में पेश अपने ही आर्थिक सर्वेक्षण के 'नज' या हल्की नीतियों को लागू करने के सुझाव पर गौर करना चाहिए। सर्वे ने इन नीतियों को ऐसी नीतियों के रूप में परिभाषित किया था जो 'जो चयन की स्वतंत्रता बनाए रखते हुए धीरे से लोगों को इच्छित व्यवहार की ओर ले जाएं।' इस प्रकार की नीतियों को न केवल एलेक्ट्रिक वाहनों-ईवी, बल्कि सामान्य रूप से सरकारी नीतियों के सभी पक्षों पर भी लागू करना चाहिए।

पर्यावरण पर्यटन का स्वर्ग भारत

भारत में पर्यावरण-हितैषी पर्यावरण की असीमित संभावनाओं का लाभ उठाने के लिए समुचित नीतिगत ढांचा तैयार किया जाना चाहिए।

वी.के. बहुगुणा
(लेखक, आईसीएफआरई के पूर्व महानिदेशक हैं)

आधुनिक भौतिकवादी दुनिया में बढ़ते तनावों को देखते हुए दुनिया भर के अधिकांश लोग काम से छुट्टी लेकर प्राकृतिक परिवेश, जैसे जंगलों, वन्यजीवों, नदियों व झीलों के निकट जाना चाहते हैं। वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया है कि प्राकृतिक परिवेश में कुछ दिन छुट्टियां मनाने व शहरी जीवन की भागदौड़ से मुक्ति पाने का हमारी सोच पर व्यापक प्रभाव पड़ता है और हम चीजों को सही परिदृश्य में देखने लगते हैं। इससे सही निर्णय लेने तथा संबंध सुधारने में सटीकता को बढ़ावा मिलता है तथा हमारे स्वास्थ्य व बेहतरी में भी सुधार होता है। इसी कारण आजकल सबसे बड़े निगम अपने कर्मचारियों को समय-समय पर ऐसी प्राकृतिक यात्राओं के लिए ले जाते हैं जिससे कर्मचारियों के प्रदर्शन, सृजनात्मकता, विश्लेषणात्मक क्षमता तथा एक-दूसरे से संबंधों में सुधार होता है और तनाव घटता है।

यूरोपीय देश अपने सकल घरेलू उत्पाद-जीडीपी का 15 से 16 प्रतिशत पर्यटन से प्राप्त करते हैं और अकेले संयुक्त राज्य अमेरिका ने 2021 के दौरान अपने आंतरिक पर्यटन से असाधारण रूप से 70 बिलियन डालर कमाई की थी। इन देशों की तुलना में भारतीय पर्यटन का हिस्सा जीडीपी में केवल लगभग 7 प्रतिशत है और वह बहुत तेज गति से बढ़ रहा है। लेकिन बेलगाम व अनियोजित पर्यटन पर्यावरण को खासकर भारत जैसे ट्रापिकल विकासशील देशों में बड़ा खतरा पैदा करता है। पर्यटन उद्योग में पर्यावरण पर्यटन का हिस्सा केवल 5-6 प्रतिशत है। भारत में घरेलू पर्यटकों के समर्थन से पर्यावरण पर्यटन प्रति वर्ष 15 प्रतिशत की गति से बढ़ रहा है। इसके साथ ही आयोजकों व पर्यटकों में इसके प्रति ज्यादा से ज्यादा जागरूकता पैदा हो रही है।

भारत विविधतापूर्ण भूदृश्यावलियों तथा समृद्ध जीव व वनस्पति जगत के कारण बहुत महत्वपूर्ण देश है। कर्नाटक सरकार का 'जंगल लाजेज़ कार्पोरेशन' देश में पर्यावरण पर्यटन का पहला फ्लैगशिप कार्यक्रम है। इसे व्यापक सफलता मिल रही है क्योंकि बैंगलुरू के बड़े आईटी उद्यम तथा अन्य पेशेवर इसके बहुत बड़े ग्राहक हैं। बैंगलुरू से 80-100 किलोमीटर के दायरे में अनेक विश्वस्तरीय एडवेंचर व वाइल्डलाइफ नेशनल पार्कों व अभयारण्यों की स्थापना की गई है जहां सुंदर भूदृश्यावली, जंगल और नदियां मौजूद हैं। हर सफल संस्थान ने इसमें अपना योगदान किया है।

कर्नाटक के तत्कालीन मुख्यमंत्री स्वर्गीय गुंडू राव ने 1978 में नेपाल में 'मीट आन टाइगर्स' में शामिल होकर लौटते समय दो आईएफएस अधिकारियों, श्री एम.एम. राय व श्री विनय लूथरा से पूछा कि क्या वे कर्नाटक में विश्वस्तरीय पर्यावरण पर्यटन केन्द्र बना सकते हैं क्योंकि भारत में भी जीवों व वनस्पतियों का समृद्ध संसार है जिसमें बाघ, हाथी, तेंदुए, हिरन, मोर, आदि शामिल हैं। उन्होंने यह चुनौती स्वीकार की तथा नागरहोल नेशनल पार्क में कबिनी रीवर लाज से शुरुआत की। सुनियोजित कार्य ने पर्यावरण पयर्टन व एडवेंचर पर्यटन के दरवाजे खोल दिए जिसका समर्थन बैंगलुरू के पेशेवरों ने किया क्योंकि वे सप्ताहांत में आराम के लिए जगह तलाश रहे थे। यह भारत में पहला और बेजोड़ विश्वस्तरीय पर्यावरण पर्यटन ढांचा था जो आकर्षक भूदृश्यावली की

> **यूरोपीय देश अपने सकल घरेलू उत्पाद-जीडीपी का 15 से 16 प्रतिशत पर्यटन से प्राप्त करते हैं और अकेले संयुक्त राज्य अमेरिका ने 2021 के दौरान अपने आंतरिक पर्यटन से असाधारण रूप से 70 बिलियन डालर कमाई की थी। इन देशों की तुलना में भारतीय पर्यटन का हिस्सा जीडीपी में केवल लगभग 7 प्रतिशत है और वह बहुत तेज गति से बढ़ रहा है।**

सुंदरता से जुड़ा था। कबिनी की सफलता से कर्नाटक के विभिन्न भागों में ऐसे 20 लाज व रिजार्ट स्थापित हुए। इन सभी रिजार्टों की थीम स्थानीय परंपरायें, भौगोलिक आयाम व संस्कृति थी जो स्थानीय लोगों की आजीविका को प्रोत्साहित करती थी। कर्नाटक में पर्यावरण पर्यटन लाखों लोगों को प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से रोजगार देता है तथा टिकाऊ रूप से जंगलों, वन्यजीवों व अन्य प्राकृतिक तत्वों का प्रबंधन करता है। इससे लोगों के मनोरंजन तथा परिस्थितिकी तंत्र का स्थायित्व, दोनों सबसे अच्छे ढंग से सुनिश्चित होते हैं।

भीमेश्वरी एडवेंचर एंड नेचर कैंप एक सबसे अच्छा पर्यावरण पर्यटन व एडवेंचर स्थल है। यह बैंगलुरू से लगभग 80 किलोमीटर दूर 40 एकड़ के सुंदर जंगली क्षेत्र में स्थित है। इसके एक आर कावेरी नदी का अत्यन्त स्वच्छ जल शानदार पहाड़ियों के बीच प्रवाहित होता है जो घने जंगलों से आच्छादित हैं और जहां चिड़ियों के चहचहाने की आवाजें सुनाई देती हैं। इस स्थल पर अनेक एडवेंचर खेलों का आयोजन होता है जिनमें जिप लाइनिंग, कायाकिंग, स्काई वाकिंग, आदि शामिल हैं। यहां पहुंच कर पर्यटक अपनी क्षमताओं का उत्साह से उपयोग करते हैं। कोरैकल राइड व जंगल सफारी इतने आनन्ददायक हैं कि लोग अपने कार्यस्थल पर लौटने से पहले पूरी तरह आनन्दविभोर हो जाते हैं। 20 लाग हट व टेंट बहुत स्वच्छ तथा एसी सुविधा वाले हैं जहां भोजन व आवास खर्च दो लोगों के लिए 10,000 से 14,000 रुपये के बीच है। प्रबंधन का सर्वोत्तम आयाम यह है कि केवल स्थानीय लोगों को ही रिजार्ट की सारी गतिविधियों में शामिल किया गया है। यहां प्रबंधक को छोड़ कर कुल 45 स्थानीय कर्मचारी काम करते हैं।

यह उदाहरण है कि कैसे सुंदर पर्यटन स्थल सरकार को राजस्व के साथ ही स्थानीय लोगों को रोजगार दे सकते हैं। इसके साथ ही वे स्थानीय उत्पादों, जैसे डेरी चीजों, स्थानीय आर्गेनिक सब्जियों, आदि का प्रयोग करते हैं। इसके साथ ही वनों व वन्यजीवों का संरक्षण भी सुनिश्चित होता है। स्कूली छात्र और बच्चे नेचर कैंपों का आयोजन कर पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूकता पैदा करते हैं।

इस लेख का उद्देश्य नियोजकों व नीति निर्माताओं को ऐसी व्यवस्था बनाने के लिए प्रेरित करना है जिससे वे देश की असाधारण व विविधतापूर्ण समृद्ध सुंदरता का प्रयोग कर उस लगभग 32 मिलियन हेक्टर वन क्षेत्र में लाखों लोगों के लिए रोजगार सृजन कर सकें जहां आदिवासी व ग्रामीण गरीब रहते हैं। इसके साथ ही सरकारी खजाने के लिए बहुत आवश्यक राजस्व भी प्राप्त हो सकता है। कर्नाटक माडल एक उदाहरण है जिसका अनुसरण कर इसी प्रकार विकास किया जा सकता है। इसके लिए एक अलग पर्यावरण-पर्यटन विभाग का राज्य स्तर पर गठन करना होगा जिसका प्रबंधन प्रशिक्षित वनविज्ञान पेशेवर तथा अन्य पर्यावरण पर्यटन विशेषज्ञ करेंगे। इसके लिए स्थानीय लोगों के साथ मिल कर संयुक्त वन प्रबंधन, पर्यावरण विकास समितियों, पंचायत व सामुदायिक वनाधिकार प्रबंधन समितियों का गठन करना होगा ताकि पर्यावरण पर्यटन की समग्र संभावनाओं का लाभ उठाया जा सके। इससे सरकार व जनता, दोनों की आमदनी सुनिश्चित होगी। भारत सरकार के स्तर पर एक अलग संगठन का गठन करना उचित होगा जिसमें वनविज्ञान की एक शाखा होगी जो योजना के क्रियान्वयन पर निगरानी रखेगी। इसके साथ ही विभिन्न स्थानों के लिए सटीक दिशानिर्देश व ढांचागत संरचनाओं का विकास करना होगा जो वन कानूनों की पवित्रता का उल्लंघन नहीं करेंगी।

केन्द्र सरकार को यह निर्णय करना जरूरी है कि पर्यावरण एवं वन संरक्षण जैसे कुछ क्षेत्रों को नई योजनाओं से जोड़ा जाए। इन क्षेत्रों में आर्थिक उपलब्धियों के साथ ही वन संरक्षण पर जोर देना जरूरी होगा। इसके लिए खांचों से अलग हट कर खोजी दृष्टिकोण से विचार करना भी जरूरी होगा। खोजी विचारों से समर्थन तथा राजनीतिक नेताओं की इच्छाशक्ति के बिना सरकारी मशीनरी केवल परंपरागत रास्ते पर चलना जानती है। इसमें परिवर्तन की जरूरत है।

डिजिटल लेन-देन से मिलेगा आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा

> **"इलेक्ट्रॉनिक रूप से किया गया भुगतान दुनिया भर के उद्यमियों को उच्च लाभ क्षमता प्रदान करने वाला साबित होता है।"**

साक्षी सेठी
(लेखिका एक अध्यापिका हैं)

वर्ष 2010 में वापस, जब एनपीसीआई ने 2016 में यूपीआई के लॉन्च के बाद मोबाइल फोन के माध्यम से तत्काल इंटरबैंक इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर सेवा की पेशकश करने के लिए आईएमपीएस लॉन्च किया, जो डिजिटल लेनदेन करने के लिए देश में सबसे लोकप्रिय उपकरणों में से एक था, हमें कम ही पता था कि डिजिटल होने की यह अवधारणा और वह भी हमारी मेहनत की कमाई से जुड़ी कोई चीज इतनी तेज गति से बढ़ेगी।

ई-भुगतान या इलेक्ट्रॉनिक भुगतान क्रेडिट या डेबिट कार्ड विवरण की आवश्यकता के बिना ऑनलाइन लेनदेन करने या बिलों का भुगतान करने का एक तरीका है। ऐसी भुगतान विधि ग्राहक को नकद भुगतान के विकल्प के रूप में धन हस्तांतरित करने में मदद करती है। ये भुगतान मोड एक साधारण स्वाइप या टैप के साथ खरीदारी को सक्षम करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप कुछ मिनटों के भीतर लेन-देन की प्रक्रिया पूरी हो जाती है। साथ ही, किए गए भुगतान हर लेनदेन के बाद तत्काल एसएमएस अलर्ट के बाद डिजिटल वॉलेट या बैंक स्टेटमेंट में दिखाई देते हैं। इतना ही नहीं, यदि धनराशि गलत तरीके से डेबिट की जाती है तो ऐसे लेनदेन 24-48 घंटों के भीतर उलट जाते हैं, या कई बार जब गलत पासवर्ड दर्ज किया जाता है, तो सही पासवर्ड दर्ज करने के लिए तत्काल संदेश या पॉप-अप दिखाई देता है।

कोविड और कोविड के बाद की डिजिटल क्रांति को बहुत-बहुत धन्यवाद। आज, यूपीआई और अन्य भुगतान एप्लिकेशन जैसे भीम, भारतपे, पेटीएम, फोनपे, गूगलपे, अमेजनपे, जिओमनी, फ्रीचार्ज, योनाएसबीआई, एयरटेलमनी, क्रेड और यह सूची लंबी होती चली जाती है, जो एक लंबा सफर तय कर चुकी है।

डिजिटल भुगतान एक आदत है, और भारत को कैशलेस-अर्थव्यवस्था की ओर मजबूती से ले जा रहा है। भौतिक चेक या अन्य बैंक उपकरणों की तुलना में बहुत तेज़ और तेज़ होने के कारण, भुगतान का यह तरीका समय बचाता है, कुशल है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि नकदी पर निर्भरता को कम करके, विशेष रूप से देश के शहरी क्षेत्रों में कैशलेस अर्थव्यवस्था के निर्माण में मदद करता है। 'डिजिटल इंडिया' पहल के एक हिस्से के रूप में, सरकार का उद्देश्य डिजिटल रूप से सशक्त अर्थव्यवस्था बनाना है जो 'फेसलेस, पेपरलेस और कैशलेस' हो। राष्ट्रीय डाटाबेस और पंजीकरण प्राधिकरण (एनडीआरए) ने एक नई डिजिटल भुगतान प्रणाली शुरू की है जो ऑटोमेटेड टेलर मशीन (एटीएम) के विकल्प के रूप में काम करेगी, जिसके परिणामस्वरूप उपयोगिता बिल और पहचान दस्तावेजों का भुगतान होगा। हाल ही में, रिलायंस रिटेल भारत में पहली संगठित खुदरा श्रृंखला बन गई है जिसने बिक्री के लिए डिजिटल रुपये को स्वीकार करना शुरू कर दिया है।

ग्राहक डिजिटल रुपी ऐप पर क्यूआर कोड को आसानी से स्कैन कर सकते हैं और भुगतान की तत्काल अधिसूचना के बाद ई-आर को अधिकृत करने के लिए पासकोड दर्ज कर सकते हैं। ऐसे उदाहरण स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि भारत सतत विकास के पथ पर अग्रसर है और इसे किसी भी स्थिति या परिस्थितियों से कोई नहीं रोक सकता है।

कई डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म और निजी संस्थाएं विक्रेताओं को पारंपरिक नकद लेनदेन से नई डिजिटलीकृत ऑनलाइन भुगतान प्रणाली में स्थानांतरित करने में मदद और प्रशिक्षण दे रही हैं, जिसके परिणामस्वरूप स्मार्टफोन की मांग में वृद्धि हुई है।

हालांकि, कई निजी संस्थाएं अपने ग्राहकों को वैकल्पिक भुगतान विधियां सुनिश्चित करने के लिए एक कुशल और प्रभावी तरीका प्रदान कर रही हैं। कई उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में डिजिटल भुगतान अपनाने का चलन बढ़ रहा है। इस तरह के तकनीकी विकास से भारतीयों को डिजिटल रूप से अधिक लेनदेन करने में मदद मिलेगी। डिजिटल लेन-देन का यह तरीका स्टार्ट-अप्स के लिए बहुत फायदेमंद है। इलेक्ट्रॉनिक रूप से किया गया भुगतान दुनिया भर के उद्यमियों को उच्च लाभ क्षमता प्रदान करने वाला साबित होता है। यह कर अनुपालन की उच्च लागत को कम करने में भी उनकी मदद कर सकता है। समय के साथ लेन-देन नकद भुगतान से डिजिटल भुगतान में परिवर्तित हो रहे हैं, जो लोगों के बदलते परिवेश के अनुकूल होने की जरूरतों को पूरा कर रहे हैं।

इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अधिक से अधिक डिजिटल भुगतानों के लिए निरंतर नवाचार और अनुकूलन भारत को डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में विश्व नेता के अपने खिताब को वापस लेने में मदद करेगा, यह भारत के विकास के लिए फायदेमंद साबित होगा।

आप की बात

अंग दान का महत्व

हमारा देश धार्मिक मान्यताओं वाला देश है जहां मरने के बाद हमारी देह को पवित्र रूप में संस्कार करना हमारी संस्कृति कही जाती है। मगर अब हमारा यह धार्मिक मान्यता वाला देश अब बदल रहा है। वैज्ञानिकों-डॉक्टरों का कहना है कि मरने के बाद भी आपका यह शरीर दूसरों के काम आ सकता है। आपके शरीर के अंग दूसरे जिंदा इंसान को लगाए जा सकते हैं तब से हमारा देश विश्व के अन्य देशों की तरह काफी जागरूक हो गया है एवं अब हम अपने परिजनों के मृत शरीर के अंगों को दूसरे किसी अपने के लिए देने पर कोई आपत्ति नहीं करते हैं। देश में आजकल अस्पतालों में जिस तरह से शरीर के अंगों का प्रत्यारोपण किया जा रहा है उससे काफी लोगों को फिर जीवनदान भी मिल रहा है। जिनके दुर्घटनाओं में अंग भंग हो जाते हैं उनको दूसरे के शरीर के अंग लगाए जा रहे हैं। यह किसी पुण्य कर्म से कम नहीं है। इससे भी इंसान को मरने के बाद स्वर्गवास मिलना तय है। देश की जनता को अंगदान व यथासंभव संपूर्ण देहदान के लिए प्रेरित करने का काम धर्मगुरुओं को करना चाहिए। प्रख्यात हिंदू धार्मिक संगठन गायत्री परिवार ने तो अनेक सालों से संपूर्ण शरीर दान का अभियान चला रखा है जिसे व्यापक सफलता मिली है।

मनमोहन राजावत राज, शाजापुर

सराहनीय अभियान

देश के कई इलकों में खसरा बीमारी का प्रकोप फैल रहा है जो आमतौर पर बच्चों को अपना शिकार बनाती है। वैक्सीन की मदद से खसरा वायरस के प्रसार को रोका जा सकता है। हर वर्ष दुनिया भर में 2 लाख से ज्यादा बच्चों की मौत खसरा बीमारी की वजह से ही होती हैं। इस समय हरियाणा में खसरा वायरस का संक्रमण रोकने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। नूंह और पलवल जिले में खासकर अभियान चलाया जा रहा हैं। अभियान के तहत 9 महीने से लेकर 15 वर्ष तक के 4,72,250 बच्चों को एमआर टीके की एक अतिरिक्त खुराक दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि संक्रमण के शुरुआती दौर में बच्चों को टीकाकरण देकर खसरे के खतरे से बचाया जा सकता है। इसके लिए मीजल्स-मम्प्स-रुबेला वैक्सीन और चिकनपॉक्स की वैक्सीन दी जाती हैं। गौरतलब है कि हर वर्ष कई बच्चो की जान इस बीमारी से जाती है। इसलिए हरियाणा सरकार का बच्चों को खसरे से बचाने का यह अभियान सराहनीय है। इससे खसरा के संक्रमण से होने वाले मौत के आकड़े में जरूर कमी आएगी। देश के अन्य राज्यों को भी बच्चों के नियमित व अनिवार्य टीकाकरण को पूर्णतः लागू करना चाहिए।

निधि जैन, गाजियाबाद

एथनॉल को बढ़ावा

सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम विपणन कंपनियों के समन्वित प्रयासों से देश के 11 राज्यों और संघ शासित प्रदेशों के चुनिंदा पेट्रोल पंप पर 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण वाले पेट्रोल की खुदरा बिक्री शुरू हो गई है। एथनॉल पर ध्यान केंद्रित करने से पर्यावरण के साथ-साथ किसानों के जीवन पर भी बेहतर प्रभाव पड़ रहा है क्योंकि यह किसानों को आय का एक और स्रोत उपलब्ध कराता है। पिछले वर्ष 2022 में सरकार ने पेट्रोल में 10 प्रतिशत एथनॉल मिलाने का लक्ष्य रखा था। जिसे भारत ने जून 2022 में प्राप्त कर लिया। भारत दुनिया में अमेरिका, ब्राजील, यूरोपीय संघ और चीन के बाद एथनॉल का पांचवां सबसे बड़ा उत्पादक देश है। भारत में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, हरियाणा समेत अन्य राज्य गन्ना पैदा करते हैं जो एथनॉल का मुख्य स्रोत है। भारत सरकार द्वारा पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनाल मिश्रण की अनुमति देने से चीनी मिलें अब ज्यादा से ज्यादा एथनाल उत्पादन पर ध्यान देंगी। इससे उनका मुनाफा बढ़ेगा तथा वे किसानों को गन्ने का बकाया मूल्य फौरन अदा कर सकेंगी।

ऋषभ मिश्रा, कानपुर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते है।

फरमाया

अडाणी 2014 में सबसे अमीरों की सूची में 609वें स्थान पर थे। अब वे दूसरे स्थान पर आ गए हैं।

- राहुल गांधी
कांग्रेस नेता

राहुल के आरोप निराधार हैं। कांग्रेस व उसके नेता अनेक घोटालों में शामिल थे जिनसे देश की छवि खराब हुई।

- रवि शंकर प्रसाद
भाजपा सांसद

मोदी प्रशासन ने मुंबई हवाईअड्डा अडाणी समूह को देने के लिए जीवीके पर दबाव नहीं डाला।

- संजय रेड्डी
जीवीके उपाध्यक्ष

27 लाख करोड़ के निवेश पर आज लगेगी मुहर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

इन्वेस्टर्स समिट में शुक्रवार को हजारों देशी-विदेशी निवेशक विभिन्न सेक्टरों में निवेश के लिए निवेश परियोजनाओं का ऐलान करेंगे। करीब 17 हजार निवेश प्रस्तावों के जरिए 27 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश आने की उम्मीद की जा रही है। इनमें विदेशों से आने वाला 7.2 लाख करोड़ रुपये का निवेश भी शामिल है।

डाटा सेंटर, लॉजिस्टिक पार्क, रिन्यूएबल इनर्जी और फिल्म सिटी में तो विदेशी कंपनियां खासी रुचि दिखा रही हैं। डाटा सेंटर पर साढ़े 17 हजार करोड़ व लाजिस्टिक पार्क पर सोलह हजार करोड़ के विदेशी निवेश की उम्मीद है। योगी सरकार ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से सभी विभागों को 17 लाख करोड़ का निवेश जुटाने का लक्ष्य दिया था। जीआईएस से पहले ही एमओयू और निवेश प्रस्तावों से सरकार लक्ष्य से कहीं आगे निकल गई है। छोटे निवेशक टेंगे सबसे ज्यादा रोजगार, एक ओर अडानी, अंबानी, बिड़ला जैसे बड़े उद्योगपति प्रदेश में निवेश के लिए अपना रोडमैप तैयार कर रहे हैं तो वहीं छोटे उद्योगपति भी बड़ी संख्या में निवेश के लिए प्रदेश में आ रहे हैं। करीब 12 हजार निवेशक ऐसे हैं जिन्होंने उत्तर प्रदेश में 50 करोड़ रुपये तक का निवेश करने का प्रस्ताव दिया है या फिर एमओयू साइन किया है। इन निवेशकों के माध्यम से प्रदेश में 1.20 लाख करोड़ से ज्यादा का निवेश आने की संभावना है। ये छोटे निवेशक प्रदेश में सबसे ज्यादा रोजगार सृजित करेंगे। 1500 निवेशक 50 से 500 करोड़ के बीच के कर सकते हैं। इस श्रेणी में 1000 से अधिक उद्यमियों ने प्रदेश में निवेश के लिए प्रस्ताव या एमओयू किया है। इनके माध्यम से प्रदेश में करीब एक लाख करोड़ का निवेश होने की उम्मीद है। इन निवेश के माध्यम से प्रदेश के युवाओं को 20 लाख से अधिक प्रत्यक्ष या परोक्ष रोजगार के अवसर मिलेंगे। 200 करोड़ से 500 करोड़ के बीच निवेश करने वाले निवेशकों की संख्या 400 से अधिक है। इन निवेशकों के माध्यम से प्रदेश में 1.10 लाख करोड़ से ज्यादा का निवेश होगा और साढ़े चार लाख से ज्यादा रोजगार के अवसर प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सृजित हो सकेंगे।

स्वास्थ्य सेवाओं को लगेंगे पंख, 54 हजार करोड़ के निवेश प्रस्तावित

लखनऊ। विकास की इबारत लिखने के लिए तैयार यूपी में स्वास्थ्य सेवाओं को पंख लगाने का जरिया ग्लोबल इन्वेस्टर समिट साबित होगा। समिट के जरिए स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में करीब 54 हजार करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। स्वास्थ्य क्षेत्र में भारी भरकम निवेश से प्रदेश की आर्थिक सेहत भी सुधरेगी। साथ ही करीब डेढ़ लाख लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

ओडीओपी की तर्ज पर एक ओर जहां प्रदेश सरकार एक जिला एक मेडिकल कॉलेज की मुहिम चला रही है तो दूसरी ओर तीन नये मेडिकल कॉलेज खोले जाने के प्रस्ताव भी विभाग को मिले हैं। इनके अलावा चार नये कैंसर संस्थान खोलने के लिए भी निवेशकों ने इच्छा जताई है। मेडिकल उपकरण इकाइयां भी प्रदेश में स्थापित होंगी। अधिकारियों के मुताबिक प्रदेश में स्वास्थ्य क्षेत्र में 73 निवेशक ऐसे हैं, जिन्होंने 50 करोड़ से लेकर 34 हजार करोड़ रुपये तक के निवेश प्रस्ताव दिए हैं। इनमें सबसे बड़ा 34 हजार 500 करोड़ का निवेश प्रस्ताव राग हेल्थ केयर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड ने दिया है। कंपनी पीएचसी.सीएचसी को अपग्रेड करने के साथ ही नवजात और बाल स्वास्थ्य, घर.घर स्वास्थ्य जांच सहित स्वास्थ्य सूचनाओं के आदान.प्रदान का आधुनिक तंत्र विकसित करेगी। इसके अलावा जिला मुख्यालयों पर हाईटेक लैब स्थापित करना भी कंपनी के प्रस्ताव में शामिल है। इसके अलावा माई हेल्थ सेंटर ने 2050 करोड़ एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ गेस्ट्रोएंटेरोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड ने 1500 करोड़ और एमजीएच हेल्थकेयर ने 1000 करोड़ का निवेश प्रस्ताव दिया है। इसके अलावा 500 करोड़ से अधिक निवेश करने वालों में यशोधा सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पीटल्स, अपोलो सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पीटल्स, पावर क्राप्स जैगरी प्लांट, मेडोप्लस सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, चंदन हॉस्पीटल लिमिटेड, ईएसडी डिजिटिव प्राइवेट लिमिटेड, हेल्थ एटीएम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, हेरीटेज हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड, मीमांसा हेल्थटेक, शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस शामिल हैं।

यूपी में ई-व्हीकल प्लांट स्थापित करने को लेकर नंदी से मिले हिन्दुजा ब्रदर्स

लखनऊ। लखनऊ में शुक्रवार 10 फरवरी से शुरू हो रहे निवेश के महाकुम्भ ग्लोबल इन्वेस्टर समिट 2023 में सम्मिलित होने के लिए गुरूवार को लखनऊ पहुंचे देश के प्रमुख औद्योगिक समूहों में एक हिन्दुजा ग्रुप के चेयरमैन यूरोप प्रकाश परमानन्द हिन्दुजा और हिन्दुजा ग्रुप ऑफ कम्पनीज इंडिया के चेयरमैन अशोक परमानन्द हिन्दुजा ने औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने उनके सरकारी आवास 6 कालीदास मार्ग पर मुलाकात की। जहां उन्होंने हिन्दुजा ग्रुप द्वारा उत्तर प्रदेश में ई-व्हीकल प्लांट स्थापित करने पर सहमति जताते हुए प्रदेश के औद्योगिक विकास यात्रा में सहभागिता का भरोसा जताया। चेयरमैन प्रकाश हिन्दुजा और अशोक हिन्दुजा ने कहा कि उत्तर प्रदेश असीम सम्भावनाओं का प्रदेश है। जहां ई-व्हीकल के क्षेत्र में निवेश की असीम सम्भावनाएं मौजूद हैं। जिसके लिए हिन्दुजा समूह तैयार है। सरकार का साथ मिला तो ई-व्हीकल के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे। हिन्दुजा ब्रदर्स ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बनाई गई उत्तर प्रदेश की औद्योगिक नीति की सराहना की। वहीं उद्योगों को स्थापित करने में औद्योगिक विकास विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों के सहयोग एवं त्वरित कार्य प्रणाली की प्रशंसा की। मुलाकात के दौरान औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से हिन्दुजा ग्रुप के चेयरमैन का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार निवेशकों की मदद के लिए हमेशा तत्पर है। उद्योगों को स्थापित करने में जो भी आवश्यकता होगी हर सम्भव मदद की जाएगी। किसी तरह की कमी नहीं छोड़ी जाएगी। इस दौरान हिन्दुजा ग्रुप के सीनियर एडवाइजर एसके चड्ढा जी भी मौजूद रहे।

विदेशियों के लिए फाइव स्टार होटल की तर्ज पर बनाई गई टेंट सिटी

लखनऊ। शुक्रवार से शुरू हो रहे ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की तैयारी पूरी हो चुकी है। वृंदावन कॉलोनी की डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में इसका आयोजन होगा। यहां 25 हजार वर्गमीटर में 5 बड़े पंडाल और टेंट सिटी बसाई गई है। इन्हें फाइव स्टार होटल की तर्ज पर बनाया गया है। जहां 16 देशों से आने वाले विदेशी मेहमान ठहरेंगे। समिट में 304 कंपनियां 25 लाख करोड़ का निवेश करेंगी। इन्वेस्टर्स समिट और जी 20 को लेकर सड़क, चौराहा, ट्रैफिक, लाइट समेत पर्यटन स्थल को करीब 130 करोड़ की लागत से तैयार किया गया है। इस दौरान लेसा, नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, पर्यटन समेत सभी प्रमुख विभाग इसमें लगाए गए। पीएम मोदी कार्यक्रम में करीब 2 घंटे 40 मिनट तक रहेंगे। पीएम मोदी 10 फरवरी की सुबह 9 बजकर 30 मिनट पर अमीसी एयरपोर्ट पर लैंड करेंगे। यहां से सुबह 10 बजे वृंदावन कॉलोनी स्थित कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगे। करीब डेढ़ घंटे कार्यक्रम में रहेंगे। उसके बाद 11 बजकर 30 मिनट तक अमीसी एयरपोर्ट से रवाना होंगे। समिट को लेकर यूपी कैबिनेट के मंत्रियों के साथ अधिकारियों ने 16 अलग-अलग देशों का दौरा भी किया था। ऐसे में उम्मीद है कि सभी देश के लोग आएंगे। इसके अलावा सभी केंद्रीय मंत्रियों को भी न्योता भेजा गया है। देश के सभी बड़े उद्योगपतियों को आने के लिए निमंत्रण गया है। जानकारी के अनुसार संयुक्त अरब अमीरात यूएई, जापान, जर्मनी, थाईलैंड, मैक्सिको, साउथ अफ्रीका, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, नीदरलैंड, बेल्जियम, कनाडा एवं अर्जेंटीना जैसे देश शामिल है जहां से लोगों के आने की संभावना सबसे ज्यादा है। डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में आने वाले लोगों को कोई परेशानी न हो इसके लिए पूरा टेंट सिटी बसाया गया है। पांच बड़े पंडाल बनाने के अलावा करीब 750 लोगों के ठहरने के लिए पांच स्टॉर होटल की तरह टेंट सिटी बसाया गया है। इसको काशी, अयोध्या जैसे शहरों का रूप दिया गया है। गूगल, एप्पल, रोल्स रॉयस, सुजुकी, वॉलमार्ट, अमेजन, जॉनसन एंड जॉनसन, फाइजर, मर्क, मर्सिडीज, लॉरिल व फिलिप्स आदि हैं। चार लाख करोड़ की विदेशी निवेश का लक्ष्य है। विदेशी निवेश के लिए 20 सेक्टरों की निवेश नीतियां बनाई गई हैं।

मुकेश अंबानी समेत शामिल होंगे कई दिग्गज उद्योगपति

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

देश और दुनिया के निवेशकों को उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित करने के लिए आयोजित हो रहे यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में उद्योग जगत की नामचीन हस्तियां शामिल होंगी। इनमें मुकेश अंबानी रिलायंस, के चंद्रशेखरन टाटा संस, कुमार मंगलम बिड़ला आदित्य बिड़ला ग्रुप, आनंद महिन्द्रा महिन्द्र, हिन्दुजा ग्रुप के चेयरमैन यूरोप, प्रकाश परमानन्द हिन्दुजा और हिन्दुजा ग्रुप ऑफ कम्पनीज इंडिया के चेयरमैन अशोक परमानन्द हिन्दुजा, मुकेश अंधी यूएसआईएसपीएफ, स्वाति दलाल एबॉट न्यूट्रिशन, नवनीत अग्रवाल अग्रवाल पैकर्स एंड मूवर्स, महेश सुगरू टाटा मोटर्स, उदय सिन्हा एकाना ग्रुप, आदिल जैदी अर्न्स्ट एंड यंग, धीरज कपूर फ्लिपकार्ट, ध्रुव गलगोटिया गलगोटिया यूनिवर्सिटी, दिनेश गुप्ता ग्रीन प्लाई, राजीव गर्ग हल्दीराम ग्रुप, संजीव कक्कड़ इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, प्रदीप दीक्षित आईटीसी, आशीष अग्रवाल जेबीएम ग्रुप, अमर सिन्हा रेडिको खैतान, डेनियल बिचर ज्यूरिख एयरपोर्ट एशिया, नामस् पार्क और ह्यू किम सैमसंग, प्रदीप कुमार गुप्ता शारदा यूनिवर्सिटी, कैलाश चंद्र झंवर अल्ट्रा टेक सिमेंट सहित तीन सौ से ज्यादा उद्यमी इन्वेस्टर्स समिट में शामिल होंगे।

ग्लोबल इन्वेस्टर सतत विकास में नवीनीकृत ऊर्जा के योगदान पर होगा सत्र

लखनऊ। लखनऊ में शुक्रवार से शुरू हो रहे तीन दिवसीय जीआईएस में ग्रीन एनर्जी को लेकर एक सत्र आयोजित होगा जिसमें सतत विकास में नवीनीकृत ऊर्जा का योगदान विषय पर चर्चा की जाएगी। इस सत्र का नेतृत्व प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा एवं ऊर्जा राज्य मंत्री डा सोमेन्द्र तोमर द्वारा किया जायेगा। सत्र के प्रारम्भ में अपर मुख्य सचिव ऊर्जा महेश तथा सचिव ऊर्जा भारत सरकार द्वारा ऊर्जा संक्रमण में संभावनाओं एवं चुनौतियों पर विचार व्यक्त किया जायेगा। इसके बाद विभिन्न वैश्विक एवं राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों द्वारा राउण्ड द क्लॉक पॉवर, सौर ऊर्जा उत्पादन संयंत्रों में ओपन एक्सेस, रूफटॉप सौर संयत्र, जैव ऊर्जा तथा ग्रीन हाइड्रोजन जैसे विषयों पर प्रकाश डाला जाएगा।

एसीएस ऊर्जा महेश गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में वर्ष 1983 में सतत् विकास हेतु स्वच्छ ऊर्जा की आवश्यकता की पूर्ति हेतु प्रदेश के अतिरिक्त ऊर्जा विभाग के अन्तर्गत गैर पारम्परिक ऊर्जा एजेन्सी की स्थापना की गयी। तभी से यूपी नेडा द्वारा नवीनीकृत ऊर्जा को प्रोत्साहित कर प्रदेश के जनमानस को हरित एवं गुणवत्तापूर्ण ऊर्जा की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जाती है। साथ ही पर्यावरण सुरक्षा तथा ऊर्जा संरक्षण को प्रोत्साहित किया जाता है। भारत सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में हरित ऊर्जा पर आधारित विकास को प्राथमिकता प्रदान की गयी है तथा इसे अमृत काल की समग्र षि प्राथमिकताओं में इंगित किया गया है जिससे स्पष्ट होता है कि हमारा देश भविष्य में हरित ऊर्जा के क्षेत्र में कार्य करने के लिए नेट जीरो लक्ष्य की पूर्ति के लिए संकल्पबद्ध है। साथ ही प्रदेश को नवीनीकृत ऊर्जा के क्षेत्र में निर्माण का हब बनाने तथा इस क्षेत्र में रोजगार की सम्भावनाओं के विकास के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने बताया कि इस सत्र में निवेशकों को प्रदेश में नवीनीकृत ऊर्जा क्षेत्र में उपलब्ध अपार संभावनाओं के सम्बन्ध में जानकारी दी जाएगी। देश के ऊर्जा क्षेत्र के अग्रणी वित्तीय संस्थाओं जैसे पावर फाइनेंस कारपोरेशन, रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन तथा इरेडा के शीर्ष नेतृत्व द्वारा नवीनीकृत ऊर्जा क्षेत्र को वित्तीय सहायता प्रदान करने पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इसके पश्चात इन विषयों पर एक खुली परिचर्चा होगी। प्रदेश में नवीनीकृत ऊर्जा क्षेत्र को प्रोत्साहित एवं विकसित करने के लिए सौर ऊर्जा नीति वर्ष 2022 एवं जैविक ऊर्जा नीति वर्ष 2022 लागू की गयी है जिसे समस्त हितधारकों से अभूतपूर्व समर्थन प्राप्त हुआ है। उत्तर प्रदेश शासन एवं नवीनीकृत ऊर्जा क्षेत्र के प्रख्यात उपक्रमों के मध्य ग्रीन हाइड्रोजन, पम्प स्टोरेज, जिओ थर्मल ऊर्जा तथा यूटीलिटि स्केल एवं फ्लोटिंग सौर परियोजनाओं से सम्बन्धित निवेश समझौते हस्ताक्षरित किये जाएंगे।

मेहमानों के लिए लग्जरी गाड़ियां, दिखेगी अवध संस्कृति की झलक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की होगी प्रस्तुति

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का शुक्रवार को ऐतिहासिक आगाज होगा। लखनऊ में कई मेहमान पहुंच चुके हैं। मेहमानों के स्वागत के लिए यूपी सरकार ने खास तैयारी की है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स सम्मिट के मेहमान शहर के फाइव स्टार होटल में स्टे करेंगे। इसके लिए सभी होटल के कमरे पहले ही बुक किए जा चुके हैं। साथ ही मेहमानों के घूमने के लिए दिल्ली, चंडीगढ़ से जैगुआर, रेंज रोवर जैसी 800 लग्जरी गाड़ियां मंगाई गई हैं। काफिले में कुल 1750 गाड़ियां होंगी। हर दिन मुंबई-बंगलुरु के कलाकार शमां बांधेंगे। कई सारे सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देंगे। 10 फरवरी को पहले दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए मेहमानों को उत्तर प्रदेश की संस्कृति, परंपरागत संगीत और नृत्य के दर्शन कराए जाएंगे। आयोजन स्थल के पास बनी टेंट सिटी में गुरूवार से ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू हो गई है जो 12 फरवरी तक चलेगी। चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट से लेकर मुख्यमंत्री आवास के पास, 1090 चौराहा से लेकर राजधानी के सभी प्रमुख इलाकों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। 10 फरवरी को मुख्य मंच पर शाम 6 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत होगी। कुल 55 मिनट तक चलने वाले इस कार्यक्रम की शुरुआत मुंबई के बांसुरी वादक राकेश चौरसिया करेंगे। समिट से इतर टेंट सिटी में कार्यक्रमों की श्रृंखला 9 फरवरी से ही शुरू हो गई है जो 12 फरवरी तक प्रतिदिन शाम को आयोजित होगी। 9 फरवरी को 45 मिनट के कार्यक्रम में लखनऊ की अलका ठाकुर बांसुरी, नीतीश भारती तबला और जीशान अब्बास सारंगी राग रागेश्वरी कार्यक्रम के अंतर्गत मेहमानों का दिल जीतने की कोशिश करेंगे। प्रयागराज की बीना सिंह लोक नृत्यए लखनऊ की मीशा रतन कथक नृत्य और अयोध्या की सुमिष्ठा मित्रा लोक नृत्य के जरिए रामायण का केवट प्रसंग प्रस्तुत करेंगी। लखनऊ एयरपोर्ट पर मथुरा के गोविंद तिवारी मयूर नृत्य, गाजीपुर के संजय कुमार धोबिया लोक नृत्य, बांदा के रमेश पाल दीवारी, पाईडण्डा लोकनृत्य और झांसी के इमरान खान राई लोक नृत्य अपनी परफॉर्मेंस देंगे। मुख्यमंत्री आवास पर गाजीपुर के सुनील कुमार धोबिया लोकनृत्य और प्रदीप सिंह भदौरिया राई लोक नृत्यद्ध की प्रस्तुति होगी। इसी तरहए वीवीआईपी गेस्ट हाउस पर मथुरा के राजेश शर्मा मयूर नृत्य, अयोध्या के माता प्रसाद वर्मा फरूवाही लोक नृत्य, गार्डन एरिया पर अयोध्या की संगीता आहूजा बधावा लोक नृत्य, मथुरा के राजेश शर्मा मयूर नृत्य और ड्रोन शो एरिया पर अयोध्या के विजय यादव फरुवाही लोक नृत्य और प्रयागराज की पूर्णिमा देहिया लोक नृत्य की प्रस्तुतियां देंगी।

डिफेंस एक्सपो ग्राउंड पर एसडीआरएफ की सुरक्षा

लखनऊ। वृंदावन योजना स्थित डिफेंस एक्सपो ग्राउंड पर एसडीआरएफ की तीन टीमें तैनात हैं। किसी भी तरह की आपदा से निपटने के लिए इन टीमों को अलग अलग स्थानों पर तैनात किया गया है। एसडीआरएफ के अफसरों और जवानों ने अपना मोर्चा संभाल लिया है। इसके अलावा बल का एक शिविर कार्यालय भी ग्राउंड पर संचालित किया जा रहा है। एसडीआरएफकी एक कंपनी डिफेंस एक्सपो ग्राउंड पर तैनात हो चुकी है। इस एक कंपनी में तीन यूनिट हैं। एक यूनिट में 32 अफसर और जवान तैनात हैं। दो यूनिटें समारोह स्थल के बिल्कुल करीब तैनात की गई हैं। एक टीम को दूर तैनात किया गया है। ऐसा किसी भी तरह की प्राकृतिक या कृत्रिम आपदा से निपटने की रणनीति के अन्तर्गत किया गया है। एक कंपनी को स्टैंडबाई मोड पर रखा गया है। यह एसडीआरएफ मुख्यालय में तैनात रहेगी। जैसे ही कोई एलर्ट मिलता है तुरंत रवाना हो जाएगी। एसडीआरएफकी टीमें गन कैमरा, रिमोट ऑपरेटिंग कैमरा समेत कई तरह के आधुनिक उपकरणों से लैस हैं। यहां तैनात जवानों को शिफ्ट के आधार पर बदला जा रहा है ताकि जो भी तैनात हो वह पूरी तरह से मुस्तैद रहे।

रियल स्टेट सेक्टर में एक लाख करोड़ से अधिक का होगा निवेश

लखनऊ। ग्लोबल इंवेस्टर समिट के सहारे यूपी में रियल स्टेट के सेक्टर में बड़ा निवेश होने जा रहा है। इस क्षेत्र में एक लाख 15637.67 करोड़ रुपये का प्रस्ताव आवास विभाग को मिल चुका है। कुल 820 एमओयू होने हैं। इसके अलावा अभी भी आवास विभाग को प्रदेश के कई शहरों में निवेश का प्रस्ताव मिल रहा है। ग्लोबल इंवेस्टर समिट में रियल स्टेट के क्षेत्र में निवेश करने वालों को आमंत्रित किया गया है। प्रदेश के सभी विकास प्राधिकरणों और आवास विकास परिषद द्वारा इसके लिए बिल्डरों के साथ बैठकें की गई और उन्हें योजनाओं के बारे में बताया गया कि ग्लोबल इंवेस्टर समिट के दौरान एमओयू करने वालों को क्या फायदा मिलेगा। इसके आधार पर करार का प्रारूप तैयार किया गया। प्रदेश के सभी बड़े शहरों में रियल स्टेट में निवेश के भारी मात्रा में लगातार प्रस्ताव विकास प्राधिकरणों को मिल रहे हैं। अब तक मिले प्रस्ताव के आधार पर एमओयू किया जा रहा है। बचे हुए करार इन तीन दिनों के अंदर किए जाएंगे। इसके आधार पर बिल्डरों से प्रस्ताव लिया जाएगा। उन्हें बताना होगा कि जमीन का कैसे जुटाव करेंगे और योजना को कब अमली जामा पहनाया जाएगा यानी इन योजनाओं में पंजीकरण कराने वालों को कब तक मकान मिल जाएंगे। विकास प्राधिकरणों द्वारा जरूरत के आधार पर बिल्डरों को सुविधाएं भी दी जाएंगी। जमीनशर्तों के मुताबिक बिल्डरों को करार के आधार पर किसानों से जमीन लेनी होगी। जरूरत के आधार पर लैंड पूलिंग योजना को भी आधार बनाया जाएगा। किसानों को योजनाओं में हिस्सेदारी दी जाएगी। अपने हिस्से की विकसित जमीनों पर किसान अपने हिसाब से उपयोग कर सकेंगे। आवासीय और व्यवसायिक का अलग.अलग इस्तेमाल होगा। विकास प्राधिकरणों को इसे सुनिश्चित कराना होगा कि भू उपयोग के इतर कोई भी निर्माण न होने पाए।

प्रभारी मंत्री ने अफसरों से लिया विकास कार्यों का ब्यौरा

नवीन जिला चिकित्सालय की जमीन चिन्हीकरण पर हुआ मंथन

संवाददाता। सीतापुर

जनपद का प्रभारी मंत्री बनाए जाने के बाद राज्यमंत्री चिकित्सा, शिक्षा, स्वास्थ्य परिवार कल्याण मयंकेश्वर शरण सिंह ने लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन में अधिकारियों के साथ बैठक कर विकास कार्यों की समीक्षा की। जनपद प्रभारी मंत्री गुरूवार को अमृत काल के बजट पर आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि भाग लेने के लिए सीतापुर पहुंचे थे। प्रभारी मंत्री ने विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी से जानकारी ली कि जनपद में ऐसी कितनी सड़के हैं जिनका निर्माण हुए पांच वर्ष पूरे हो गए और अभी तक संबंधित विभाग को अंतरित नहीं की गई है। मंत्री ने यह भी जाना कि ऐसी कितनी सड़कें हैं जिनका टेंडर हुए काफी समय हो गया है, परंतु कार्य अधूरा है। मंत्री ने जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि इन सड़कों की लिस्ट तैयार कर एक सप्ताह में उपलब्ध कराई जाए। मंत्री ने लंबित परियोजनाओं की जानकारी भी ली। विद्युत विभाग की समीक्षा करते हुए मंत्री ने अधिशासी अभियंता विद्युत से पूछा कि विद्युत की आपूर्ति कैसी है, विद्युत बकाया बिल की वसूली, ट्रांसफॉर्मर क्षमतावर्धन, निगरानी समिति आदि की स्थिति कैसी है। विधायक मिश्रिख रामकृष्ण भार्गव ने मंत्री को अवगत कराया कि विद्युत बिल वसूली के नाम पर विद्युत कर्मचारियों द्वारा गलत तरीके से व्यवहार किया जा रहा है। विद्युत कनेक्शन धारकों को बिना सूचित किये कनेक्शन काट दिए जा रहे हैं। गैरकानूनी ढंग से विद्युत विभाग के कर्मचारी घरों में प्रवेश कर रहे हैं। इस समस्या को दूर किया जाय। सेवता विधायक ज्ञान तिवारी ने कहा कि विद्युत बिलों की विसंगतियों को दूर कर बकाया बिलों की वसूली की जाय। गैरकानूनी तरीके से घरों में विद्युत विभाग के कर्मचारियों के प्रवेश पर रोक लगाई जाए। विधायक ज्ञान तिवारी ने अधिशासी अभियंता विद्युत के समक्ष सुझाव रखते हुए कहा कि आज के छः साल पूर्व गांवों में तीन चार कनेक्शन हुआ करते थे जब कि आज प्रत्येक झोपड़ी तक कनेक्शन है, अतः ट्रांसफर क्षमता में वृद्धि की जाय। मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए सीएमओ से पूछा कि जिला अस्पताल में कितने चिकित्सक तैनात हैं, सीएचसी एवं पीएचसी में कितने डॉक्टर तैनात हैं।

जनमानस की समस्याओं का निस्तारण करें सुनिश्चित

संवाददाता। बरेली

जिलाधिकारी शिवाकान्त द्विवेदी की अध्यक्षता में आज समस्त खण्ड विकास अधिकारियों के साथ आईजीआरएस के सम्बन्ध में विकास भवन सभागार में बैठक सम्पन्न हुई। डीएम ने समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिये कि अपने कार्यालय में प्रातः 10.00 बजे से 12.00 बजे अवश्य बैठकर जनमानस की समस्याओं को सुनकर उनका निस्तारण कराना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जनपद बरेली की आईजीआरएस की रैंकिंग 66वें स्थान पर होने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि विकास खण्ड स्तर पर कोई भी शिकायत पेंडिंग में न रखी जाए, समय पर निस्तारण किया जाए, जिससे जनपद बरेली प्रदेश में प्रथम स्थान पर आ सके। उन्होंने खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए कि यदि किसी का फोन आये तो उसे रिसीव अवश्य करें। शिकायतें प्राप्त न हों।

बोर्ड परीक्षा की तैयारियों की गहन समीक्षा

सात जोन व 13 सेक्टर में बांटे गए केंद्र

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

जनपद में बोर्ड परीक्षा 2023 को शुचितापूर्ण वातावरण में नकलविहीन परीक्षा सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से गुरुवार को जिला मुख्यालय पर गुरुनानक इंटर कॉलेज के सभागार में डीएम महेंद्र बहादुर सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी महेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि सभी केंद्र व्यवस्थापक प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों के बैठने, पार्किंग, पेयजल, प्रकाश व शौचालय का इंतजाम करा लिया जाए। जिला प्रशासन बोर्ड परीक्षा को नकलविहीन आयोजित कराने के लिए कटिबद्ध है। किसी भी परीक्षार्थी को मोबाइल अथवा कोई भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस लेकर जाने की अनुमति नहीं होगी। डीएम के साथ ही एसपी गणेश कुमार साहा ने निर्देश दिए कि सभी एसडीएम व सीओ संयुक्त रूप से अपने क्षेत्र में आने वाले परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर स्थिति का जायजा ले लें। सभी केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिया कि सभी केंद्र व्यवस्थापक निर्भीक होकर अपने उत्तरदायित्वों का पालन करें। यदि कोई भी व्यक्ति परीक्षा की शुचिता को प्रभावित करने का प्रयास करेगा तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कहा कि परीक्षा की एसओपी का शत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कीजिए।

बैठक के दौरान डीआईओएस डॉ महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि बोर्ड परीक्षा 2023 के लिए जनपद में कुल 141 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। बोर्ड परीक्षा 16 फ़रवरी से 04 मार्च तक दो पालियों में सम्पन्न होगी। प्रथम पाली प्रातः 08: 00 बजे से पूर्वान्ह 11: 15 बजे तक, द्वितीय पाली अपरान्ह 02: 00 बजे से अपरान्ह 05: 15 बजे तक का समय निर्धारित है। बोर्ड परीक्षा में कुल 106048 परीक्षार्थी शामिल होंगे, जिसमें बालिकाओं की संख्या 46206 है। इण्टरमीडिएट में कुल परीक्षार्थियों की संख्या 50300 है, जिसमें 21774 बालिका तथा हाईस्कूल में कुल परीक्षार्थियों की संख्या 55748 है, जिसमें बालिकाओं की संख्या 24432 है। सभी परीक्षा केंद्रों को 13 सेक्टर व सात जोन में विभाजित किया है। डीएम ने प्रत्येक प्रत्येक सेक्टर व ज़ोन के लिए 01-01 सेक्टर/ज़ोनल मजिस्ट्रेट नामित किये गये हैं। सभी 141 परीक्षा केन्द्रों पर केन्द्र व्यवस्थापकों की नियुक्ति के साथ-साथ शासन के निर्देशानुसार अतिरिक्त केन्द्र व्यवस्थापक तथा स्टैटिक मजिस्ट्रेट भी तैनात किये गये हैं। परीक्षा के दौरान प्रश्न पत्र खुलने से लेकर उत्तर पुस्तिकाएं जमा होने तक की समस्त प्रक्रिया की निगहबानी सीसीटीवी कैमरों द्वारा की जायेगी। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर परीक्षा केन्द्र के मुख्य द्वार व परीक्षा कक्षों में सीसीटीवी कैमरे स्थापित किये जायेंगे। संपूर्ण प्रक्रिया की दो-दो सीडी बनाकर डीआईओएस को उपलब्ध करानी होगी। बैठक के दौरान जोनल, सेक्टर, स्टेटिक मजिस्ट्रेटों, केन्द्र व्यवस्थापक, अतिरिक्त केन्द्र व्यवस्थापकों तथा अन्य सम्बन्धित को परीक्षा से पूर्व, परीक्षा के दौरान व परीक्षा के बाद की समस्त प्रक्रिया व शासन तथा बोर्ड के दिशा-निर्देशों की जानकारी प्रदान की गई। बैठक में एडीएम संजय कुमार सिंहए मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) लखनऊ मंडल लखनऊ श्याम किशोर तिवारी ने बोर्ड परीक्षा के संबंध में कायदे कानून बताते हुए सारगर्भित विचार रखे। इस मौके पर सीओ सिटी संजय सिंहए बीएसए डॉ लक्ष्मीकांत पांडेयए गुरु नानक इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य ईशविंदर सिंह मौजूद रहे।

मजदूरों के बच्चों को मिलेगी निःशुल्क आवासीय शिक्षा

बरेली। उप श्रमायुक्त, बरेली क्षेत्र डॉ दिव्य प्रताप सिंह ने बताया कि उप्र सरकार के कुशल नेतृत्व में उप्र भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में एक वर्ष पूर्व से पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों व अन्य अनाथ बच्चों को कक्षा 06 से कक्षा 12 तक की निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण आवासीय शिक्षा उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से उप्र भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा अटल आवासीय विद्यालय योजना अधिसूचित की गयी है। इस योजना के अन्तर्गत बोर्ड की एक वर्ष सदस्यता पूर्ण कर चुके अद्यतनीकृत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के अधिकतम 02 बच्चे प्रवेश हेतु पात्र होंगे। उन्होंने कहा कि उप्र भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित अटल आवासीय विद्यालय योजना के अन्तर्गत ग्राम अधकटा नजराना, तहसील नवाबगंज, जनपद बरेली में अटल आवासीय विद्यालय निर्माणाधीन है। विद्यालय परिसर में प्रशासनिक भवन, शैक्षणिक भवन, बालक छात्रावास, बालिका छात्रावास, प्रधानाचार्य आवास, शिक्षक आवास, कर्मचारी आवास तथा खेल के मैदान एवं भोजन हेतु मेस की व्यवस्था रहेगी। उन्होंने कहा कि अटल आवासीय विद्यालय नवोदय विद्यालय की तर्ज पर सीबीएसई बोर्ड के मानकों के आधार पर संचालित किया जायेगा। उक्त विद्यालय में कक्षा 06 में 80 बच्चों को प्रवेशित कराते हुए शैक्षणिक सत्र 2023-2024 से शिक्षण कार्य प्रारम्भ कराया जाना है।

योगी पर टिप्पणी करने से पहले विचार करें राहुल

संतकबीरनगर। मेंहदावल विधायक अनिल त्रिपाठी ने बृहस्पतिवार को प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के द्वारा किये गये टिप्पणी की घोर निन्दा की है। श्री त्रिपाठी ने मीडिया के माध्यम से कहा है कि कांग्रेस पार्टी की नाव डूब रही है। जिसको बचाने के लिए कांग्रेस पार्टी को जन्मोजन्म लग जायेगे लेकिन एक संत महात्मा जो प्रदेश ही नही देश की सेवा में लगे रहने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर टिप्पणी कर रहे है जो कि बहुत ही अशोभनीय है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने गढ़ में ही भाजपा की वरिष्ठ नेत्री स्मृति ईरानी से हार गये थे। उसके बावजूद भी कांग्रेस पार्टी का घमण्ड आसमान पर है। मेंहदावल विधायक अनिल त्रिपाठी ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में बोफोर्स घोटाला, टू जी घोटाला, कोयला घोटाला सहित सैकड़ो घोटालो में लिप्त है। देश के प्रधानमंत्री एक-एक घोटालो की जॉच कराकर जनता के समक्ष कांग्रेस का असली चेहरा लायेगे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के सेवा में अहर्निश समर्पित मुख्यमंत्री की कार्यप्रणाली और उत्तर प्रदेश सहित भारत के आम जनमानस में उनकी लोकप्रियता, कर्मठता, ईमानदार और जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर मुखरता कांग्रेस पार्टी को पच नही रही है। श्री त्रिपाठी ने कहा कि हिन्दुत्व विरोधी कांग्रेस पार्टी को अपने गिरेबान में झाकना चाहिए।

रिद्धिमा के स्थापना दिवस पर श्रीराम मूर्ति को किया गया याद

संवाददाता। बरेली

एसआरएमएस रिद्धिमा के दूसरे स्थापना दिवस पर संस्थापक देवमूर्ति जी ने प्रेरणास्रोत स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व मंत्री समाजसेवी श्रीराम मूर्ति जी को याद किया। उन्होंने कहा कि आज उनकी 113वीं जयंती है। संगीत के प्रति बाबूजी के लगाव से प्रेरित होकर दो वर्ष पहले उनकी याद में नृत्य, संगीत, कला, अभिनय को समर्पित इस संस्थान की स्थापना की गई। खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त यह संस्थान भारतीय संगीत और कला को संरक्षित करने में अपना अप्रतिम योगदान दे रहा है।

पिछले वर्ष यहां थिएटर फेस्टिवल इंद्रधनुष के साथ 24 नाटकों का मंचन हुआ। दूसरे स्थापना दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रख्यात कथक नृत्यांगना कमलिनी ने रिद्धिमा से अपने लगाव की बात कही। उन्होंने कहा कि दुनिया के किसी भी देश में वो अपनी परफॉर्मेंस दे रहीं हों, लेकिन उसमें बरेली जितना आनंद नहीं आता। इसकी वजह बरेली अपना शहर होना है। यहां रिद्धिमा जैसा स्तरीय संस्थान है जो भारतीय नृत्य और संगीत के प्रचार- प्रसार के साथ वाद्ययंत्रों को संरक्षित करने में अपना अमूल्य योगदान दे रहा है। इसके लिए संस्थान के संस्थापक देवमूर्ति बधाई के पात्र हैं। कला और संस्कृति के लिए उनका लगाव ही है, जो रिद्धिमा के रूप में साकार हुआ है। यह संस्थान विश्व में अपनी पहचान बनाने में कामयाब होगा. स्थापना दिवस समारोह में आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, श्यामल गुप्ता, डा. रजनी अग्रवाल, सुरेश सुंदरानी, डा. एसबी गुप्ता, डा. आरपी सिंह, एयर मार्शल डा. एमएस भटोला,एयर मार्शल डा. एमएस भटोला, डा.प्रभाकर गुप्ता, डा. सीएम चतुर्वेदी, डा. रीटा शर्मा, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. अनुज कुमार, अजीत सक्सेना, डा. आशीष चौहान सहित शहर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

क्विक न्यूज

ट्रेन की चपेट में आकर युवती की मौत

बरेली। भोजीपुरा थाना क्षेत्र के गांव जटऊआ पट्टी निवासी राजाराम की 18 वर्षीय बेटी पूजा की कल शाम भोजीपुरा रेलवे स्टेशन से लगभग 2 किलोमीटर दूर ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतका के परिजनों ने बताया की पूजा मानसिक रूप से कमजोर थी और कल शाम को बिना बताए घर से बाहर गई थी घर वालों ने उसे तलाशने की कोशिश की लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला कुछ देर बाद ही पुलिस ने उसके घर वालों को सूचना दी कि पूजा की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई है मौके पर पहुंचे घर वालों ने शव की शिनाख्त कर ली पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा मृतका का पिता घर से बाहर रह मजदूरी करता है जबकि मां का नाम द्रोपति देवी है मृतका दो भाई बहन थे।

योगी गिरधारी नाथ के आश्रम में मनाया गया स्थापना दिवस

सीतापुर। सीतापुर शहर की मुख्य मार्गों पर गुरूवार को श्रद्धा भक्ति का अद्भुत संगम दिखा। भक्ति रस में डूबे महिला, पुरूष श्रद्धालुओं ने संगीतमई धुन पर नृत्य कर सभी को भाव विभोर कर दिया। अवसर था स्थापना दिवस का। योगी नरेश नाथ महाराज गोरक्ष पीठाधीश्वर इस्माईलाबाद कुरूक्षेत्र हरियाणा की उपस्थिति में योगी गिरधारी नाथ महाराज के तपोधाम आश्रम शास्त्री नगर सीतापुर का स्थापना दिवस मनाया गया। श्रद्धालुओं द्वारा कलश एवं ध्वज यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा का नेतृत्व मंदिर के सेवादार गुरुप्रीत ने किया। कलश यात्रा आश्रम से प्रारंभ होकर सिद्धार्थनगर, कृष्णा नगर एवं हरदोई चुंगी कैप्टन चौराहे होते हुए पुनः आश्रम पहुंची! यहां हवन पूजन के बाद लंगर का प्रसाद वितरित किया गया। आश्रम संगत सेवादार अरजिंदर अरोड़ा ने बताया कि यह समस्त कार्यक्रम हर वर्ष 9 फरवरी के दिन मनाया जाता है। इस अवसर पर रोशन लाल अरोड़ा, रतनलाल, मंगाराम, अमरजीत, मदनलाल, मनोज श्रीवास्तव, बलराम चड्ढा, रवि चड्ढा, राजेंद्र, हरभजन, राजेंद्र निप्पी, शैलेंद्र प्रताप सिंह, कृष्णा, शिव शंकर, केशव मिश्रा, अरविंद कालरा, मोनू साहनी, जवाहर लांबा, प्रदीप बोरा कैलाश तलवार, हेमंत मौजूद रहे।

रेलवे कर्मचारी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बरेली। रेलवे के एक कर्मचारी ने बीती रात घर में ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है उसकी लाश को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी। सुभाष नगर थाना क्षेत्र की राजीव कॉलोनी निवासी 59 वर्षीय महेंद्र पाल पुत्र श्यामलाल ने बीती रात अपने घर के एक कमरे में छत के कुंडे से साड़ी बांध कर फांसी लगा ली जिला अस्पताल मे मृतक के घर वालों ने बताया कि महेंद्र पाल रेलवे में कुक के पद पर तैनात थे और पिछले कुछ दिनों से वह मानसिक रूप से परेशान चल रहे थे बीती शाम खाना खाने के बाद वह रोजाना की तरह अपने कमरे में चले गए घर वालों ने सोचा कि वह सो गए हैं लेकिन कुछ देर बाद जब घर के लोग कमरे में गए तो उन्होंने महेंद्र पाल सिंह की लाश को फांसी पर लटके देखा घटना के समय घर में मौजूद बेटा कपिल उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल ले गया लेकिन वहां पहुंचते ही डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा मृतक की पत्नी का नाम रेशमा है यह 4 बच्चों का पिता था पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अंतरजनपदीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता का समापन

लखीमपुर खीरी। पुलिस लाइन खीरी परेड ग्राउंड मे आयोजित 3 दिवसीय 10वीं अंतर जनपदीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता.2023 का पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद साहा द्वारा विजेताओं को शील्डए मेडलए प्रशस्ति पत्र व पुरस्कार वितरित करके समापन किया गया तथा सभी प्रतिभागियों की खेल भावना की सराहना करते हुए उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी लाइन, क्षेत्राधिकारी सदर, प्रतिसार निरीक्षक महोदय आदि अधिकारीगण के साथ.साथ दर्शकगण उपस्थित रहे। तीरंदाजी प्रतियोगिता के पुरूष वर्ग की 30 मीटर प्रतिस्पर्धा में आ0 नन्द कुमार मिश्राए कमिश्नरेट लखनऊ 101 अंकों के साथ प्रथम स्थान, आ0 पंकज सिंह, लखनऊ कमिश्नरेट 79 अंकों के साथ द्वितीय स्थान एवं आ0 प्रशांत यादव, जनपद खीरी ने 36 अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया।

पुलिस ने पकड़े तीन चोर, कई चोरियों का हुआ खुलासा

बरेली। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई कई चोरियों का खुलासा करते हुए पुलिस ने आज तीन चोरों को गिरफ्तार कर लिया उनके पास से चोरी किया गया माल व एक पिकअप गाड़ी बरामद की गिरफ्तार बदमाशों को पुलिस ने जेल भेजा। सीबीगंज थाना क्षेत्र आज प्रभारी निरीक्षक थाना सीबीगंज पुलिस व एसओजी एवं सर्विलांस टीम ने आज ग्राम धुन्सा के पंचायत घर के पास से नन्हें उर्फनवी हसन पुत्र अब्दुल समद निवासी ग्राम रूपपुर पेगा थाना, रियासत उर्फ भूरे मुल्ला पुत्र याकूब अहमद, शहबाज पुत्र लईक कुरैशी निवासीगण ग्राम तिलियापुर थाना सीबीगंज, को गिरफ्तार किया।

स्कूल बस में स्मैक के साथ बाप-बेटा गिरफ्तार

संवाददाता। बरेली

फतेहगंज पश्चिमी-स्मैक कारोबार के लिए देश में अपनी पहचान बना चुके इस कस्बे में समय समय पर दूसरे राज्यों की पुलिस छापेमारी करती रहती है । मुखबिर की सूचना पर फतेहगंज पश्चिमी पुलिस ने दो स्मैक तस्करों को 70 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। दोनों तस्कर एक स्कूल की बस से स्मैक लेकर जा रहे थे। पुलिस को सूचना मिलने के बाद हाईवे के मेडिकल कॉलेज के पास दोनों को आधी रात में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को अपने सूत्रों से मिली सूचना के बाद पुलिस ने हाईवे के मेडिकल कॉलेज के पास एक स्कूल की बस से तस्करी करने वाले अनिल कुमार व उसके पुत्र शिवम को गिरफ्तार किया है। यह दोनों बस संख्या यूपी 25 सीटी 8474 से स्मैक की तस्करी कर रहे थे। दोनों तस्कर फतेहगंज पश्चिमी के मोहल्ला ठाकुरद्वारा के ही रहने वाले हैं। पुलिस टीम में एसआई महेशचंद्र व एसआई ब्रहमपाल सिंह व कांस्टेबिल अनुज कुमार व अल्ताफ हुसैन शामिल रहे। इस कस्बे में प्रमुख स्मैक तस्करों के घरों व दुकानों पर बुलडोजर चल चुका है लेकिन स्मैक कारोबार अपनी पुरानी रीति रिवाज से जारी है। एसपी सिटी राहुल भाटी ने बताया थाना फतेहगंज पश्चिमी बरेली पुलिस द्वारा स्कूल बस से स्मैक की तस्करी करने वाले दो अभियुक्तों को कुल 70 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया है। इन अभियुक्तों के खिलाफ जांच कर आगे की कार्रवाई की जा रही।

राज्यमंत्री चिकित्सा ने गिनाईं बजट की खूबियां

80 करोड़ को दिया जा रहा मुफ्त राशन

संवाददाता। सीतापुर

इसे आगामी लोकसभा चुनाव में हर वर्ग को अपने पाले में लाने, लुभाने के लिए भाजपा की रणनीति का हिस्सा माने या कुछ और बहरहाल गुरूवार को अमृत काल बजट संगोष्ठी में इस वर्ष मोदी सरकार द्वारा प्रस्तुत किए गए बजट की खूबियां गिनाई गई। अमृत काल के इस अंतरिम बजट को सर्वव्यापी बताते हुए प्रत्येक वर्ग और समुदाय के लिए उपयोगी बजट बताया गया। सीतापुर शहर के पंजाबी धर्मशाला में आयोजित अमृत काल बजट संगोष्ठी का शुभारंभ मुख्य अतिथि सीतापुर जनपद के प्रभारी और राज्यमंत्री चिकित्सा, शिक्षा, स्वास्थ्य परिवार कल्याण मयंकेश्वर शरण सिंह ने दीप प्रज्जविलत कर किया। मुख्य अतिथि राज्यमंत्री ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार के नेतृत्व में आज जी-20 जैसे देशों का प्रतिनिधित्व करने जा रहे है। उन्होंने बजट में व्यापारियों के लिए प्रदान की गई राहत का उल्लेख करते हुए कहा कि छोटे व्यापारियों को अब टैक्स से भी राहत मिल गई। सरकार ने इस बजट सत्र में 5 लाख से बढ़ाकर 7 लाख रूपए कर दिए है, जिससे छोटे व्यापारी अब कर की सीमा से छूट जाएंगे। राज्यमंत्री ने कहा कि इन्वेस्टर्स समिट में प्रदेश में 21 लाख करोड़ का निवेश होने जा रहा है, जिससे अब प्रदेश की तस्वीर बदल सकती है। साथ ही युवाओं को अब रोजगार के भी नए अवसर प्राप्त होंगे। भाजपा कार्यकर्ताओं और व्यापारियों को संबोधित करते हुए सीतापुर से भाजपा एमएलसी पवन सिंह चौहान ने भी केंद्र सरकार द्वारा इस बार प्रस्तुत किए गए आम बजट की भरपूर सराहना की। अमृत काल बजट संगोष्ठी में सेवता विधायक ज्ञान तिवारी ने भी अपने विचार रखे। विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश प्रदेश लगातार आत्मनिर्भर होकर आगे बढ़ रहा है।

अतिक्रमण हटाने पर बनी सहमति

संवाददाता। मोहम्मदी खीरी

नगर पालिका सभागार मे पुलिस, प्रशासन, नगर पालिका, व्यापार मंडल, प्रेस और अधिवक्ता अध्यक्षों, सभासदों और नगर के संभ्रांत नागरिकों की एक बैठक मोहम्मदी नगर के अतिक्रमण को लेकर हुई, जिसमें सर्वसम्मति से अस्थाई अतिक्रमण हटाने को लेकर सहमत बनी तथा नालों और नालियों पर चबूतरे हटाने की बात सर्वसम्मति से हुई। उप जिलाधिकारी पंकज श्रीवास्तव ने कहा कि 11 फरवरी से अस्पताल रोड पर इसकी शुरुआत कराई जाएगी , जो लगातार चलती रहेगी और इसमें किसी के साथ कोई पक्षपात पूर्ण कार्रवाई नहीं होगी। जिन लोगों ने अतिक्रमण किया है वे स्वयं हटा लें। नगर पालिका के माध्यम से प्रचार के साथ-साथ चूना डलवाकर चिन्ही करण भी कराया जाएगा। बैठक में पुलिस उपाधीक्षक अरविंद कुमार वर्मा , तहसीलदार संतोष शुक्ला, ब्लॉक प्रमुख महेंद्र कुमार बाजपेइ, अधिशासी अधिकारी गुंजन गुप्ता, प्रभारी निरीक्षक अंबर सिंह, कस्बा इंचार्ज दीपक राठौर, बार संघ के अध्यक्ष गोविंद खरे, विवेक शुक्ला, प्रेस के अध्यक्ष मोहम्मद अब्बास नकवी, शिवम राठौर, व्यापार मंडल अध्यक्ष रूपेश गुप्ता, अतुल रस्तोगी, मौलाना असजद सिद्दीकी, पूर्व चेयरमैन मोहम्मद मोवीन खां, पी आर ओ शिवनंदन रस्तोगी, भाजपा नगर महामंत्री रवि शुक्ला, सुशील वर्मा , विनोद तिवारी एवं सभासद गण सहित अन्य जिम्मेदार मौजूद रहे।

पेज एक का शेष

जितना कीचड़...

विपक्ष में बैठे हैं, उन्होंने तो राज्यों के अधिकारों की धज्जियां उड़ा दी थीं। उन्होंने कहा, इतिहास उठाकर देख लीजिए, वह कौन पार्टी थी, कौन सत्ता में थे जिन्होंने अनुच्छेद 356 का सबसे ज्यादा दुरुपयोग किया। 90 बार चुनी हुई सरकारों को गिरा दिया। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस को विज्ञान और तकनीक विरोधी बताया और कहा कि इन्हें देश की चिंता नहीं है, बल्कि अपनी राजनीतिक उठा-पटक की चिंता है। उन्होंने कहा, जिनको रोजगार और नौकरी का फर्क नहीं मालूम है, वो उन्हें उपदेश दे रहे हैं। नई-नई धारणाएं गढ़ने के लिए आधी-अधूरी चीजों से झूठ फैलाने का प्रयास हो रहा है। बीते नौ सालों में अर्थव्यवस्था का विस्तार हुआ है और नए क्षेत्रों में रोजगार की नई संभावनाएं बनी है। मोदी के जवाब के बाद भाकपा सदस्य पी संदोष कुमार, कांग्रेस की जेबी माथेर हिशाम, द्रमुक सदस्य तिरुचि शिवा, कनिमोई, एनवीएन सोमू, माकपा के विनय विश्वम, राजद सदस्य मनोज कुमार झा सहित कुछ अन्य विपक्षी सदस्यों द्वारा लाए गए संशोधनों को ध्वनिमत से खारिज कर दिया गया। इसके बाद सदन ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए, धन्यवाद प्रस्ताव को ध्वनिमत से मंजूरी दे दी गई। लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए, धन्यवाद प्रस्ताव को कल मंजूरी दी गई थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 31 जनवरी को बजट सत्र की शुरूआत होने पर, लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित किया था।

अफगानिस्तान में...

किया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि आईएसआईएल-के ने खुद को तालिबान के प्राथमिक प्रतिद्वंद्वी के रूप में स्थापित किया और वह कथित रूप से यह दिखाना चाहता है कि तालिबान देश में सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आईएसआईएल-के विभिन्न राजनयिक मिशन को निशाना बनाकर तालिबान और क्षेत्र के सदस्य देशों के बीच संबंधों को कमजोर करना चाहता है। वहीं, आतंकी समूह ने अफगानिस्तान में चीन, भारत और ईरान के दूतावासों पर आतंकवादी हमले की भी धमकी दी थी। भारत ने अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद मिशन से अपने अधिकारियों को वापस बुला लिया था। इसके 10 महीने बाद पिछले साल जून में भारत ने काबुल के दूतावास में एक तकनीकी दल भेजा था। इस रिपोर्ट में आतंकवादी मकसद के लिए नई और उभरती प्रौद्योगिकियों के उपयोग का मुकाबला करने के संबंध में पिछले साल भारत में हुई संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद विरोधी समिति की एक विशेष बैठक में दिल्ली घोषणा पत्र का जिक्र किया गया है।

पुतिन से...

रहे हैं जो वास्तविक तौर पर आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए असल में जरूरी है। पुतिन ने कहा कि ज़ाहिर तौर पर देश के हालात सुधार नहीं रहे हैं और हम यह देख रहे हैं। मानवीय स्थिति बदतर हो रही है। डोभाल ने बैठक में कहा कि किसी भी देश को आतंकवाद तथा कट्टरपंथ फैलाने के लिए अफगानिस्तान की सरजमीं का इस्तेमाल करने नहीं दिया जाना चाहिए और भारत अफगानिस्तान के लोगों को जरूरत के वक्त कभी अकेला नहीं छोड़ेगा। बैठक में रूस और भारत के अलावा, ईरान, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, चीन, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने सोमवार को कहा था कि रूस, भारत के साथ अपने संबंधों में और विविधता लाना चाहता है। एनएसए की यात्रा से करीब तीन महीने पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर रूस गए थे। इस दौरान दोनों पक्षों ने अपने आर्थिक संबंधों को विस्तार देने का संकल्प लिया था जिसमें भारत द्वारा रूस से पेट्रोलियम उत्पादों का आयात भी शामिल है। डोभाल जी-20 के विदेश मंत्रियों की दिल्ली में कुछ हफ्तों बाद होने वाली बैठक से पहले रूस गए हैं। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव एक और दो मार्च होने वाली बैठक में हिस्सा लेने के लिए भारत आ सकते हैं।

खाली प्लेट...

वाले युवक की पहचान किराड़ी के प्रेम नगर निवासी संदीप ठाकुर के रूप में हुई है। वह समारोह में कैटरिंग स्टाफ का कर्मचारी था। छानबीन में पता चला है कि जब मारपीट हुई, उस समय मौके पर चार लोग मौजूद थे। इनमें से दो को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। इस संबंध में भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और धारा 34 (आम इरादा) के तहत मामला दर्ज किया गया है। टेंट हाउस के सुपरवाइजर राजकुमार ने बताया कि देर रात को जब समारोह लगभग खत्म हो चुका था तो डीजे के लेबर टेंट हाउस के पीछे खाना खाने के लिए गए थे। उसे समय संदीप ठाकुर प्लेट साफ कर रहा था। डीजे वाले ने संदीप से प्लेट मांगी, संदीप ने प्लेट देने से इनकार कर दिया, जिसके बाद डीजे वाले लेबर ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी और इसी दौरान प्लास्टिक की खाली क्रेट संदीप के सिर पर दे मारी।

वैश्विक निवेशक...

तीन में अपॉर्चुनिटी फूड प्रोसेसिंग लिवरेजिंग फूड बॉस्केट ऑफइंडिया विषयक सत्र होगा जिसके मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस होंगे। वशिष्ठ हॉल 4 में डेनमार्क पार्टनर कंट्री सेशन होगा। मुख्य अतिथि डेनमार्क के मंत्री अपनी बात रखेंगे। वाल्मीकि मेन हॉल 6.30 से रात्रि 8 बजे तक एनआरआई अवॉर्ड व सांस्कृतिक सांझ का आयोजन होगा। इस सत्र में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहेंगे। समिट के दूसरे दिन 11 फरवरी को सुबह 10 से 11.15 बजे तक व्यास हॉल 1 नीदरलैंड पार्टनर कंट्री सेशन होगा। इसमें उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य रहेंगे। दधीचि हॉल 2 में जापान पार्टनर कंट्री सेशन होगा। इस सत्र में प्रदेश सरकार के संस्कृति व पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह अपनी बात रखेंगे। भारद्वाज हॉल 3 में यूएई पार्टनर कंट्री सेशन होगा। जिसमें एमएसएमई मंत्री राकेश सचान बतौर अतिथि रहेंग। वशिष्ठ हॉल 4 में अफ़रमेटिव एक्शन पॉलिसिज फ़ॉर इनक्लूजिव ग्रोथ विषय पर सत्र होगा। इसमें मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार मौजूद रहेंगे। दोपहर 11.45 से 1 बजे तक व्यास हॉल 1 में यूपी इज ओपन फॉर बिजनेस प्रोवाइडिंग न्यू अपॉर्चुनिटी फॉर एमएसएमई एंड को ऑपरेटिव्स पर सत्र होगा। इसके मुख्य अतिथि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह विचार रखेंगे। इस सत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी रहेंगे। दक्षीचि हॉल 2 में हैंडलूम एंड टेक्सटाइल्स सेशन वीविंग इंडियाज ग्रोथ स्टोरी पर सत्र होगा। इसमें प्रदेश सरकार के मंत्री राकेश सचान रहेंगे। भारद्वाज हॉल 3 में हेल्थ केयर द इन्वेस्टर लेंस पोस्ट कोविड सीनारियो पर सत्र आयोजित किया जाएगा। इसमें केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया रहेंगे। दोपहर 2 से अपराह्न 3.15 तक व्यास हॉल 1 में आईटी आईटीज एंड डाटा सेंटर्स इन उत्तर प्रदेश सर्विंग द वर्ल्ड पर संगोष्ठी होगी। इसमें केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर रहेंगे। दक्षीचि हॉल 2 में फॉर्मास्टुकल एंड बायोटेक्नोलॉजी स्टेथेनिंग द ईको सिस्टम इन उत्तर प्रदेश विषय पर चर्चा होगी। इसमें केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल अपनी बात रखेंगे। भारद्वाज हॉल 3 में पार्टनर कंट्री सेशन ऑस्ट्रेलिया पर सत्र होगा। इसमें प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह रहेंगे। अपराह्न 3.45 से शाम 5 बजे तक व्यास हॉल 1 में उत्तर प्रदेश गियरिंग फॉर स्टार्टअप रिव्यूलिशन द नेक्स्ट बिग अपॉर्चुयनिटी इन यूपी पर सत्र होगा। इसमें भी केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर मौजूद रहेंगे। दक्षीचि हॉल 2 में अनब्लॉकिंग अपॉर्चुनिटी इन डेयरी एंड एनिमल हैसबेंडरी सेक्टर पर चर्चा होगा। इसमें केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रुपाला श्रोताओं से मुखातिब होंगे। भारद्वाज हॉल 3 में सिविल एविएशन इन उत्तर प्रदेश द इमर्जिंग अपॉर्चुनिटी विषयक सत्र होगा। इसमें केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया मौजूद रहेंगे। समिट के समापन 12 फरवरी को सुबह 10 से 11.15 तक व्यास हॉल में यूपी द इमर्जिंग वेयर हाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स हब ऑफइंडिया में केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल व सोम प्रकाश मौजूद रहेंगे। दधीचि हॉल में यूके पार्टनर कंट्री सेशन होगा। इसमें प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना रहेंगे। भारद्वाज हॉल में यूपी ऑपर्च्युनिटीज इन एक्साइज एंड शुगर इंडस्ट्री विषयक चर्चा होगी। इसमें केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल रहेंगे। वशिष्ठ हॉल में सेशन ऑन ई मोबिलिटी, व्हीकल एंड फ्यूटर मोबिलिटी पर संगोष्ठी होगी। इसमें केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी अपने विचार साझा करेंगे। व्यास हॉल में रिइमेजनिंग सिटिज एज ग्रोथ सेंटर फॉर न्यू उत्तर प्रदेश सत्र में केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी रहेंगे। भारद्वाज हॉल में डिकोडिंग द इनवेस्टमेंट पोटेंशियल ऑफ द सपोर्ट सेक्टर इन उत्तर प्रदेश एंड इट्स रोल इन द वन ट्रिलियन इकॉनमी सत्र होगा। इसमें मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर होंगे।

ग्रामोदय महोत्सव में बौद्धिक, ललितकला व सांस्कृतिक स्पर्धाओं का हुआ आयोजन

संवाददाता। चित्रकूट

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय परिसर में चल रहे ग्रामोदय महोत्सव के दूसरे दिन जैविक विज्ञान संगोष्ठी के तकनीकी सत्रों सहित खेलकूद , ललित कला, बौद्धिक एवं सांस्कृतिक स्पर्धाएं संपन्न हुईं। सतत विकास के लक्ष्यों के परिपेक्ष्य में जैविक विज्ञान के आयामों पर आयोजित दो दिवस राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र में संगोष्ठी के सह चेयरमैन डॉक्टर रविंद्र सिंह ने 9 तकनीकी सत्रों में प्रस्तुत शोध पत्र व विशेषज्ञ व्याख्यानों का प्रतिवेदन पढ़ा। कुलपति प्रोफेसर भरत मिश्रा ने समापन सत्र की सत्र अध्यक्षता की। डॉ उलरिच बर्क ,जर्मनी मुख्य अतिथि रहे। आयोजन सचिव प्रोफेसर रमेश चंद्र त्रिपाठी ने स्वागत उदबोधन व धन्यवाद ज्ञापन डॉ एस पी यस चौहान और संचालन डॉक्टर वंदना पाठक ने किया । इस अवसर पर आयोजन में उल्लेखनीय योगदान करने वाले प्राध्यापकों को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। विवेकानंद सभागार, खेल प्रांगण, हिंदी भवन ,ललित कला भवन में संपन्न दूसरे दिन डॉ राम मूर्ति त्रिपाठी के संयोजन में निबंध लेखन प्रतियोगिता में 45 और भाषण प्रतियोगिता में 12 छात्रों ने भाग लिया। आयोजित भाषण प्रतियोगिता संपन्न हुई जिसमें सुरम 45 एवं 12 छात्रों के प्रतिभाग किया। डॉ प्रसन्न पाटकर के संयोजन में रंगोली,कोलाज, पोस्टर, कार्टून स्पर्द्धा हुई। डॉक्टर विवेक फड़नीस एवं डॉक्टर आर के पांडे के संयुक्त संयोजन एकल गायन, समूह गायन, समूह नृत्य, एकल नृत्य की प्रतियोगिता हुई, जिसमें क्रमशः 32, 25, 10, 20 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। डॉक्टर विनोद कुमार सिंह के नेतृत्व में क्रिकेट, बैडमिंटन, एथलेटिक्स, टेबल टेनिस टेबल, योगासन की प्रतियोगिता सम्पन्न हुई।

नून नदी में अवैध खनन की शिकायत पर एसडीएम ने मारा छापा

संवाददाता। कालपी, जालौन

कालपी तहसील क्षेत्र के ग्राम पिपरौंधा मैं नून नदी पर हो रहे अवैध खनन की शिकायत पर उपजिलाधिकारी आईएएस अभिषेक कुमार मौके पर पहुंचे और उन्होंने मौके पर खनन करते हुए एक जेसीबी और दो ट्रैक्टर पकड़े भी परंतु फिर उन्हें पुलिस के सुपुर्द कर कार्रवाई के निर्देश दिए। मौके पर उनके साथ कालपी तहसीलदार सुशील कुमार सिंह व कालपी कोतवाली एसआई दिलीप वर्मा मय हमराहियों के पहुंचे थे। हालांकि 4 घंटे बाद जब इस बाबत एसआई से बात की गई तो उन्होंने कहा कि तहसीलदार साहब आ रहे हैं बाद में तय होगा कि क्या कार्रवाई की जानी है! आपको बताते चलें कि रोज की तरह जनता की समस्याओं का निस्तारण कर रहे उपजिलाधिकारी कालपी आईएएस अभिषेक कुमार आज अचानक उठे और तहसीलदार सुशील कुमार सिंह को लेकर उनका वाहन फर्राटे मारते हुए निकल गया। लोग संशय में ही बने रहे उधर थोड़ी देर बाद जब वे लौटे तो मालूम चला कि महेवा विकास खंड के ग्राम पिपरौंदा में नून नदी में अवैध खनन पर छापा पड़ गया और एक जेसीबी और दो ट्रैक्टर भी पकड़कर पुलिस को सौंप दिए गए हैं जिनके विरुद्ध कार्रवाई की जानी तय मानी जा रही है। पूर्व में जब कुमार ने यहां कालपी का चार्ज लिया तब लोकेशन वासियों का इस कदर जाल फैला था कि अधिकारी का वाहन निकलते ही लोगों को सूचना दे दी जाती थी। परंतु ज्वाइंट मजिस्ट्रेट की कारगर रणनीति के आगे माफियाओं की सोच भी फीकी होती जा रही है चाहे ओवरलोड हो या अवैध बालू खनन दिनोंदिन माफियाओं के चेहरे डाउन होते जा रहे हैं।

समर्पण शौर्य दिवस पर वितरित किये गये प्रमाणपत्र

संवाददाता। कानपुर देहात

महोत्सव कार्यक्रम के आयोजन की श्रृंखलाओं में समर्पण शौर्य दिवस के रूप में मनाया गया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिग्रेडियर रवि जी, पत्नी श्रीमती मिताली एवं पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में पत्रकार बन्धु, सैनिक कल्याण, पुलिस विभाग के कार्यक्रम आयोजित किये गये। कार्यक्रम में भूत पूर्व सैनिकों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों आदि को प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर विभिन्न विद्यालयों के बच्चों व सांस्कृतिक दलों के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, देश भक्ति गीत आदि की प्रस्तुति की गयी, जिसका मुख्य आकर्षण मिलेट्री का पाइप बैंड रहा, जिनके द्वारा मुख्य अतिथियों का स्वागत किया गया। इसके उपरांत शास्त्रीय संगीत में पारंगत सुश्री इशिका व उनके दल के सदस्य अलका द्विवेदी, कुलक्षेत्र मिश्रा व सनी राव द्वारा गणेश वंदना व सरस्वती वंदना से उपस्थित आगंतुकों का स्वागत किया। तदोपरान्त सेना से जुड़े तथ्यों का रूपांतरण कर एक फ़िल्म के माध्यम से सेना के बहुमूल्य योगदान को प्रदर्शित किया एवं तथा वीरगाथा की प्रत्यक्ष उदाहरण वीर नारियों के सम्मान में भी अपना वक्तव्य जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल राजेश गुप्ता की पत्नी द्वारा रखा गया कि किस प्रकार एक मां, पत्नी व बहन बलिदान देती है। जिसके पश्चात पुलिस कार्मिकों द्वारा देश भक्ति के गाने पर डांस प्रदर्शित किया गया व पुलिस लाइन के बच्चों द्वारा अद्वितीय प्रदर्शन डांस के माध्यम से किया गया व प्राथमिक विद्यालय गलुआपुर के छात्र छात्राओं द्वारा पीटी का प्रदर्शन कर स्वस्थ्य रहने का संदेश दिया गया, जिसके पश्चात मीडिया के प्रतिष्ठित गणमान्य द्वारा सभी के समक्ष अपना मंतव्य रखा गया। कार्यक्रम की श्रृंखला में छात्रवृत्ति स्वीकृति प्रमाण पत्र का वितरण समाज कल्याण विभाग द्वारा वृद्ध आश्रम में निवासरत वृद्धजन को सम्मानित किया गया।

वितरकों के वाहनों का चालान होने पर एसपी से मिले व्यापारी

संवाददाता। फतेहपुर

वितरकों के वाहनों का अनावश्यक चालान किए जाने पर गुरूवार को व्यापारियों ने पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह से मुलाकात कर समस्या से अवगत कराया। जिस पर एसपी ने टीआई से वार्ता कर व्यापारियों को आश्वासन दिया कि उनका उत्पीड़न नहीं होने दिया जायेगा। तत्पश्चात व्यापारियों ने नवागंतुक एएसपी से मुलाकात कर उनको शुभकामनाएं दी। व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष रवि प्रकाश दुबे की अगुवाई में व्यापारी वितरक पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे। जहां एसपी को एक ज्ञापन सौंपकर बताया कि इन दिनों यातायात उपनिरीक्षक वितरकों के वाहनों का अनावश्यक तरीके से फोटो खींचकर चालान कर रहे हैं। जिससे वितरकों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वितरकों के वाहनों के सभी कागजात भी पूर्ण हैं इसके बावजूद चालान किए जा रहे हैं। समस्या सुनने के बाद एसपी ने टीआई से वार्ता कर कहा कि वितरकों के वाहनों का अनावश्यक चालान न किया जाये। जो वाहन यातायात नियमों का उल्लंघन करें उनका चालान काटें। एसपी ने व्यापारियों को आश्वासन दिया कि उनका उत्पीड़न नहीं किया जायेगा।

अण्डर 14 नेशनल हॉकी टीम में बालिकाओं को किया सम्मानित

शिवगढ़,रायबरेली। अण्डर 14 नेशनल हॉकी टीम में शामिल बालिकाओं को श्री बरखण्डी विद्यापीठ इण्टर कॉलेज शिवगढ़ के प्रबंधक एवं शिवगढ़ ब्लाक प्रमुख कुंवर हनुमन्त प्रताप सिंह, प्रधानाचार्य राजकुमार गुप्ता व हॉकी की नेशनल खिलाड़ी रही जिला पंचायत सदस्य अंजली पासी ने संयुक्त रूप से श्री बरखण्डी विद्यापीठ की ओर से सम्मानित करते हुए बालिकाओं का उत्साह वर्धन किया। इसके साथ ही विद्यालय के प्रबंधक कुंवर हनुमन्त प्रताप सिंह ने बालिकाओं को विद्यापीठ की ओर से ग्रेफाइट हॉकी देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि बालिकाएं ये क्षेत्र का गौरव है, जो क्षेत्र का नाम रोशन कर रही हैं। विद्यालय के प्रबंधक और प्रधानाचार्य ने बालिकाओं को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी है। गौरतलब हो कि कम्पोजिट विद्यालय कुम्हरावां के इंचार्ज प्रधानाध्यापक एवं एमआईएस हॉकी कोच रमेश कुमार सहगल जो विद्यालय में शिक्षण कार्य करने के साथ ही करीब डेढ़ दशक पूर्व से प्रतिदिन विद्यालय में छुट्टी के बाद बालक,बालिकाओं एवं युवाओं को हॉकी सिखाकर हॉकी की फुलवारी तैयार कर रहे हैं। जिनके प्रयास से क्षेत्र के निधानखेड़ा की रिमझिम, माधव खेड़ा की कोमल शुक्ला, निधान खेड़ा की मीना, राजा बाजार की महेक सोनकर, निधान खेड़ा की अनुष्का का अण्डर 14 नेशनल हॉकी टीम के लिए चयन हुआ है।

स्कूल का निरीक्षण कर प्रभारी मंत्री नरेंद्र कश्यप ने बच्चों की प्रतिभा को सराहा

संवाददाता। चित्रकूट

सूबे के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के राज्यमंत्री नरेन्द्र कश्यप ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय शिवरामपुर का औचक निरीक्षण कर वहां बने भोजन को चेक किया। आंगनबाडी केन्द्र में रवि व ज्योति का अन्नप्राशन कर सरोज व सविता को पोषाहार बांटा। गुरुवार को राज्यमंत्री नरेन्द्र कश्यप ने कस्तूरबा गांधी विद्यालय का निरीक्षण किया। विद्यालय के बच्चों ने पिरामिड बनाकर मंत्री का स्वागत किया। उन्होंने छात्रावास, कामन हाल, टायलेट, रसोई घर, खाद्यान्न स्टोर देखकर कहा कि छात्रावास में छात्राओं के कमरों की साफ-सफाई कराकर मेन्यू के हिसाब से भोजन दिया जाये। राज्यमंत्री व जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने रसोई घर में बने दलिया को चखकर देखा। वार्डेन प्रभारी कविता मिश्रा से नास्ता के बारे में जानकारी लेकर छात्रावास के रजिस्टर में स्टाफकी मौजूदगी देखी। बच्चों से भोजन व रास्ते के बारे में जानकारी लेकर सराहना की।

राज्यमंत्री ने आंगनबाड़ी केन्द्र शिवरामपुर का निरीक्षण कर रवि व ज्योति को अन्नप्राशन व सरोज व सविता को पोषाहार बांटा। बच्चों को केले बांटे। प्रभारी मंत्री ने इंग्लिश मीडियम स्कूल सोनारन पुरवा का भी निरीक्षण किया। बच्चों की पढाई के बारे में भी जानकारी ली। कक्षाध्यापक से पूंछा कि परीक्षायें कब होगी। प्रभारी मंत्री ने गणित के सवाल बच्चों से हल कराये। सही हल बताने पर मंत्री ने बच्चों की सराहना की। प्रभारी मंत्री ने जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया। विभिन्न विभाग देखे। इस मौके पर विश्वविद्यालय के प्रो योगेशचन्द्र दुबे, मानिकपुर विधायक अविनाशचन्द्र द्विवेदी, भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्रप्रकाश खरे, जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द, सीडीओ अमृतपाल कौर, उपनिदेशक दिव्यांगजन बांदा राजबहादुर सिंह, जिला दिव्यांग अधिकारी प्रतिभा पाल, जिला महामंत्री आलोक पाण्डेय, रविप्रकाश त्रिपाठी, रामेन्द्र गौतम, हरीओम करवरिया आदि मौजूद रहे।

क्विक न्यूज

जालौन तहसील को मिले तीन नये नायब तहसीलदार

जालौन, उरई। आम जनता के कार्य समय से हो सकें और शासकीय योजनाओं में देरी न हो। इसके लिए तहसील में तीन नायब तहसीलदारों की नियुक्ति की गई है। इसके बावजूद तहसील में नियुक्त तहसीलदार समय से अपने कार्यालयों में नहीं बैठ रहे हैं। फरियादियों की शिकायत पर एसडीएम ने नायब तहसीलदारों को समय से अपने कार्यालयों में बैठने के निर्देश दिए हैं। पूर्व में तहसील कार्यालय में नायब तहसीदारों की नियुक्ति न होने से लोगों को अपने कार्य कराने में परेशानी हो रही थी। जनता की समस्याओं के समय से निस्तारण के लिए एवं शासकीय योजनाओं का समय से क्रियान्वयन हो सके इसके लिए तहसील में 3ःनायब तहसीलदारों की नियुक्ति कर दी गई है। नियुक्त मिलने के बाद तीनों नायब तहसीलदारों को क्षेत्र भी आवंटित कर दिए गए हैं। सादुल्लाह खान को हदरूख, मुकेश कुमार को कुठौंद और गौरव कुमार को जालौन का चार्ज दिया गया है। क्षेत्रों के आवंटन के साथ ही कार्यालय भी आवंटन कर दिए गए। कक्ष निर्धारित होने के बाद भी नायाब तहसीलदार अपने कक्षों में नहीं बैठ रहे हैं और कार्यालय में ताले लटकते रहते हैं। नायब तहसीलदारों के अपने कार्यालयों से गायब रहने और कार्यालय में ताला लटकने की मिल रही शिकायतों पर एसडीएम सना अख्तर ने नायब तहसीलदारों को नियमित कार्यालय में बैठने एवं शासन की मंशा के अनुरूप जनता की समस्याओं को सुनने और उनके निस्तारण करने के निर्देश दिए।

रोडवेज कलर में रंगी निजी डग्गामार बस का हुआ चालान

कायमगंज, फर्रुखाबाद। गत शाम समय लगभग 8 बजे रोडवेज परिवहन निगम के कलर में रंगी हुई एक डग्गामार निजी बस जाती हुई पुलिस क्षेत्राधिकारी कायमगंज सोहराब आलम ने देखी । उन्होंने तुरंत इस बस को चेक करने का आदेश कोतवाली पुलिस को दिया। सवारियां बैठाए हुए गाड़ी कायमगंज ट्रांसपोर्ट चौराहा पर आकर खड़ी हो गई । उसी समय उप निरीक्षक हरि ओम प्रकाश त्रिपाठी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने वहां जाते ही डग्गामार बस को रोककर चालक से बस से संबंधित कागजात तलब किए। बस संख्या यूपी 82 टी 2883 का चालक अंकित कुमार निवासी अचलपुर थाना बागवाला जनपद एटा कोई भी कागज नहीं दिखा सका। सवारियों ने बताया कि उन्हें रोडवेज बस बताकर दिगी ले जाने का झांसा देकर गाड़ी में बैठा लिया गया था। पुलिस ने बस में बैठी सवारियों के नाम पते तथा मोबाइल नंबर आवश्यकता के लिए नोट कर लिए तथा बस को अपनी अभिरक्षा में लेते हुए चालक को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद पुलिस ने चालक व मालिक के विरुद्ध आईपीसी की धारा 420 तथा संबंधित द्वारा कागजात उपलब्ध न कराए जाने पर एमबी एक्ट की धारा 207 के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए बस को सीज कर दिया गया।

किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू ने सौंपा ज्ञापन

चित्रकूट। भारतीय किसान यूनियन जिलाध्यक्ष राम सिंह राही की अध्यक्षता में ब्लॉक परिसर पहाड़ी में किसान पंचायत सम्पन हुई। जिसके बाद किसानों की समस्याओं को लेकर खण्ड विकास अधिकारी को पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया। बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष जसवंत सिंह चौहान ने बताया कि दर्जनों गांवों में लालमुंह वाले बन्दरों का आतंक इस कदर व्यप्त हैं कि गांवो में छोटे छोटे बच्चों को सहित महिलाओं पर हमला करते है। किसानों की फसलों को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। तहसील अध्यक्ष राजकिशोर सिंह ने बताया कि दर्जनों गांवों में बनरोज़ो का आतंक हैं। झुण्ड के साथ भारी संख्या में बनरोज किसानों की फसलें चौपट कर रही हैं। तिरहार के किसानों ने चिल्लीमल पम्प कैनाल के दोनों पम्प चलाने की मांग की है। जिससे सिंचाई के लिए समय से भरपूर पानी मिल सके। सरधुआं फीडर से संचालित गांवो में लो-बोल्टेज बिजली से ट्यूबेल नही चल पा रहे हैं। उपाध्यक्ष रमेश सिंह फौजी ने कहा कि सरकार की गौपालकों को काऊ शेड की योजना चल रही हैं लेकिन जो किसानों गाये पाले हुए हैं उनको योजनाओं से दूर रखा जाता हैं। पात्र किसानों को योजना का लाभ नही मिल पा रहा है।

युवक का हत्यायुक्त शव मिलने से सनसनी

फतेहपुर। कानपुर-प्रयागराज हाईवे से डेढ़ किमी अंदर लिंक रोड पर बुधवार देर रात एक युवक की सिर कूचकर हत्या कर शव सड़क किनारे फेंक दिया। शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। देर रात सड़क से गुजर रहे भाजपा नेता ने पुलिस को शव पड़े होने की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मृतक के शिनाख्त के प्रयास में जुटी हुई है। युवक की पहचान नही हो सकी। जानकारी के अनुसार औंग थाना क्षेत्र के थानपुर गांव निवासी सत्यम सिंह कानपुर दक्षिण के भाजपा युवा मोर्चा के मंत्री हैं। बताया जा रहा है कि वह एक शादी समारोह से शामिल होकर देर रात घर लौट रहे थे। जैसे ही हाईवे से लिंक मार्ग में लगभग डेढ़ किलोमीटर की दूरी तय की तो एक युवक का रक्तरंजित शव पड़ा दिखाई दिया। यह देख इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। इस पर थाना पुलिस प्रभारी व सीओ मौके पर पहुंचे। घटना स्थल का मौका मुआयना के दौरान शव से कुछ दूरी पर मृतक का गमछा व चप्पल पड़ी मिली। पुलिस ने आस-पास गांव के लोगों से युवक की पहचान कराने की प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। मृतक के सिर और चेहरा कुचला हुआ है। शव दशा देखकर भारी वस्तु से प्रहार कर हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है।

जिलाधिकारी ने कर-.करेत्तर और राजस्व वसूली की गहन समीक्षा की

अमेठी। जिलाधिकारी राकेश कुमार मिश्र की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में कर.करेत्तरए राजस्व वसूली एवं राजस्व कार्यो की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने विद्युत देयए खननए आबकारीए परिवहन विभागए नगर निकायए स्टाम्प ड्यूटीए बाट.मापए जी0एस0टी0ए आईजीआरएस सहित अन्य विभागों के राजस्व वसूली की समीक्षा किया तथा कम वसूली वाले विभाग को सुधार लाने के निर्देश दिये। जीएसटी की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी ने जीएसटी वसूली में तेजी लाने एवं लक्ष्य की पूर्ति हेतु निर्देशित किया। स्टाम्प वसूली की समीक्षा में जिलाधिकारी ने स्टाम्प की कमी की सम्बन्धित निर्गत आर0सी0 की वसूली कराये जाने एवं लक्ष्य की शत् प्रतिशत पूर्ति हेतु एआईजी स्टाम्प को निर्देशित किया। तहसीलवार आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाये तथा शिकायतकर्ता को भी इससे अवगत कराया जाये। शिकायतकर्ताओं द्वारा फीड बैक दिये जाने पर उन बिन्दुओं का त्वरित निस्तारण किया जाये। उन्होने सभी उपजिलाधिकारियोंध्तहसीलदारों को निर्देशित किया कि सार्वजनिक स्थलों जैसे तालाबोंए चारागाहोंए चकरोडों आदि पर जो भी अवैध कब्जे किये गये उनको चिन्हित कर अभियान चलाकर अवैध कब्जेदारों को बेदखल किया जाये।

डीएम के निरीक्षण में अनुपस्थित टीचरों व शिक्षा मित्रों का वेतन रोकने के निर्देश

संवाददाता। फर्रुखाबाद

जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह ने प्राथमिक विद्यालय गौटिया,पूर्व माध्यमिक विद्यालय गौटिया, प्राथमिक विद्यालय उदयपुर कंचनपुर , प्रा. विद्यालय कंचनपुर, प्रा0 विद्यालय अम्बरपुर विकास खण्ड राजेपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रा0 वि0 कंचनपुर में प्रधानाध्यापक आशतोषए प्रा0 विद्यालय उदयपुर में श्रीमती विनीता चौहान, शिक्षा मित्र रूबी मिश्रा, प्रा0 वि0 अम्बरपुर में शिक्षा मित्र ममता और संध्या बिना अनुमति के अनुपस्थित पाये गये। जिलाधिकारी ने अनुपस्थित कर्मचारियों का अग्रिम आदेश तक वेतन रोकने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्रा0 वि0 कंचनपुर में 59 छात्रों के सापेक्ष केवल 15 एवं प्राथमिक विद्यालय उदयपुर में 127 छात्रों के सापेक्ष 34 छात्र ही मौके पर उपस्थित पाये गये। छात्रों की कम उपस्थित देख जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की। देखा गया गया कि प्रा. वि. कंचनपुर,प्रा. वि. उदयपुर में छात्रों की पढ़ाई एवं उपस्थित पर प्रधानाध्यापक एवं अन्य शिक्षकों द्वारा कोई रूचिध्ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जिसके कारण ब%चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इस पर जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

आय, जाति, निवास प्रमाण पत्रों में लेखपाल समय से नहीं लगाते आख्या

जालौन, उरई। ग्रामीण आय जाति व निवास प्रमाण पत्र बनवाने के लिए ऑनलाइन आवेदन कर रहे हैं। आनलाइन आवेदनों में औरेखी के लेखपाल रिपोर्ट लगाने में देरी करते हैं। रिपोर्ट न लगने के कारण ग्रामीण प्रमाण पत्र बनवाने के लिए परेशान हो रहे हैं। ग्रामीणों ने लेखपाल की शिकायत तहसीलदार से की है। विकास खंड के ग्राम औरेखी निवासी रामबेटी, सुखू, रघुवीर, यशोदा, उर्मिला, अनमोल, अनिल आदि ने तहसीलदार बलराम गुप्ता से शिकायत करते हुए बताया कि उनके गांव में तैनात राजस्व लेखपाल आय, जाति व निवास प्रमाणपत्र पर रिपोर्ट लगाने में देरी करते हैं। उन्होंने उक्त प्रमाणपत्रों के लिए ऑनलाइन आवेदन कर रखा है। आवेदन करने के बाद भी लेखपाल द्वारा 15 से 20 दिन में रिपोर्ट नहीं लगाई जाती है। रिपोर्ट न लगने के कारण निर्धारित समय में प्रमाण पत्र नहीं मिल पा रहे हैं। ग्रामीण सुमित पुत्र ज्ञान सिंह ने बताया कि उनके पिता पुलिस बल में काम करते हैं। उन्हें जाति प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी। इसके लिए उन्होंने 1 फरवरी को आवेदन किया और लेखपाल बता भी दिया था। इसके बाद भी उन्होंने 1 सप्ताह से ज्यादा का समय बीतने के बाद रिपोर्ट नहीं लगाई जिससे उनका काम प्रभावित हो गया है। ग्रामीणों की शिकायत पर तहसीलदार बलराम गुप्ता ने लेखपाल विश्वजीत को फटकार लगाते हुए समय से रिपोर्ट लगाने के निर्देश दिए हैं।

सफल विवेचना के चलते जेल जाने से बचे निर्दोष

संवाददाता। फतेहपुर

किशनपुर थाना क्षेत्र के कछरा गांव के जंगल में चार दिन पूर्व युवक की गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले में परिजनों की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा पंजीकृत किया गया था। विवेचना के दौरान पुलिस को ज्ञात हुआ कि युवक ने आत्महत्या की थी। साक्ष्यों के अभाव में नामित आरोपियों की नामजदगी गलत करते हुए मुकदमा में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। किशनपुर थाना प्रभारी निरीक्षक जय प्रकाश शाही ने बताया कि पांच फरवरी को थाने में सूचना प्राप्त हुई कि कछरा गांव निवासी जयचंद्र पुत्र स्व. रामलाल की गांव के बाहर जंगल में गोली मारकर हत्या कर दी गई है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर गोरेलाल उर्फ जुगेंद्र पुत्र संतलाल, उमेश पुत्र संतलाल, सौरभ पुत्र संतलाल व मुकेश पुत्र मूलचंद्र निवासीगण ग्राम कछरा के विरूद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज किया था। इलेक्ट्रानिक व वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन के साथ-साथ वादी फूलचंद्र एवं कछरा के स्वतंत्र गवाह व अन्य साक्षी के साक्ष्य से पाया गया कि मृतक जयचंद्र व्यक्तिगत कारणों से तनाव में था। जिसके चलते उसने अवैध तमंचे से स्वयं को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना में प्रयुक्त तमंचा व खोखा कारतूस एवं मृतक का मोबाइल घटनास्थल के पास से नौ फरवरी को बरामद किया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक जयचंद्र नामित अभियुक्त की बहन से बात करता था। मृतक ने रंजना देवी को 18 अगस्त 2022 को घर से लेकर कहीं चला गया था। इस संबंध में रंजना के पिता संतलाल ने थाने पर मृतक एवं सहयोगी अन्य दो के विरुद्ध मुकदमा भी दर्ज कराया था। जिस पर थाने से विधिक कार्रवाई करते हुए मृतक जयचंद्र को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। मृतक के भाई फूलचंद्र ने पूर्व में लिखाये गये मुकदमे की रंजिश के कारण इन चारों को आरोपी बना दिया था।

संघर्ष जितना बड़ा होगा सफलता भी उतनी बड़ी होगी: न्यायमूर्ति

अधिवक्ता परिषद उच्च न्यायालय इकाई की ओर से विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में संगोष्ठी आयोजित

प्रयागराज। अधिवक्ता परिषद उच्च न्यायालय इकाई द्वारा स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में बृहस्पतिवार को युवा अधिवक्ता दिवस संगोष्ठी का आयोजन एडवोकेट एसोसिएशन उच्च न्यायालय के सभागार में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे न्यायमूर्ति सौरभश्याम शमशेरी ने स्वामी विवेकानंद के जीवन एवं जीवन प्रसंगों पर चर्चा की। विवेकानंद केकथन को उदृत किया। कहा कि संघर्ष जितना बड़ा होगा सफलता उतनी ही शानदार होगी।न्यायमूर्ति ने स्वामी विवेकानंद के व्यक्तित्व कृतित्व एवं उनके जीवन पर आधारित साहित्य को आज की पीढ़ी का मार्गदर्शक बताया। उन्होंने अधिवक्ताओं को एक समय में एक ही कार्य पूर्ण समर्पण एवं निष्ठा से करने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हरिकेश सिंह ने युवाओं को शॉर्टकट न अपनाने की सलाह दी। सभा में स्वामी अक्षयानंद राजकुमारी डॉ राजेश्वर त्रिपाठी नीरज सिंह मनोज वशिष्ठ विजय प्रकाश मिश्रा प्रभूति कांत संदीप सिंह योगेश सिंह रित्विक शुक्ला आदि मौजूद रहे।

रामनगर में मंडल कार्यसमिति की बैठक आज:वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी की मंडल की कार्यसमिति की बैठक शुक्रवार को पूर्वाह्न 10 बजे श्री राम अकेडमी रामपुर में आहूत की गई है। कार्यक्रम दो सत्रों में होगा। पहले सत्र में भाजपा प्रदेश के उपाध्यक्ष एवं एमएलसी लक्ष्मण आचार्य एवं दूसरे सत्र में कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव होगें।

प्राथमिक उपचार के बारे में दिया टिप्स

चहनियांध्चन्दौली । मारूफ्पुर स्थित आदर्श मां गायत्री बाल विद्या मंदिर जूनियर हाईस्कूल में प्रशिक्षु फार्मासिस्ट सागर विश्वास ने दो दिवसीय व्याख्यान के तहत छात्र छात्राओं को प्राथमिक उपचार से संबंधित टिप्स दिये। इस दौरान छात्र छात्राओं से हर्ट डायग्राम बनवा कर उसके कार्यों व संरक्षण पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रशिक्षु फार्मासिस्ट सागर विश्वास ने विद्यालय के छात्र छात्राओं के बीच दो दिवसीय व्याख्यान पाठशाला आयोजित करके उन्हें हृदयाघातए प्वाजनिंगए सड़क दुर्घटनाए आग से संबंधित घटनाओं में घायल होनेए अचानक चोट लग जानेए बुखार आने आदि के बाद प्राथमिक उपचार करने के विधियों को बारीकियों से बताया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मानव जीवन अनमोल है। मानव जीवन की सुरक्षा के लिए शत प्रतिशत प्रयास करना हम सबकी जिम्मेदारी है। छात्र छात्राओं ने चार्ट पेपर पर हृदय की वाह्य और आन्तरिक संरचना बनाकर प्रदर्शनी लगाया। जिसमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके प्रथम स्थान प्राप्त रागिनी यादवए द्वितीय स्थान प्राप्त सौम्या यादवए तृतीय स्थान प्राप्त ओम यादव को नकद पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया ।

मशीन लर्निंग और एम्बेडड सिस्टम पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में विज्ञान एवं तकनीकी विभागए भारत सरकार द्वारा स्वीकृत शोध परियोजना के अन्तर्गत भौतिकी एवं इलेक्ट्रानिक्स विभाग में नेशनल यूनिर्वसिटीए मलेशिया के द्वय शिक्षाविद्व वैज्ञानिकों का भ्रमण हुआ। इसमें उन लोगों ने विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल से शिष्टाचार मुलाकात की। नेशनल यूनिर्वसिटीए मलेशिया और अवध विश्वविद्यालय के मध्य निरन्तर शोध सहयोग की चर्चा एवं एमओयू पर सहमति बनी।

विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में इलेक्ट्रानिक्स के क्षेत्र में आधुनिकतम शोध विषय पर मशीन लर्निंग एवं एम्बेडड सिस्टम पर दोनों प्रोफेसर्स के विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें नेशनल यूनिर्वसिटी के प्रो0 रियाज ने मशीन लर्निंग के उपयोग डाइबिटीज के क्षेत्र में मशीन लर्निंग का प्रयोग करके उनके द्वारा विकसित मशीन और किए जा रहे शोध के बारे में छात्रों को विस्तृत जानकारी प्रदान की। प्रो0 रियाज ने बताया कि उनके द्वारा विकसित मशीन लर्निंग आधारित उपकरण की विशेषता यह है कि बिना ब्लड सैंम्पल लिए डाइबिटीज के स्तर का सटीक विश्लेषण किया जा सकता है। इसी क्रम में द्वितीय सत्र के व्याख्यान में डॉ0 शावाल ने एम्बडेड सिस्टम का उपयोग मोबाइल एप एवं इलेक्ट्रानिक उपयोगी उपकरणों के निर्माण के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी साझा की। डॉ0 शावाल ने बताया कि बायोमेडिकल के क्षेत्र में एम्बेडेड सिस्टम की सहायता से अपने शोध के अन्तर्गत विकसित किए गए मोबाइल एप का प्रदर्शन किया। उनके द्वारा विकसित एक स्मार्ट बैंड व मोबाइल की सहायता से मरीज घर बैठे विदेश के डाक्टर से चिकित्सकीय सलाह प्राप्त कर सकता है। कार्यक्रम में भौतिकी एवं इलेक्ट्रानिक्स विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. अनुपम श्रीवास्तव द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। धन्यवाद ज्ञापन विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. चयन कुमार मिश्र द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो. आरके तिवारी, प्रो. एसएस मिश्र, प्रो. एसएन शुक्ला, प्रो. नीलम पाठक, प्रो. गंगा राम मिश्र, प्रो. तुहिना वर्मा, डॉ. पीके द्विवेदी, डॉ. वंदना रंजन, डॉ. अभिषेक कुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं छात्र.छात्राएं उपस्थित रहे।

किसान यूनियन का धरना जारी:टाण्डा अम्बेडकर नगर। विद्युत पोल हटाने की मांग को लेकर किसान यूनियन द्वारा सूरापुर जमालापुर में धरना चल रहा है।उक्त सम्बन्ध में भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष विनय कुमार वर्मा ने बताया कि हमारे किसान सदस्य अविनाश चौधरी पुत्र राम सहाय की 817 मिलजुमला जमीन मौजूद है जिसके विधिवत बंटवारा हो चुका है।जिसमे विकास चौधरी जो अपने हिस्से की जमीन पर पेट्रोल पंप लगाने हेतु एंन ओ सी ले चुके हैं और अविनाश चौधरी की जमीन अलग है जो दीवाल से घिरी है।

भूकंप से मरने वालों की संख्या 19,300 से अधिक हुई

भाषा। अंकारा

तुर्किए और सीरिया में आए विनाशकारी भूकंप से प्रभावित क्षेत्र में ढहे घरों के मलबे से और शव निकाले जाने के बाद मरने वालों की संख्या बढ़कर 19,300 से अधिक हो गई है। तुर्किए और सीरिया में आए भूकंप के तीन दिन बाद बेघर हो चुके हजारों लोग एक शिविर के पास एकत्र हो गए और कड़ाके की ठंड में भोजन और पानी के लिए चिल्लाने लगे। इस बीच, राहतकर्मी मलबे के ढेर में दबी जिंदगी तलाशने में जुटे रहे तथा हादसे में जीवित बचे कई और लोगों को आज निकाल लिया गया।

तुर्किए के अंताक्या शहर में बड़ी संख्या में लोग बच्चों के कोट और अन्य सामान बांट रहे एक ट्रक के आगे मदद के लिए दौड़ पड़े। समाचार एजेंसी आईएचए ने बताया कि अंताक्या शहर में रात भर काम करने वाले आपातकालीन कर्मचारियों ने एक इमारत के खंडहर से हेजल गनेर नाम की एक लड़की को बचाया तथा लड़की के पिता सोनेर गनेर को भी बचा लिया गया। जैसे ही सोनेर को एम्बुलेंस में ले जाया जाने लगा, बचाव दल ने उन्हें बताया कि उनकी बेटी जीवित है और वे उसे इलाज के लिए उसी फील्ड अस्पताल में ले जा रहे हैं। अपनी बेहद कमजोर आवाज में सोनेर ने बचावदल के कर्मियों से कहा, मैं आप सभी से प्यार करता हूं। डीएचए समाचार एजेंसी ने बताया कि अंताक्या के पूर्व में स्थित दियारबाकिर में बचाव दल ने एक घायल महिला को सुबह एक ढही हुई इमारत से जीवित निकाल लिया। महिला के बगल में तीन लोग हालांकि मलबे में मृत पाए गए। इस बीच, भूकंप के बाद से विद्रोहियों के कब्जे वाले उत्तर-पश्चिमी सीरिया में बृहस्पतिवार की सुबह संयुक्त राष्ट्र का एक सहायता ट्रक तुर्किए से पहुंचा। भूकंप से जान-माल को हुए नुकसान के बीच लाखों लोग बेघर भी हो गए हैं। अंताक्या में सेरप अर्सलान नाम की एक महिला रोते हुए उस इमारत के मलबे को देख रही थी जिसके नीचे उसकी मां और भाई दबे हुए हैं। सेरप ने कहा कि यहां भारी मलबे को हटाने के लिए तंत्र ने बुधवार से काम शुरू किया है। सरकार की प्रतिक्रिया के बेहद धीमी होने को लेकर आलोचनाओं के बीच राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन का बृहस्पतिवार को भूकंप प्रभावित प्रांत गाजियांतेप, ओस्मानिया और किलिस का दौरा करने का कार्यक्रम है। एर्दोआन ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनके देश में मरने वालों की संख्या 16,100 से अधिक हो गई है जबकि 64,000 से अधिक घायल हुए हैं। सीरिया में 3,100 से अधिक लोगों के मारे जाने और पांच हजार से अधिक लोगों के घायल होने की सूचना मिली है। बचावकर्मियों ने क्षतिग्रस्त घरों के मलबों में जीवित बचे लोगों की तलाश जारी रखी है। तुर्किए की आपदा प्रबंधन एजेंसी ने कहा कि।,10,000 से अधिक बचावकर्मी अब अभियान में हिस्सा ले रहे हैं।

विनाशकारी भूकंप के चौथे दिन राहत सामग्री लेकर सीरिया पहुंचे ट्रक

बाब अल-हावा। विनाशकारी भूकंप के चौथे दिन बृहस्पतिवार को राहत सामग्री से लदे ट्रकों ने तुर्किए के रास्ते सीरिया में प्रवेश किया। भूकंप से प्रभावित सीरिया के उत्तर-पश्चिम प्रांत में छह ट्रकों से दवाइयां, कंबल, तंबू और अन्य राहत सामग्री भेजी गई है। यह प्रांत विद्रोहियों के नियंत्रण में है। वहीं, सीरिया में गृह युद्ध के चलते तुर्किए चले गए उन सीरियाई शरणार्थियों के शव भी तुर्किए-सीरिया सीमा की बाब अल-हावा चौकी के रास्ते स्वदेश वापस भेजे गए, जिनकी सोमवार को आए 7.8 तीव्रता के भूकंप के कारण हुई तबाही में मौत हो गई।संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक समझौते के तहत, बाब अल-हावा एकमात्र चौकी है, जिसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा तुर्किए से प्रांत तक सहायता पहुंचाने के लिए उपयोग करने की अनुमति है।

इंडोनेशिया में 5.1 तीव्रता का भूकंप, चार की मौत

भाषा। जकार्ता

इंडोनेशिया के पूर्वी प्रांत पापुआ में बृहस्पतिवार को आए 5.1 तीव्रता के भूकंप में चार लोगों की मौत हो गई। वे एक तैरते रेस्तरां पर थे जो समुद्र में गिर गया और वे उससे बाहर नहीं निकल सके। अमेरिकी भूभर्गीय सर्वेक्षण ने कहा कि भूकंप की तीव्रता 5.1 थी जो पापुआ के उत्तरी तट के पास जयापुरा के आवासीय इलाके में आया। उसके मुताबिक, इसका केंद्र 22 किलोमीटर की गहराई में था। इस तरह के भूकंप पृथ्वी की सतह पर अक्सर अधिक नुकसान पहुंचाते हैं। पापुआ की राजधानी जयापुरा की निवासी टी आसीह ने कहा, लोग दहशत में आ गए थे। मैं कार में थी और मुझे महसूस हुआ कि कार के पहिए उठ गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप की वजह से तैरता रेस्तरां समुद्र में गिर गया जिस वजह से उसपर मौजूद चार लोगों की मौत हो गई। राष्ट्रीय आपदा शमन एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहारी ने पत्रकार वार्ता में कहा, चारों शव निकाल लिए गए हैं। पीड़ति कैफे के मलबे में फंस गए थे और उनपर छत गिर पड़ी थी। गोताखोर रेस्तरां के आसपास के हिस्से की तलाशी लेकर यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं वहां और कोई तो नहीं था।

केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन श्रीलंका की चार दिवसीय यात्रा पर जाफना पहुंचे

भाषा। कोलंबो

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री एल मुरुगन श्रीलंका की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर बृहस्पतिवार को जाफना पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि मुरुगन इस दौरान राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और देश के अन्य शीर्ष नेताओं से मिलेंगे। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री भारत सरकार के अनुदान से निर्मित जाफना सांस्कृतिक केंद्र को श्रीलंका के लोगों को समर्पित करेंगे। इस केंद्र का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्च 2015 में किया था। भारतीय उच्चायोग के अनुसार, जाफना पहुंचने पर केन्द्रीय मंत्री का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। उन्होंने जाफना सार्वजनिक पुस्तकालय के भारतीय खंड में डॉक्टर ए. पी.जे. अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि भी दी। उच्चायोग ने बताया कि मुरुगन ने गवर्नर जीवन थियागराज से मुलाकात की और भारत द्वारा जाफना तथा क्षेत्र को विकास साझेदारी में दिए जाने वाले महत्व के रेखांकित किया। बयान के अनुसार, केन्द्रीय मंत्री ने इस पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पड़ोसी प्रथम की नीति के तहत भारत भविष्य में भी सहयोग करना जारी रखेगा। उच्चायोग ने ट्वीट किया, श्रीलंका के लोगों के प्रति भारत की प्रतिबद्धताओं का प्रदर्शन। केन्द्रीय मंत्री मुरुगन ने जाफना में 250 जरूरतमंद परिवारों को सूखा राशन दिया। सरकारी बयान के अनुसार, केन्द्रीय मंत्री नौ से 12 फरवरी तक इस यात्रा के दौरान ऐसे विभिन्न स्थलों का दौरा करेंगे जो श्रीलंका में भारत सरकार की जन-केंद्रित विकास साझेदारी के पैमाने और सीमा को रेखांकित करते हैं।

पाकिस्तानी मंत्री ने पेट्रोल की जमाखोरी के खिलाफ आगाह किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पेट्रोलियम राज्य मंत्री मुसादिक मलिक ने बुधवार को देश मे पेट्रोलियम आपूर्तिकर्ताओं को किसी भी तरह की कृत्रिम कमी पैदा करने के लिए जमाखोरी करने के खिलाफ आगाह किया। पत्रकारों से बातचीत मे मलिक ने कहा कि सरकार उन लोगो पर कड़ी कार्वाई करेगी जो प्राधिकारियों के सख्त निर्देशो के बावजूद पेट्रोल की जमाखोरी का प्रयास करेंगे।

रूस में आवासीय इमारत में आग लगने से पांच लोगों की मौत

मॉस्को। दक्षिण-मध्य रूस के नोवोसिबिर्स्क शहर मे बृहस्पतिवार सुबह एक आवासीय इमारत मे हुए गैस विस्फोट के कारण लगी आग की चपेट मे आकर दो साल के बच्चे सहित कम से कम पांच लोगो की मौत हो गई। प्रांतीय गृह विभाग ने यह जानकारी दी। गवर्नर एंड्रे ट्रावनिकोव ने कहा कि घटना मे घायल नौ लोगो को अस्पताल मे भर्ती कराया गया है, जिनमे से दो की हालत गंभीर है। अधिकारियो ने कहा कि सुबह सात बजकर 43 मिनट पर हुए विस्फोट के समय इमारत मे मौजूद रहे दो बच्चो सहित दस लोगो के बारे मे कोई जानकारी नही मिल सकी है। उन्होने बताया कि विस्फोट के कारण पांच मंजिला इमारत के दो प्रवेश द्वार ढह गए, जिसके चलते लगी आग से 30 फ्लैट क्षतिग्रस्त हो गए। इस संबंध मे मामला दर्ज किया गया है और प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि गैस रिसाव के कारण यह घटना हुई।

बरजख का होगा विदेश में होगा प्रीमियर

मुंबई। फिल्मकार असीम अब्बासी की अगली सीरीज बरज़ख का जल्द ही इंटरनेशनल प्रीमियर होगा। इसमें ऐक्टर फवाद खान जिन्होंने अपने बेमिसाल परफॉर्मेंस से अपने देश और दुनिया भर के दर्शकों का दिल जीता है, लीड भूमिका हैं। शैलजा केजरीवाल और वकास हस्सन द्वारा निर्मित इस शो का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और यह मार्च 2023 में आयोजित होने वाली सीरीज मानिया फेस्टिवल में अपना स्वर्ण प्रीमियर करेगी। फवाद एक सिंगल पैरेंट का किरदार निभाते नजर आयेंगे, जो चार्मिंग तो है, लेकिन उसने जो खोया है,उसके लिये अपराधबोध से ग्रस्त है। सनम इस शो में प्रमुख महिला पात्र को निभा रही हैं, जो रहस्यमय और करुणामय हैं। बरज़ख दक्षिण एशिया एक एकमात्र ऐसा शो है जिसे मार्च में फ्रांस में आयोजित होने वाले फेस्टिवल में दिखाने के लिये चुना गया है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने यूरोपीय संसद को संबोधित किया

● ईयू की सदस्यता का आग्रह किया

भाषा। ब्रसेल्स

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बृहस्पतिवार को यूरोपीय संसद को संबोधित करते हुए आग्रह किया कि यूक्रेन को यूरोपीय संघ का सदस्य बनाया जाना चाहिए। जेलेंस्की ने तर्क दिया कि उनके देश को शामिल किए बिना यूरोपीय संघ संपूर्ण नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि दुनिया में सबसे बड़ी यूरोप-विरोधी ताकत रूस के खिलाफ यूक्रेन और यूरोपीय संघ (ईयू) मिलकर लड़ रहे हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, जीत की ओर बढ़ रहा यूक्रेन यूरोपीय संघ का सदस्य बनने जा रहा है। इस दौरान, यूक्रेनी राष्ट्रपति ने रूस के साथ युद्ध में मजबूती के लिए और अधिक सैन्य सहायता एवं हथियार आपूर्ति की भी मांग की। जेलेंस्की के संबोधन के दौरान और बाद में यूरोपीय सांसदों ने खड़े होकर तालियां बजाईं। जेलेंस्की ने अपने संबोधन के बाद यूरोपीय संघ का झंडा उठाया और यूक्रेन का राष्ट्रगान बजाया गया। उन्होंने कहा, जब तक हम एकजुट हैं, तब तक हम अपने यूरोप और यूरोपीय जीवनशैली का ख्याल रखते हैं, तब तक यूरोप है और हमेशा रहेगा। जेलेंस्की ने कहा कि रूस यूरोपीय जीवनशैली को नष्ट करना चाहता है, लेकिन हम इसकी अनुमति नहीं देंगे। उनके संबोधन से पहले, यूरोपीय संसद की अध्यक्ष रॉबर्ट मेत्सोला ने कहा कि सहयोगियों को यूक्रेन के लिए अगले कदम के रूप में तत्काल लंबी दूरी की मिसाइल और लड़ाकू जेट प्रदान करने पर विचार करना चाहिए। बाद में, राष्ट्रपति जेलेंस्की बृहस्पतिवार को यूक्रेन लौट गए। वहीं, यूरोपीय संघ के देशों ने जेलेंस्की को रूस के साथ जारी युद्ध में मजबूती के लिए और अधिक सैन्य सहायता देने का आश्वासन दिया। इससे पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति को फ्रांस के सर्वोच्च सम्मान पदक से भी नवाजा गया। जेलेंस्की बृहस्पतिवार को ब्रसेल्स स्थित यूरोपीय संसद पहुंचे। 27 सदस्य देशों वाले यूरोपीय संघ ने राष्ट्रपति जेलेंस्की को रूस के साथ जारी युद्ध में मजबूती के साथ अपना समर्थन जारी रखने का आश्वासन दिया। गौरतलब है कि रूस ने पिछले साल 24 फरवरी को यूक्रेन के खिलाफ सैन्य कार्वाई की शुरुआत की थी। ईयू के मसौदा निष्कर्ष में कहा गया, यूरोपीय संघ यूक्रेन के साथ तब तक खड़ा रहेगा, जब तक उसे जरूरत है। जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज ने कहा कि ईयू जेलेंस्की को एकता और एकजुटता का संकेत भेजेगा तथा यह (ईयू) दिखा सकता है कि हम यूक्रेन की स्वतंत्रता और अखंडता की रक्षा के लिए अपना समर्थन तब तक जारी रखेंगे जब तक इसकी जरूरत है। इस बीच, जेलेंस्की ने यूरोपीय संसद को संबोधित करते हुए दावा किया कि उनके देश को गोपनीय जानकारी मिली है कि रूसी खुफिया एजेंसी मोल्दोवा को तबाह करने की साजिश रच रही है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस की इस साजिश के बारे में उन्होंने मोल्दोवा की राष्ट्रपति माइआ सैंडु को अवगत कराया है। उन्होंने कहा, मैंने उन्हें सूचित किया है कि हमें मोल्दोवा को तबाह करने संबंधी रूस की खुफिया साजिश का पता चला है। जेलेंस्की ने कहा कि दस्तावेजों से पता चलता है कि कौन, कब और कैसे मोल्दोवा पर नियंत्रण करने की साजिश रच रहा है।

इमरान का दावा, टीटीपी मेरी हत्या की योजना बना रहा, प्रतिबंधित संगठन ने इसे खारिज किया

भाषा। पेशावर

प्रतिबंधित संगठन पाकिस्तानी तालिबान ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के इस दावे को खारिज किया है कि संगठन के दक्षिण वजीरिस्तान प्रांत के सदस्य उनकी हत्या की योजना बना रहे हैं। तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) (पाकिस्तानी तालिबान) ने इसपर जोर दिया है कि उसकी लड़ाई पाकिस्तान के सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों के खिलाफ है और वह किसी राजनेता के खिलाफ नहीं है। टीटीपी ने बुधवार को एक बयान जारी करके कहा, हमें सूचना मिली है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के प्रमुख ने पार्टी के प्रांतीय प्रवक्ताओं के साथ एक बैठक में दावा किया है कि टीटीपी उनकी हत्या की योजना बना रही है और इसे अंजाम देने की जिम्मेदारी दक्षिण वजीरिस्तान के लोगों को दी गई है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के प्रवक्ताओं के साथ बैठक में 70 वर्षीय खान ने कहा कि उन्हें हटाने (हत्या करने) की साजिश की जा रही है और दक्षिण वजीरिस्तान के दो लोगों को उनकी हत्या का जिम्मा सौंपा गया है।

ऑस्ट्रेलियाई रक्षा विभाग चीन निर्मित कैमरे हटाएगा

भाषा। कैनबरा

अमेरिकी हवाई क्षेत्र में चीनी जासूसी गुब्बारा मिलने के कारण चीन के निगरानी कार्यक्रम को लेकर उठ रहे सवालों के बीच ऑस्ट्रेलिया सरकार ने अपने रक्षा विभाग की इमारतों से चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़ी कंपनियों द्वारा निर्मित निगरानी कैमरे हटाने का फैसला किया है। ऑस्ट्रेलिया के इस फैसले से पहले अमेरिका और ब्रिटेन भी यह कदम उठा चुके हैं।

द ऑस्ट्रेलियन समाचार पत्र ने बृहस्पतिवार को बताया कि चीनी कंपनियों हिकविजन और दहुआ द्वारा विकसित और निर्मित कम से कम 913 कैमरे, इंटरकॉम, इलेक्ट्रॉनिक प्रवेश प्रणालियां और वीडियो रिकॉर्डर रक्षा विभाग और व्यापार एवं विदेश मामलों के विभाग सहित ऑस्ट्रेलिया सरकार और एजेंसी के कार्यालयों में हैं। हिकविजन और दहुआ पर चीन की कम्युनिस्ट पार्टी शासित सरकार का आंशिक मालिकाना हक है। अमेरिका सरकार ने नवंबर में कई चीनी ब्रांड के दूरसंचार एवं वीडियो सतर्कता उपकरणों पर प्रतिबंध लगा दिया था। ब्रिटेन की सरकार ने भी नवंबर में हिकविजन द्वारा निर्मित सुरक्षा कैमरों को प्रतिबंधित कर दिया।

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी कई देशों के साथ-साथ अपनो की ही विरोधी इकाई बनी : कृष्णमूर्ति

भाषा। वाशिंगटन

भारतीय-अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने बुधवार को कहा कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी कई देशों के साथ-साथ अपने ही लोगों के लिए एक विरोधी इकाई बन गई है।

उन्होंने कहा कि चीन री कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) को यह स्पष्ट करना एक चुनौती है कि उसका बार-बार अंतरराष्ट्रीय कानून और दूसरों की संप्रभुता का उल्लंघन अस्वीकार्य है।

अमेरिकी हवाई क्षेत्र में चीन के एक कथित जासूसी गुब्बारे के प्रवेश करने के बाद कृष्णमूर्ति ने यह बयान दिया। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बुधवार को कहा था कि चीन ने केवल अमेरिका ही नहीं, बल्कि पांच महाद्वीपों के कई देशों की संप्रभुता का उल्लंघन किया है।

गुब्बारा 30 जनवरी को मोंटाना में अमेरिकी हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद कई दिनों तक महाद्वीपीय अमेरिका के ऊपर उड़ता रहा था। अमेरिकी सेना ने अमेरिका के संवेदनशील प्रतिष्ठानों के ऊपर मंडरा रहे चीनी निगरानी गुब्बारे को गिरा दिया था। चीन ने दावा किया है कि यह मौसम विज्ञान अनुसंधान के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला गुब्बारा था, लेकिन उसने यह बताने से इनकार कर दिया कि यह किस सरकारी विभाग या कंपनी का था।

कृष्णमूर्ति (49) ने चीन पर सदन की नवगठित समिति की पहली बैठक के बाद पीटीआई-भाषा से कहा, हम इसे बर्दाशत नहीं कर सकते। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम (सीपीपी को) स्पष्ट संदेश दें और साथ ही आक्रामकता को रोकें।

राजा कृष्णमूर्ति को हाल ही चीन पर सदन की समिति का रैंकिंग सदस्य बनाया गया है। इसका गठन प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष केविन मैक्कार्थी द्वारा 118वीं कांग्रेस (संसद) में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा अमेरिका के समक्ष पेश की जाने वाली - आर्थिक, प्रौद्योगिकी और सुरक्षा- चुनौतियों का सामना करने और उनसे निपटने के तरीकों पर विचार करने के लिए किया गया है। यह पहली बार है कि किसी भारतीय-अमेरिकी को रैंकिंग सदस्य या समिति का अध्यक्ष, सदन या सीनेट में स्थाई समिति या प्रवर समिति का सदस्य बनाया गया है। उन्होंने कहा, मैं इस विशेष पद को पाकर बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। कृष्णमूर्ति ने कहा, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) कई देशों के साथ-साथ अपने लोगों के लिए भी एक विरोधी इकाई बन गई है। वह अपने ही लोगों के लिए भी इस हद विरोधी बन गई है कि लगातार मानवाधिकारों का उल्लंघन कर रही है और असंतोष को दबाने की कोशिश कर रही है। समिति की बुधवार को यहां पहली बैठक के दौरान हाउस चाइना कमेटी के सदस्यों ने एक-दूसरे को जाना और आगे की रणनीतिक की रूपरेखा तैयार की। कृष्णमूर्ति ने कहा कि उन्हें लगता है कि समिति अपने मकसद को पूरा कर पाएगी।

अफगानिस्तान में बड़ी संख्या में महिला, बच्चे अफवाह के बाद काबुल हवाई अड्डे पहुंचे

भाषा। इस्लामाबाद

तुर्किए भूकंप पीड़ितों की मदद के लिए उड़ानें रवाना होने की अफवाह फैलने के बाद सैंकड़ों की संख्या में अफगान महिलाएं और बच्चे अफगानिस्तान की राजधानी काबुल स्थित हवाईअड्डे पहुंच गए।

बुधवार को सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो और तस्वीरों में सैकड़ों लोग अंधेरे और ठंड में हवाईअड्डे की तरफ पैदल जाते नजर आ रहे हैं। इस दृश्य ने अगस्त 2021 की याद ताजा कर दी जब देश में तालिबान के सत्ता पर काबिज होने के बाद हजारों लोग हवाई मार्ग से देश से बाहर निकलने के प्रयास में हवाई अड्डे पहुंच गए थे। काबूल निवासी अब्दुल गफार (26) ने कहा, मैंने सुना है कि तुर्किए को मदद के लिए लोगों की जरूरत है, इसलिए मैंने सोचा कि मैं वहां जाकर जरूरतमंद लोगों की मदद करू। यह मेरे लिए देश से बाहर निकलने का एक अवसर भी हो सकता है। उन्होंने बताया कि उसने ठंड के बीच हवाई अड्डे के पास तीन घंटे तक इंतजार किया, जब तालिबान बलों ने बताया कि तुर्किए के लिए ऐसी कोई उड़ान नहीं है।

गुब्बारे मामले में चीनी संस्थाओं पर कार्रवाई की संभावना तलाश रहा अमेरिका

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका अपने हवाई क्षेत्र में गुब्बारे के अवैध प्रवेश का समर्थन करने वाली चीनी सेना से जुड़ी चीन की संस्थाओं के खिलाफ कार्वाई की संभावनाएं तलाश करेगा। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एक विशाल गुब्बारा 30 जनवरी को मोंटाना में अमेरिकी हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद कई दिनों तक अमेरिका महाद्वीप के ऊपर उड़ता रहा था। अमेरिकी सेना ने अमेरिका के संवेदनशील प्रतिष्ठानों के ऊपर मंडरा रहे चीनी निगरानी गुब्बारे को शनिवार को गिरा दिया था। गृह विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हम जानते हैं कि चीन ने इन निगरानी गुब्बारों को पांच महाद्वीपों के 40 से अधिक देशों में उड़ाया है। बाइडन प्रशासन इसके बारे में सीधे (प्रभावित) देशों से संपर्क कर रहा है। नाम नहीं छापने की शर्त पर अधिकारी ने कहा कि यह स्पष्ट है कि चीन ने इन गुब्बारों का उपयोग निगरानी के लिए किया था। अधिकारी ने आरोप लगाया कि उच्च गुणवत्ता वाली तस्वीरों से पता चलता है कि ए गुब्बारे खुफिया सिग्नल को एकत्र करने में सक्षम थे। अधिकारी ने चीनी सेना की एक आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी का हवाला देते हुए कहा कि अमेरिका को पूरा भरोसा है कि गुब्बारा निर्माता का चीन की सेना से सीधा संबंध है और वह चीनी सेना का अधिकृत वेंडर है। अधिकारी ने कहा, अमेरिका चीनी सेना से जुड़ी चीन की संस्थाओं के खिलाफ कार्वाई की संभावनाओं का भी पता लगाएगा, जिन्होंने अमेरिकी हवाई क्षेत्र में गुब्बारों के अवैध प्रवेश का समर्थन किया था। हम चीन की व्यापक निगरानी गतिविधियों को उजागर करने और इससे निपटने के प्रयासों पर भी विचार करेंगे, जो हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा और हमारे सहयोगियों एवं साझेदारों के लिए खतरा पैदा करती हैं। वहीं, चीन ने दावा किया है कि यह मौसम विज्ञान अनुसंधान के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला गुब्बारा था।

अमेरिकी क्षेत्र में चीनी गुब्बारों के उड़ने के चार मामले पहले भी पाए गए : पेंटागन

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन ने बुधवार को यहां दावा किया कि अमेरिकी वायु क्षेत्र में चीनी निगरानी गुब्बारों के उड़ने के चार मामले पहले भी सामने आ चुके हैं और अमेरिका में हाल में नष्ट किया गया चीनी गुब्बारा कई साल से जारी चीन के बड़े निगरानी कार्यक्रम का हिस्सा था। पेंटागन का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब अमेरिकी सेना ने अमेरिका के संवेदनशील प्रतिष्ठानों के ऊपर मंडरा रहे एक चीनी निगरानी गुब्बारे को हाल में नष्ट कर दिया था। इस गुब्बारे को शनिवार को अटलांटिक महासागर के ऊपर साउथ कैरोलाइना के तट पर एक लड़ाकू विमान ने नष्ट कर दिया था। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बुधवार को कहा कि चीन ने केवल अमेरिका ही नहीं, बल्कि पांच महाद्वीपों के कई देशों की संप्रभुता का उल्लंघन किया है। इस बीच, रक्षा विभाग के प्रवक्ता जनरल पैट राइडर ने संवाददाताओं से कहा कि यूएस नदर्न कमांड नष्ट किए गए गुब्बारे के मलबे को हासिल करने की कोशिश में जुटा है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि अमेरिका को इस बात की जानकारी है कि इससे पहले भी चार गुब्बारे अमेरिकी क्षेत्र के ऊपर उड़ाए गए हैं। राइडर ने कहा, हम बड़े चीनी निगरानी गुब्बारा कार्यक्रम के तहत इस घटना की जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम कई साल से चलाया जा रहा है।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I Bhuwan Chandra Bhatt S/o Sh. H.D. Bhatt R/o A-16, street No. 2, East Vinod Nagar Delhi-110091. Have Changed My Name from Bhuvan Chandra Bhatt to Bhuwan Chandra Bhatt for all future purposes.

PD(90266)C

I Indira Kumari Negi W/o Sh. Arjun Singh Negi R/o L-239 Nar Vihar - 2 Sector 34, Noida - G.B Nagar, U.P. 201301, have changed my Name from Indira Kumari Negi to Indira negi for all future purposes.

PD(90267)C

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client i.e. ICICI Bank Ltd. that Mr. Sunil Goel and Mrs. Nisha Goel are joint owners of Entire Upper Ground Floor, without roof rights, (the said floor), of Property bearing No. 123, area measuring 200 sq. yds. Situated in the layout plan of Harsh Vihar CHBS Ltd. Presently known as Harsh Vihar, Pitam Pura Delhi, vide a registered sale Deeds dated 05.09.2021, executed by Nirmal Chandra Dogra who was owner of the said floor by virtue of partition deed dated 26.04.2019. All persons are hereby informed that above mentioned owners want to take a Loan from ICICI Bank Ltd. against the said floor. If anybody has any objection/s upon the ownership of Mr. Sunil Goel and Mrs. Nisha Goel in respect of the said floor its Sale /Mortgage/Litigation, and any kind of dispute, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants)

[illegible]

सार्वजनिक सूचना

जनता को सूचित किया जाता है कि फ्लैट नंबर 609 ... लिमिटेड प्लॉट नंबर 17, सेक्टर 10, द्वारका नई दिल्ली 110075 का मूल शेयर प्रमाण पत्र, इसके मालिक ... दिल्ली पुलिस के ऑनलाइन पोर्टल LR No. 131337/2023 दिनांक 08.02.2023 पर दर्ज कर दी गई है। [illegible]

सार्वजनिक सूचना

[illegible]

sgassociatespl@gmail.com

फोन : 7011172764, 8130209837

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given that Ram Aasre Bansal, Anand Swarup Bansal, Satish Chand Bansal, Lokesh Chand Bansal, Asha Rani Bansal, Gaurav Bansal, Shobhit Bansal, Deepak Bansal, Rekha Bansal, Kirti Gupta, Palak Bansal, Himank Bansal through Guardian and Mother Divya Bansal, Naksh Bansal through Guardian and Mother Divya Bansal, Divya Bansal (hereinafter called the Owner/s) claims to be owner and in possession of Prop. No. B-57, in Lohiya Nagar, Sector VIII (GMP), Ghaziabad (UP) (hereinafter called the said property) being the only surviving legal heirs and beneficiaries of Late Ved Prakash, Sanjay Bansal and Ratish Chand and said Owner/s has agreed to sell the said Property to Purnima Gupta and Said Purnima Gupta has agreed to create a mortgage in favour of our clients IDFC First Bank Limited, ITO Branch, any person/s having claim against the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage (equitable/ registered or otherwise), gift, trust, inheritance, lien or otherwise howsoever, are hereby intimated to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below within 10 days from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned and our client shall proceed with the disbursement of loan and subsequent creation of mortgage in respect thereof.

Vishal Diwan (Advocate)
For Diwan and Company LLP
Advocates and Solicitors
House No.2 (LGF), NRI Complex New Delhi – 19
Mobile No. 9818399999

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given that Kamlesh Chawla claims to be owner and in possession of Basement and Ground Floor of Prop. No. 54, on Road No. 42, in Class-B, in West Punjabi Bagh, New Delhi-110026 (hereinafter called the said property) by virtue of Sale Deed/s dated 22.06.2022 regd. Vide Doc. No. 4226and said Kamlesh Chawla has misplaced original Sale Deeds dated 29.07.1988, 10.01.1990, 23.12.2004, 23.12.2004, 21.04.2006, 16.04.2019, GPA dated 31.05.1988, Collaboration Agreement dated 26.12.2018 and Said Kamlesh Chawla has agreed to create a mortgage in favour of our clients, Standard Chartered Bank, Express Building, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi.
Any person/s coming in possession of aforesaid misplaced documents or having any claim against or in respect of the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage (equitable/registered or otherwise), gift, trust, inheritance, lien or otherwise howsoever, are hereby requested to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below within 10 days from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned and our client shall proceed with the disbursement of loan against the said property and subsequent creation of mortgage in respect thereof.

Vishal Diwan (Advocate)
For Diwan and Company LLP
Advocates and Solicitors
House No.2 (LGF), NRI Complex New Delhi – 19
Mobile No. 9818399999

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given that Sumeet Chaudhary and Kanta Mukherjee claims to be owner and in possession of 3rd floor with roof, Prop. No. 675, Block D in Govt. School Teachers CHBS Ltd., Saraswati Vihar, Delhi (hereinafter called the said property), said Tara Rani Chaudhary and Kanta Mukherjee were the joint owners of said property vide sale Deed dated 28.11.2007 regd. Vide doc no. 12184 and thereafter the death of Tara Rani Chaudhary, her half share in the said property devolved upon Sumeet Chaudhary being her only surviving legal heir and said Sumeet Chaudhary and Kanta Mukherjee (jointly) has agreed to sell the said Property to Gaurav Raj Agnihotri and Aaditi Hoon and Said Gaurav Raj Agnihotri and Aaditi Hoon has agreed to create a mortgage in favour of our clients Axis Bank Ltd., Janak Puri Branch , any person/s having claim against the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage (equitable/registered or otherwise), gift, trust, inheritance, lien or otherwise howsoever, are hereby intimated to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below within 10 days from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned and our client shall proceed with the disbursement of loan and subsequent creation of mortgage in respect thereof.

Vishal Diwan (Advocate)
For Diwan and Company LLP
Advocates and Solicitors
House No.2 (LGF), NRI Complex New Delhi – 19
Mobile No. 9818399999

क्यूबिकल फाइनैंशियल सर्विसेज लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय :- 456, अग्रवाल मेट्रो हाइट, नेताजी सुभाष प्लेस, पीतमपुरा, दिल्ली - 110034
वेबसाइट :- www.cubical90.com
ई-मेल :- cubfinser@yahoo.com

31 दिसंबर, 2022 को समाप्त तिमाही हेतु [illegible]

[illegible]

कुशवाहा की बगावत से बिहार में राजग को होगा लाभः पारस

भाषा। पटना

केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने बृहस्पतिवार को कहा कि जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के नेता उपेंद्र कुशवाहा की बगावत से बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को लाभ होगा।

पारस राज्य में मौजूदा राजनीतिक स्थिति के बारे में पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब दे रहे थे। पिछले साल जदयू के राजग छोड़ने के बाद से राजग बिहार में विपक्ष में है। राजग में पारस की राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी भी शामिल है तथा उसे पारस के भतीजे चिराग पासवान के नेतृत्व वाले एक प्रतिद्वंद्वी समूह का भी समर्थन प्राप्त है। बिहार में सात दलों वाला सत्तारूढ़ 'महागठबंधन' राजग का प्रतिद्वंद्वी है।

पारस ने कहा, राजग अगले साल आम चुनावों में राज्य से लोकसभा की सभी 40 सीटों पर जीत हासिल करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करिश्मे और लोकप्रियता का कोई मुकाबला नहीं है, जबकि महागठबंधन बिखराव दिख रहा है, जो कि कुशवाहा की बगावत से स्पष्ट है।

उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, कुशवाहा की बगावत से निश्चित रूप से बिहार में भाजपा और उसके सहयोगियों को लाभ होगा।

हालांकि, यह पूछे पर कि मोदी सरकार के पूर्व के कार्यकाल में केंद्रीय

मंत्री रहे कुशवाहा का क्या राजग में स्वागत किया जाएगा, तो हाजीपुर से लोकसभा सदस्य पारस ने कहा, वे (कुशवाहा) क्या कदम उठाते हैं, उसके अनुसार उस समय एक निर्णय लिया जाएगा।

बिहार विधान परिषद में प्रतिपक्ष के नेता सम्राट चौधरी ने कहा, पार्टी उन सभी लोगों पर विचार कर सकती है जो 1990 से 2005 तक लालू प्रसाद के खिलाफ लड़ाई में शामिल रहे।

कुशवाहा के पहली बार के विधायक बनने पर नीतीश कुमार द्वारा उन्हें 2004 से 2005 तक बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष का नेता बनाया गया था। जद (यू), राजद, कांग्रेस और वाम सहित महागठबंधन के नेताओं ने कुशवाहा के पार्टी छोड़ने के संभावित प्रभाव के बारे में हालांकि औपचारिक तौर पर इनकार कर रहे हैं। उनका कहना है कि कुशवाहा द्वारा ऐसा कोई कदम उठाने तक इस बारे में सोचना अपरिपक्व होगा।

हालांकि नाम गुप्त रखने की शर्त पर उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कुशवाहा के चुनावी प्रदर्शन पर नजर डालने पर आंकड़ों से चीजें खुद ही स्पष्ट हो जाएंगी।

कुशवाहा मार्च 2021 में जद (यू) में वापस आए थे, उन्होंने अपनी राष्ट्रीय लोक समता पार्टी (आरएलएसपी) का विलय कर लिया था, जिसने चार महीने पहले हुए चुनाव में बिहार विधानसभा की 243 सीटों में से 99 सीटों पर चुनाव लड़ा था लेकिन पार्टी का एक भी उम्मीदवार सीट नहीं जीत पाया था।

आरएलएसपी ने एक मोर्चे 'ग्रैंड डेमोक्रेटिक सेक्युलर फ्रंट' के तहत विधानसभा चुनाव लड़ा था जिसका नेतृत्व कुशवाहा ने किया था।

नाडिया में खिले फूल को ख़ाती एक गिलहरी

सीयूईटी-यूजी के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा-स्नातक (सीयूईटी-यूजी) के दूसरे चरण के लिए आवेदन प्रक्रिया बृहस्पतिवार की रात से शुरू होकर 12 मार्च तक जारी रहेगी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अध्यक्ष एम जगदीश कुमार ने यह जानकारी दी। परीक्षा 21-31 मई तक आयोजित की जानी है। स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सीयूईटी-यूजी के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा करने की प्रक्रिया आज रात से शुरू होगी। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 12 मार्च, 2023 है। उन्होंने कहा, परीक्षा के लिए शहर के बारे में घोषणा 30 अप्रैल को की जाएगी। मई, 2023 के दूसरे सप्ताह से राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की वेबसाइट से प्रवेश पत्र डाउनलोड करना होगा। गौरतलब है कि यूजीसी ने पिछले साल मार्च में घोषणा की थी कि सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए दाखिला एक प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दिया जाएगा, न कि कक्षा 12वीं के अंकों के आधार पर। विश्वविद्यालयों में स्नातक प्रवेश प्रक्रिया जुलाई 2023 तक पूरी कर ली जाएगी और एक अगस्त से नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो सकता है। कुमार ने कहा, अभ्यर्थियों की संख्या और विषय की पसंद के आधार पर परीक्षा कई दिनों में तीन पालियों में आयोजित की जाएगी। अभ्यर्थी सीयूईटी (यूजी)-2023 के लिए आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से कर सकते हैं। सीयूईटी (यूजी)- 2023 तेरह भाषाओं यानी अंग्रेजी, हिंदी, असमिया, बंगाली, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, ओडिया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु और उर्दू में आयोजित की जाएगी। सीयूईटी-यूजी का पहला संस्करण पिछले साल जुलाई में आयोजित किया गया था और कई गड़बड़ियों के कारण एनटीए को कई केंद्रों पर परीक्षाओं को रद्द करना पड़ा था।

टैंक की सफाई के दौरान दम घुटने से सात लोग मरे

भाषा। काकीनाडा

आंध्र प्रदेश के काकीनाडा शहर में खाद्य तेल की एक फैक्टरी में तेल के टैंक की सफाई करते समय दम घुटने से सात कर्मियों की मौत हो गई। जिला पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

हादसा जी रागमपेट में सुबह लगभग साढ़े आठ बजे उस समय हुआ, जब पहला मजदूर तेल का टैंक साफ करने के लिए उसमें उतरा।

मजदूर गलती से फिसलकर टैंक के भीतर गिर गया। उसे बचाने के लिए एक के बाद एक और सात मजदूर टैंकर में उतरे। घटना में दम घुटने से सात लोगों की मौत हो गई जबकि एक को सुरक्षित बचा लिया गया। पुलिस ने बताया कि घटना में मरे सात मजदूरों में से पांच पड़ोस और दो पेड्डापुरम के रहने वाले थे।

काकीनाडा की जिलाधिकारी कृतिका शुक्ला ने पत्रकारों को बताया कि फैक्टरी को सील कर दिया गया है और भारतीय दंड संहिता की धारा 304ए (लापरवाही के कारण मौत) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

उन्होंने बताया कि हादसे की जांच के लिए संयुक्त जिलाधिकारी की अध्यक्षता में चार सदस्यीय समिति गठित की गई है, जिसे तीन दिन के भीतर रिपोर्ट देने को कहा गया है। अधिकारियों ने बताया कि समिति फिलहाल दस्तावेजों और फैक्टरी को खाद्य तेल पैकेजिंग के लिए मिली मंजूरी आदि की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि घटना के लिए जिम्मेदार पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

● समिति फिलहाल दस्तावेजों और फैक्टरी को खाद्य तेल पैकेजिंग के लिए मिली मंजूरी आदि की जांच कर रही है

आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, घटना में जान गंवाने वाले कर्मियों के परिवार वालों के लिए राज्य सरकार द्वारा 25 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की गई है, साथ ही कारखाने को भी मुआवजा देने का निर्देश दिया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि मौत के कारणों का पता लगाने के लिए शवों का पोस्टमॉर्टम किया जा रहा है।

इस संबंध में एक प्रत्यक्षदर्शी ने मीडिया को बताया कि एक व्यक्ति टैंक में उतरा था और जब वह बाहर नहीं आया तो अन्य भी उसमें उतरे।

इस बीच, पीड़ित परिवारों ने आरोप लगाया है कि फैक्टरी प्रबंधन ने कर्मियों को उचित सुरक्षा उपकरण मुहैया नहीं कराए। घटना के बाद लोगों ने प्रदर्शन करके मृतकों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि देने की मांग की।

भाजपा ने लोकसभा सांसदों को 13 तक सदन में उपस्थित रहने के लिए व्हिप जारी किया

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने लोकसभा सांसदों को व्हिप जारी कर 13 फरवरी तक सदन में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा है।

यह व्हिप बृहस्पतिवार से प्रभावी है और इसमें भाजपा सांसदों को सोमवार तक तीन कार्य दिवसों के लिए सदन में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

बजट सत्र के पहले चरण का आधिकारिक तौर पर 13 फरवरी अंतिम दिन है। हालांकि कुछ दलों ने शुक्रवार को इसे समाप्त करने की मांग की है। भाजपा सूत्रों ने बताया कि व्हिप इसलिए जारी किया गया है क्योंकि लोकसभा में बजट पर आम चर्चा चल रही है।

सदस्यों की आवश्यक मौजूदगी नहीं होने के कारण बुधवार को लोकसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई थी। सूत्रों के मुताबिक भाजपा नेतृत्व इससे नाखुश है।

हालांकि, पार्टी के कुछ नेताओं ने कहा कि 10 फरवरी अभी भी सत्र के पहले चरण का आखिरी दिन हो सकता है।

उल्लेखनीय है कि विपक्षी सदस्य, विशेष रूप से राज्यसभा में, अडानी-हिंडनबर्ग विवाद मुद्दे को लगातार उठा रहे हैं। वे इस मामले की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति गठित करने की मांग कर रहे हैं।

उच्च सदन में बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब दे रहे थे तब कांग्रेस सहित कुछ विपक्षी सदस्यों ने अडाणी मुद्दे पर जोरदार नारेबाजी की।

एलआईसी का शुद्ध लाभ दिसंबर तिमाही में उछलकर 8,334 करोड़ रुपए

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी एलआईसी का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कई गुना उछलकर 8,334.2 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 235 करोड़ रुपए था।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी शुद्ध प्रीमियम आय दिसंबर, 2022 को समाप्त तिमाही में 1,11,787.6 करोड़ रुपए रही जो एक साल पहले 2021-22 इसी तिमाही में 97,620.34 करोड़ रुपए थी। हालांकि ए आंकड़े तुलनीय नहीं है क्योंकि उस समय एलआईसी सूचीबद्ध कंपनी नहीं थी। एलआईसी की निवेश से आय आलोच्य तिमाही में बढ़कर 84,889 करोड़ रुपए हो गई जो एक साल पहले 2021-22 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 76,574.24 करोड़ रुपए थी।

वर्ष 2022 में 2.25 लाख लोगों ने भारतीय नागरिकता छोड़ी

भाषा। नई दिल्ली

सरकार द्वारा बृहस्पतिवार को राज्यसभा में उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2011 से 16 लाख से अधिक भारतीयों ने अपनी भारतीय नागरिकता छोड़ दी है। इनमें से सर्वाधिक 2,25,620 भारतीय ऐसे हैं जिन्होंने पिछले साल भारतीय नागरिकता छोड़ी है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने वर्षवार भारतीय नागरिकता छोड़ने वाले भारतीयों की संख्या का ब्योरा देते हुए बताया कि कहा कि 2015 में 1,31,489 जबकि 2016 में 1,41,603 लोगों ने नागरिकता छोड़ी और 2017 में 1,33,049 लोगों ने नागरिकता छोड़ी।

उनके मुताबिक 2018 में यह संख्या 1,34,561 थी, जबकि 2019 में 1,44,017, 2020 में 85,256 और 2021 में 1,63,370 भारतीयों ने अपनी नागरिकता छोड़ दी थी। मंत्री के अनुसार, 2022 में यह संख्या 2,25,620 थी। जयशंकर ने कहा कि संदर्भ के लिए 2011 के आंकड़े 1,22,819 थे, जबकि 2012 में यह 1,20,923, 2013 में 1,31,405 और 2014 में 1,29,328 थे। वर्ष 2011 के बाद से भारतीय नागरिकता छोड़ने वाले भारतीयों की कुल संख्या 16,63,440 है। उन्होंने कहा कि सूचना के अनुसार पिछले तीन वर्षों के दौरान पांच भारतीय नागरिकों ने संयुक्त अरब अमीरात की नागरिकता प्राप्त की है। जयशंकर ने उन 135 देशों की सूची भी उपलब्ध कराई जिनकी नागरिकता भारतीयों ने हासिल की है।

एक अन्य सवाल के जवाब में विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने कहा कि सरकार हाल के महीनों में अमेरिकी कंपनियों द्वारा पेशेवरों की छंटनी के मुद्दे से अवगत है।

उन्होंने कहा कि इनमें से एक निश्चित प्रतिशत एच- बी और एल। वीजा धारक भारतीय नागरिकों के होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने अमेरिकी सरकार के समक्ष आईटी पेशेवरों सहित उच्च कुशल श्रमिकों से संबंधित मुद्दों को लगातार उठाया है।

मुरलीधरन ने कहा, सरकार इन मुद्दों पर उद्योग संगठनों और व्यापार मंडलों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ भी काम कर रही है।

लक्ष्य सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना नहीं, लोगों का जीवन स्तर बेहतर बनाना होना चाहिए : काकोदकर

भाषा। पणजी

प्रख्यात परमाणु वैज्ञानिक डॉ. अनिल काकोदकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि लक्ष्य दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की बजाय भारतीयों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने का होना चाहिए।

पद्म विभूषण पुरस्कार से सम्मानित डॉक्टर काकोदकर ने मडगांव में इंडियन साइंस: 75 इयर्स एंड बियॉन्ड विषय पर आधारित फोमेंटो वेद विचार व्याख्यान श्रृंखला में कहा कि यदि भारत को विश्वगुरु बनना है तो विज्ञान और प्रौद्योगिकी उसमें प्रमुख भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने कहा, आम भारतीयों का जीवन स्तर दुनिया में सबसे बेहतर होना चाहिए। अगर यह सीधी सी बात आपके विकास का उद्देश्य है, तो मुझे लगता है कि पीछे-पीछे सबकुछ संभव हो जाएगा। भारत की आर्थिक प्रगति के बारे में 79 वर्षीय वैज्ञानिक ने कहा कि देश वर्तमान में ज्ञान के युग में है और वर्तमान परिस्थितियों में अर्थव्यवस्था का विकास होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि औसत भारतीयों के जीवन स्तर की गुणवत्ता की तुलना दुनिया के सर्वश्रेष्ठ जीवन स्तर से की जा सकती है। वहां तक पहुंचने के लिए, हमें वास्तव में प्रति व्यक्ति आय को लक्षित करना चाहिए और उसमें सर्वश्रेष्ठ बनना चाहिए।

आईक्यू की नई योजना

नई दिल्ली। प्रमुख अस्पताल नेत्र देखभाल श्रृंखला आईक्यू ने अपनी स्थापना के 16 साल सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं और इस घटना को मनाने के लिए इस नेत्र देखभाल ब्रांड ने एक अभियान रुसी ब्राइट की घोषणा की है। इस अभियान के तहत ब्रांड ने मोतियाबिंद के ऑपरेशन पर एक विशेष 16 प्रतिशत छूट की घोषणा की है। इस पेशकश में उत्तर प्रदेश उत्तराखंड, दिल्ली और एनसीआर और गुजरात के क्षेत्रों में 50 वर्ष से अधिक आयु के रोगियों की आवश्यकताएं पूरी की गई। 9, 000 से अधिक लोगों की मुफ्त आंख परीक्षाएं हुईं। मुख्य प्रबंध निदेशक डा. अजय शर्मा ने कहा कि अपनी 16 वीं वर्षगांठ मनाने पर गर्व है।

सोमनाथ मंदिर पर गजनी के महमूद वाली टिप्पणी को लेकर मुस्लिम मौलवी के खिलाफ मामला दर्ज

भाषा। वेरावल

गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में एक मौलवी के खिलाफ कथित तौर पर यह दावा करने के लिए प्राथमिकी दर्ज की गई है कि गजनी के महमूद ने सोमनाथ मंदिर को नष्ट नहीं किया बल्कि वहां चल रही अनैतिक चीजों को रोक दिया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने बताया कि श्री सोमनाथ ट्रस्ट के महाप्रबंधक विजयसिंह चावड़ा ने अखिल भारतीय इमाम संघ के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी के खिलाफ इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी।

गिर सोमनाथ जिले के प्रभास पाटन में स्थित मंदिर को 11वीं शताब्दी के बाद से मुस्लिम आक्रमणकारियों द्वारा बार-बार नष्ट किया गया था। आजादी के बाद इसका पुनर्निर्माण किया गया।

पिछले महीने कुछ समाचार चैनलों द्वारा प्रसारित एक साक्षात्कार में रशीदी ने कथित तौर पर दावा किया था कि गजनी के महमूद ने सोमनाथ के प्राचीन मंदिर को नष्ट नहीं किया था। रशीदी ने कहा, इतिहास के अनुसार, उन्हें पता चला कि मंदिर के अंदर आस्था और हिंदू देवताओं के नाम पर अनैतिक गतिविधियों की जा रही हैं। तथ्यों की पुष्टि करने के बाद, उन्होंने मंदिर पर आक्रमण किया। उसने मंदिर को नहीं तोड़ा।

सरकार ने कॉलेजियम से दोबारा भेजे गए 10 प्रस्तावों पर पुनर्विचार करने को कहा

भाषा। नई दिल्ली

सरकार ने उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम से उसके द्वारा दोबारा भेजे गए 10 प्रस्तावों पर पुनर्विचार करने को कहा है। कानून मंत्री किरेन रीजीजू ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा को यह जानकारी दी।

एक सवाल के लिखित जवाब में उन्होंने यह भी बताया कि इन 10 प्रस्तावों में से तीन मामलों में उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने नियुक्ति के लिए अपनी पहले की सिफारिश को दोहराया है। उन्होंने कहा कि शेष सात प्रस्तावों पर कॉलेजियम ने उच्च न्यायालय कॉलेजियम से अतिरिक्त जानकारी मांगी है।

रीजीजू ने कहा उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम द्वारा दोहराए गए दस प्रस्तावों को हाल ही में पुनर्विचार के लिए उसे वापस भेज दिया गया था।

उन्होंने कहा कि सरकार को लगता है कि उसे मिली विभिन्न रिपोर्टों और सूचनाएं उसकी राय में कॉलेजियम द्वारा आगे विचार करने योग्य है, इसीलिए केंद्र ने इस तरह के दोहराए गए मामलों को पुनर्विचार के लिए उसे भेजा है, जैसा कि अतीत में भी किया गया था।

उन्होंने कहा, अतीत में ऐसे उदाहरण हैं जब उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने सरकार द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से सहमति जताई थी और अपनी दोहराई गई सिफारिशों को वापस ले लिया था।

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय साइबर अपराधों पर रखेगा नजर

नई दिल्ली। मेटा ने जी-20 स्टे सेफऑनलाइन कैंपेन के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साथ साझेदारी की है। इलेक्ट्रॉनिक्स और आई मंत्रालय मंत्रालय के साथ अपनी साझेदारी के तहतएट मेटा विभिन्न चैनलों के माध्यम से अलग-अलग भारतीय भाषाओं में मददगार संसाधनों का निर्माण कर उन्हें साझा करेगा। इसका मकसद ऑनलाइन सुरक्षित रहने के बारे में जागरुकता फैलाना है। जी20 स्टे सेफ ऑनलाइन के तहत संसाधनों द्वारा कई थीम्स को कवर किया जाएगा। इसमें ऑनलाइन धोखाधड़ी से निपटने, हानिकारक सामग्री की रिपोर्ट करने के तरीकों, ऑनलाइन बातचीत करते समय खुद को सुरक्षित रखने के सुझावों और ऐसे बहुत सारे विषयों को शामिल किया जाएगा। सीईओए आकाश त्रिपाठी ने कहा कि भारत के टेकएड संबंधी प्रधान मंत्री मोदी के विज़न के अंतर्गत हम डिजिटल को तेजी से अपनाते हुए देख रहे हैं और इस वृद्धि के साथ आसानी से उपलब्ध दुल्स एवं संसाधन तैयार करने की जरूरत है ताकि यूजर्स को बढ़ते साइबर अपराधों से बचाया जा सके।

लंबी अवधि का निवेश ही बेहतर विकल्प

मुंबई। आईटीआई फ्लेक्सीकैप फंड एक ओपेन एंडेड इक्विटी फंड है जिसके जरिये निवेशक अपनी दौलत में इजाफा कर सकते हैं। लंबी अवधि के निवेश के लिए बेहतर विकल्प है। यह आईटीआई म्यूचुअल फंड की ओर से पेश किया जाने वाला उत्पाद है, जो लार्ज, मिड और स्मॉल कैप कंपनियों में निवेश करेगा। आईटीआई म्यूचुअल फंड ने अप्रैल 2019 में अपना परिचालन शुरू किया था और तब से अब तक निवेशकों के लिए बाजार में 16 मुख्यधारा के म्यूचुअल फंड उत्पाद लॉन्च किए हैं। यह एएमसी यानी एसेट मैनेजमेंट कंपनी एक बड़े रूढ़िवादी केश-रिच व्यापार समूह द्वारा समर्थित है। इतने कम समय में, समूह ने यह सुनिश्चित किया है कि निवेशकों के लिए एक आसान दीर्घकालिक निवेश अनुभव बनाने के लिए एएमसी के भीतर प्रशासन, लोग, प्रक्रियाएं और इंफ्रास्ट्रक्चर यानी बुनियादी ढांचा अच्छी तरह से स्थापित हों। एयूएम का भौगोलिक विस्तार टॉप 5 शहरों में 40.53 फीसदी है। उसके बाद के 10 शहरों में 19.77 फीसदी की हिस्सेदारी, अगले 20 शहरों में 12.27 फीसदी की हिस्सेदारी है।

सरकार ने मीडिया काउंसिल को जरूरी नहीं बताया

भाषा। नई दिल्ली

सरकार ने संसद की एक समिति को बताया कि एकीकृत मीडिया काउंसिल के गठन की जरूरत नहीं है क्योंकि अलग अलग प्लेटफार्म अपने आप में विशिष्ट होते हैं और उनके लिए स्व विनियमन तंत्र मौजूद है।

हालांकि, समिति ने विधिक शक्तियों के साथ ऐसा ढांचा तैयार करने की जरूरत बताई है। शिवसेना सांसद प्रताप जाधव की अध्यक्षता वाली संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की समिति ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को मीडिया काउंसिल के गठन का सुझाव दिया, यह रिपोर्ट संसद में बृहस्पतिवार को पेश की गई थी। इसमें कहा गया है कि समिति ने कहा कि प्रेस काउंसिल आफ इंडिया और न्यूज ब्राडकास्टिंग स्टैंडर्ड अथोरिटी द्वारा जारी परामर्शों के अनुपालन की सीमाएं हैं। समिति द्वारा पेश की गई कार्वाई रिपोर्ट में कहा गया है कि मंत्रालय को मीडिया काउंसिल के गठन का सुझाव दिया, यह रिपोर्ट संसद में बृहस्पतिवार को पेश की गई थी। इसमें कहा गया है कि समिति ने कहा कि प्रेस काउंसिल आफ इंडिया और न्यूज ब्राडकास्टिंग स्टैंडर्ड अथोरिटी द्वारा जारी परामर्शों के अनुपालन की सीमाएं हैं। समिति द्वारा पेश की गई कार्वाई रिपोर्ट में कहा गया है कि मंत्रालय को मीडिया काउंसिल के गठन की संभावना तलाशनी चाहिए जिसमें प्रिंट, इलेक्ट्रानिक और डिजिटल मीडिया शामिल हो। वहीं, सरकार ने समिति को बताया कि अलग अलग प्लेटफार्म अपने आप में विशिष्ट होते हैं और उनके लिए स्व विनियमन तंत्र मौजूद है, ऐसे में एकीकृत विनियामक ढांचा तैयार करने की जरूरत नहीं है।

समिति का कहना है कि निजी टीवी समाचार और गैर समाचार चैनल विनियमन की प्रणाली द्वारा शासित होते हैं। समाचार और समसामयिक मामलों के टीवी चैनलों की प्रतिनिधि संस्था न्यूज ब्रॉडकास्टर्स एसोसिएशन (एनबीए) ने ऐसी ही एक प्रणाली विकसित की है। इसमें कहा गया है कि एनबीए समाचार प्रसारण मानक प्राधिकरण की स्थापना की है जिसे प्रसारक को चेतावनी देने, निंदा करने और जुर्माना लगाने या संहिता के उल्लंघन के लिए ऐसे प्रसारक के लाइसेंस को निलंबित या निरस्त करने के लिए संबंधित प्राधिकरण को सिफारिश करने का अधिकार है। इसके अलावा इंडियन ब्रॉडकास्टिंग फाउंडेशन (आईबीएफ) गैर समाचार और समसामयिक मामलों के टीवी चैनलों की एक प्रतिनिधि निकाय है। इसमें शिकायतों की जांच और समाधान के लिए प्रसारण सामग्री शिकायत परिषद (बीसीसीसी) की स्थापना की है। इसी तरह एडवरटाइजिंग स्टैंडर्स काउंसिल ऑफ इंडिया एक अन्य विनियामक स्वैच्छिक संगठन है।

बेंगलुरू में एयरो इंडिया शो के लिए तैयारी करता सुखोई लड़ाकू विमान

महिलाओं ने भारतीय समाज में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई: मुर्मू

भाषा। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि इस मानसिकता को बदले जाने की जरूरत है कि बच्चों को पालना और घर चलाना केवल महिलाओं की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को परिवार से अधिक सहयोग मिलना चाहिए, जिससे वे बिना किसी बाधा के अपने करियर में सर्वोच्च पद पर पहुंच सकें।

मुर्मू ने हरियाणा के गुरुग्राम में ब्रह्माकुमारी संस्था के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में मूल्य-निष्ठ समाज की नींव- महिलाएं विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया और अखिल भारतीय जागरूकता अभियान परिवार को सशक्त बनाना की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि महिलाओं ने भारतीय समाज में मूल्यों और नैतिकता को आकार देने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुर्मू ने इस बात को लेकर प्रसन्नता व्यक्त की कि ब्रह्माकुमारी संस्था ने महिलाओं को केंद्र में रखकर भारतीय मूल्यों को

पुनर्जीवित करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि आज यह विश्व की सबसे बड़ी आध्यात्मिक संस्था है, जिसे महिलाएं संचालित करती हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि इस संस्था की 46 हजार से अधिक बहन लगभग 140 देशों में अध्यात्म की परंपरा और भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ा रही हैं। महिला सशक्तीकरण को लेकर उन्होंने कहा कि जब भी महिलाओं को समान अवसर मिले हैं, उन्होंने हर क्षेत्र में पुरुषों के बराबर और कभी-कभी उनसे बेहतर प्रदर्शन किया है।

राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, उन्होंने कहा, कई क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। हालांकि, उनमें से कई शीर्ष स्थान तक पहुंचने में सक्षम नहीं हैं। यह पाया गया है कि निजी क्षेत्र में मध्य स्तर के प्रबंधन में एक निश्चित स्तर से ऊपर महिलाओं की भागीदारी में कमी आई है। इसके पीछे मुख्य कारण पारिवारिक जिम्मेदारियां हैं।

उन्होंने कहा, आमतौर पर कामकाजी महिलाओं को कार्यालय के साथ-साथ घर की भी जिम्मेदारी उठानी पड़ती है। हमें इस मानसिकता को बदलने की जरूरत है कि बच्चों को पालना और घर चलाना केवल महिलाओं की जिम्मेदारी है। मुर्मू ने कहा कि महिलाओं को परिवार से अधिक सहयोग मिलना चाहिए, जिससे वे बिना किसी बाधा के अपने करियर में सर्वोच्च पद पर पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्तीकरण से ही परिवार सशक्त होंगे और सशक्त परिवार ही सशक्त समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण करेंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है और लोग पैसे, शक्ति और प्रतिष्ठा के पीछे भाग रहे हैं। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से मजबूत होने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन केवल धन के लिए जीना उचित नहीं है। राष्ट्रपति ने कहा, आर्थिक प्रगति और समृद्धि हमें भौतिक सुख दे सकती है, लेकिन शाश्वत शांति नहीं। आध्यात्मिक जीवन दिव्य आनंद के द्वार खोलता है। मुर्मू ने माताओं से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को बचपन से ही करियर के प्रति जागरूक बनाने के बजाय अच्छा इंसान बनने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा, एक मां अपने बच्चों में कभी भेदभाव नहीं करती है। हम सभी जानते हैं कि मां परिवार में पहली गुरु होती है।

जडेजा के पंजे में आए कंगारू

- पहला टेस्ट : पांच विकेट झटके
- ऑस्ट्रेलिया 177 रन पर सिमटा
- भारत के एक विकेट पर 77 रन

भाषा। नागपुर

जडेजा ने उंगली पर लगाया मरहम , छिड़ी बहस

नागपुर। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचो की श्रृंखला के पहले टेस्ट मैच के शुरुआती दिन पांच विकेट झटकने वाले रविंद्र जडेजा द्वारा अपनी उंगली पर लगाए गए पदार्थ को लेकर बहस छिड़ गई है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर आया, जिसमें जडेजा अपने टीम के साथी मोहम्मद सिराज से कुछ लेकर उसे अपनी बाईं तर्जनी पर लगाते और रगड़ते हुए दिख रहे है। इस पर ऑस्ट्रेलियाई मीडिया और पूर्व खिलाड़ी सवाल उठा रहे है। जब एक प्रशंसक ने सोशल मीडिया पर इस वीडियो फुटेज को साझा किया तो ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान टिम पेन ने जवाब दिया, दिलचस्प।
भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने पीटीआई-भाषा को बताया कि यह उंगली मे दर्द से राहत के लिए मरहम था। ऑस्ट्रेलिया की इस टीम के सदस्य डेविड वार्नर और स्टीव स्मिथ दक्षिण अफ्रीका मे 2018 मे गेंद से छेड़छाड़ के आरोप मे प्रतिबंध झेल चुके है।

चोट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर रहे रविंद्र जडेजा के पांच विकेट से भारत ने पहले क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन गुरुवार को यहां ऑस्ट्रेलिया को 177 रन पर समेटने के बाद एक विकेट पर 77 रन बनाकर अपना पलड़ा भारी रखा। दिन का खेल खत्म होने पर कप्तान रोहित शर्मा (नाबाद 56) क्रीज पर डटे हुए थे। दूसरे छोर पर रविचंद्रन अश्विन उनका साथ निभा रहे हैं जिन्होंने अभी खाता नहीं खोला है। भारत ने एकमात्र विकेट लोकेश राहुल (20) का गंवाया जो कप्तान के साथ पहले विकेट के लिए 76 रन की साझेदारी करने के बाद दिन के अंतिम लम्हों में ऑफ स्पिनर टॉड मर्फी (13 रन पर एक विकेट) को उन्हीं की गेंद पर कैच दे बैठे। रोहित 69 गेंद की अपनी पारी में नौ चौके और एक छक्का जड़ चुके हैं। भारत अब ऑस्ट्रेलिया के पहली पारी के 177 रन से 100 रन पीछे है जबकि उसके नौ विकेट शेष हैं और मेजबान टीम की नजरें पहली पारी के आधार पर बड़ी बढ़त हासिल करने पर टिकी होंगी क्योंकि धैर्य के साथ खेलने पर पिच पर बल्लेबाजी करना मुश्किल नहीं है। घुटने की चोट के बाद वापसी कर रहे जडेजा (47 रन पर पांच विकेट) ने 11वीं बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट चटकाते हुए ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को काफी परेशान किया। उन्हें ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन (42 रन पर तीन विकेट) का अच्छा साथ मिला। ऑस्ट्रेलिया को मार्नस लाबुशेन (49) और स्टीव स्मिथ (37) ने तीसरे विकेट के लिए 82 रन जोड़कर पहले सत्र में अच्छी वापसी दिलाई थी लेकिन इस जोड़ी के टूटने के बाद एलेक्स कैरी (36) और पीटर हैंड्सकॉम्ब (31) ही भारतीय स्पिनरों के सामने कुछ देर टिक पाए। कैरी और हैंड्सकॉम्ब ने छठे विकेट के लिए 53 रन की तेज साझेदारी भी की। भारत को कप्तान रोहित और राहुल की जोड़ी ने सतर्क शुरुआत दिलाई। रोहित शुरू से ही अच्छी लय में दिखे जबकि राहुल ने रक्षात्मक रवैया अपनाया। रोहित ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस के पारी के पहले ही ओवर में तीन चौके मारे और फिर उनके तीसरे ओवर में दो और चौके जड़े। रोहित ने नाथन लियोन पर पारी का पहला छक्का जड़ा और फिर इस ऑफ स्पिनर की गेंद पर एक रन के साथ 16वें ओवर में भारत के रनों का अर्धशतक पूरा किया। राहुल हालांकि 71 गेंद खेलकर पदार्पण कर रहे मर्फी की गेंद पर उन्हीं को कैच दे बैठे। इससे पहले लाबुशेन के अलावा ऑस्ट्रेलिया के अधिकतर बल्लेबाज या तो खराब शॉट खेलकर आउट हुए या फिर गेंद की लाइन को समझने में चूक गए। लाबुशेन जडेजा की तेजी से स्पिन होती गेंद को खेलने की कोशिश में क्रीज से आगे निकल आए और पदार्पण कर रहे विकेटकीपर श्रीकर भरत ने उन्हें स्टंप करने में कोई गलती नहीं की। उन्होंने 123 गेंद का सामना करते हुए आठ चौके मारे। लाबुशेन के आउट होने के बाद जडेजा बल्लेबाजों पर हावी हो गए। स्मिथ ने अक्षर पटेल पर तीन चौके मारे लेकिन जडेजा की आर्म बॉल को चूककर बोल्ड हो गए। जडेजा ने इसके बाद मैट रेनशॉ (00) को पहली गेंद पर पगबाधा करके ऑस्ट्रेलिया का स्कोर दो विकेट पर 84 रन से पांच विकेट पर 109 रन किया। कैरी और हैंड्सकॉम्ब ने भारतीय गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक रवैया अपनाया विशेषकर विकेटकीपर बल्लेबाज कैरी ने।

स्कोरबार्ड

ऑस्ट्रेलिया पहली पारी: वार्नर बो शमी 01, ख्वाजा पगबाधा बो सिराज 01, लाबुशेन स्टं भरत बो जडेजा 49,स्मिथ बो जडेजा 37, रेनशॉ पगबाधा बो जडेजा 00,हैंड्सकॉम्ब पगबाधा बो जडेजा 31, कैरी बो अश्विन 36, कमिंस का कोहली बो अश्विन 06,मर्फी पगबाधा बो जडेजा 00, लियोन नाबाद 00,बोलैंड बो अश्विन 01, **अतिरिक्तः** 15, कुलः 63.5 ओवर मे सभी विकेट खोकरः 177 रन, **विकेट पतनः** 1-2, 2-2, 3-84, 4-84, 5-109, 6-162, 7-172, 8-173, 9-176, **गेंदबाजीः** शमी 9-4-18-1, सिराज 7-3-30-1, जडेजा 22-8-47-5, अक्षर 10-3-28-0, अश्विन 15.5-2-42-3

भारत पहली पारीः रोहित नाबाद 56, राहुल का एवं बो मर्फी 20,अश्विन नाबाद 00, **अतिरिक्तः** 01,**कुलः** 24 ओवर मे एक विकेट परः 77 रन, **विकेट पतनः** 1-76, गेंदबाजीः कमिंस 4-1-27-0, बोलैंड 3-1-4-0, लियोन 10-3-33-0, मर्फी 7-0-13-1

पिच पर टर्न नही है, बल्लेबाजों को चकमा देने के लिए क्रीज का इस्तेमाल करना पड़ा : जडेजा

भाषा। नागपुर

आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट की पिच से शुरुआती दिन टर्न नहीं मिलने के कारण रविंद्र जडेजा को चतुराई से क्रीज का इस्तेमाल करना पड़ा ताकि बल्लेबाजों को चकमा दे सकें। जडेजा ने पहले दिन के खेल के बाद कहा , यह टर्निंग पिच नहीं थी। दूसरी पिचों की तुलना में यह धीमी थी और उछाल भी कम था। जैसे जैसे खेल आगे बढेगा , इस पर लक्ष्य का पीछा करना मुश्किल होगा लेकिन टेस्ट क्रिकेट में ऐसा ही होता है। मैने क्रीज का इस्तेमाल किया क्योंकि हर गेंद टर्न नहीं हो रही थी। उछाल भी धीमी थी तो मैने बल्लेबाजों को दुविधा में डाला। मैं क्रीज से बाहर की तरफ निकलकर और स्टम्प के पास गेंद डाल रहा था। ऐसे में बल्लेबाज के बाहर निकलकर खेलने पर विकेट मिलने की संभावना रहती है। लाबुशेन और स्मिथ ने यही गलती की। उन्होंने कहा कि उनकी मंशा यह थी कि आस्ट्रेलियाई इसी गफलत में रहें कि कौन सी गेंद टर्न होती और कौन सी सीधी पड़ेगी। विकेट से स्वाभाविक विविधता मिल रही थी लेकिन मैने भी अलग अलग कोण आजमाए। जडेजा ने पिछले महीने तमिलनाडु के खिलाफ सौराष्ट्र के लिए रणजी ट्रॉफी मैच खेलकर दूसरी पारी के सात विकेट लिए थे। उन्होंने कहा , मैने आज अच्छी लय से गेंदबाजी की। गेंद मेरे हाथ में अच्छे से आ रही थी और लैंग्थ भी सटीक थी। मैने स्टम्प पर गेंदबाजी की कोशिश की।

नागपुर की पिच ने हमें चकमा दियाः हैंड्सकॉम्ब

नागपुर। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज पीटर हैंड्सकॉम्ब ने भारत के खिलाफ चार मैचो की श्रृंखला के पहले टेस्ट मैच के शुरुआती दिन के खेल खत्म होने के बाद गुरुवार स्वीकार किया कि नागपुर की पिच ने उनकी टीम को चकमा दिया जहां गेद उनकी उम्मीदो के मुताबिक टर्न नही की। हैंड्सकॉम्ब ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन मे कहा, निश्चित तौर पर वहां परिस्थितियां आसान नही थी। यह कठिन है क्योकि पिच से होने वाली हरकत आपके दिमाग के साथ खेल रही थी। हमने हालांकि जितना सोचा था गेद उतना टर्न नही हो रही थी। इसी से हमे परेशानी हुई, हम स्पिन के लिए खेल रहे थे और गेद सीधी आ रही थी। मैच मे 31 रन की पारी खेलने वाले हैंड्सकॉम्ब ने भारतीय गेंदबाजो को श्रेय देते हुए कहा कि उन्होने कसी हुई लाइन-लेथ पर गेदबाजी की जिससे रन बनाने का मौका नही मिला। बल्लेबाजी करना कठिन है, जडेजा बहुत अच्छी गेदबाजी कर रहे थे, वास्तव मे हमारे बल्लेबाजो को रन नही बनाने दे रहे थे।

एएफआई के जमीनी प्रतिभा खोज कार्यक्रम में भाग लेंगे 5482 खिलाड़ी

पटना। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) का प्रमुख जमीनी प्रतिभा खोज कार्यक्रम राष्ट्रीय अंतर-जिला जूनियर एथलेटिक्स मीट (एनआईडीजेएम) शुक्रवार से यहां शुरू होगा, जिसे पहली बार सिंथेटिक ट्रैक पर आयोजित किया जाएगा। कोविड-19 प्रतिबंधो के कारण दो साल के अंतराल के बाद इस आयोजन की वापसी हो रही है। इस प्रतियोगिता मे देश के 599 जिले के 5482 खिलाड़ी भाग लेंगे। इसमे बालक और बालिका वर्ग मे अंडर-14 और अंडर-16 स्तर पर प्रतिस्पर्धा करेंगे। इसका पिछला आयोजन तिरुपति मे नवंबर 2019 मे हुआ था।

सचिन बैसोया ने दो शॉट की बढ़त बनाई

कोलकाता। भारतीय खिलाड़ी सचिन बैसोया ने टाटा स्टील पीजीटीआई प्लेयर्स चैंपियनशिप गोल्फ टूर्नामेंट के तीसरे दौर मे शुक्रवार को यहां पांच अंडर 65 का कार्ड खेलकर तालिका मे शीर्ष पर दो शॉट की बढ़त कायम कर ली। अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश में लगे का कुल स्कोर 15 अंडर 195 है।

चार साल बाद होगी इंडियन ओपन गोल्फ की वापसी

नई दिल्ली। इंडियन ओपन गोल्फ टूर्नामेंट की चार साल बाद इस महीने वापसी होगी जिसमे कई बड़े राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय गोल्फर हिस्सा लेंगे। कोविड-19 व्यवधान के बाद वापसी करते हुए इस टूर्नामेंट की इनामी राशि मे भी इजाफा किया गया है। गुरुग्राम के डीएलएफ गोल्फ एवं कंट्री क्लब मे 23 से 26 फरवरी तक होने वाला यह टूर्नामेंट पिछली बार इसी स्थल पर 2019 मे खेला गया था और इसके बाद कोविड महामारी से जुड़ी पाबंदियो के कारण इसका आयोजन नही हो पाया।

रूस और बेलारूस के खिलाड़ी ओलंपिक में ले सकते है भागः आईओसी

जेनेवा। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने पेरिस की मेयर के बयान को खारिज करते हुए कहा कि 2024 ओलंपिक मे तटस्थ रूप से आने वाले रूस और बेलारूस के प्रतिनिधिमंडल को रोकने की उसकी कोई योजना नही है। पेरिस की मेयर एनी हिडाल्गो ने कहा था कि रूस अगर यूक्रेन के खिलाफ युद्ध जारी रखता है तो अगले साल होने वाले ओलंपिक मे उसकी टीम को प्रवेश नही दिया जाएगा। ओलंपिक अधिकारियो ने रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों के लिए योजना बनाई है।

रियाद के स्टेडियम पर होंगे संतोष ट्रॉफी के सेमीफाइनल और फाइनल

भुवनेश्वर। राष्ट्रीय फुटबॉल चैम्पियनशिप संतोष ट्रॉफी के सेमीफाइनल और फाइनल मैच एक से चार मार्च के बीच सऊदी अरब मे रियाद के किंग फहद अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम पर खेले जाएंगे। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के महासचिव शाजी प्रभाकरण ने यहां एक प्रेस कांफ्रेंस मे बताया कि सऊदी फुटबॉल महासंघ से मशविरे के बाद तारीख तय की गई है। भारतीय फुटबॉल के लिए यह बड़ी बात है कि संतोष ट्रॉफी सेमीफाइनल खेलने वाली चार टीमे सऊदी अरब मे अपने मैच खेलेगी। संतोष ट्रॉफी के आखिरी दौरो मे 12 टीमो को छह छह के दो समूहो मे बांटा जाएगा। टीमे एक दूसरे से राउंड रॉबिन आधार पर खेलेगी।

अग्रवाल के दोहरे शतक से कर्नाटक का पलड़ा सौराष्ट्र पर भारी

रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल

भाषा। बेंगलुरू

कप्तान मयंक अग्रवाल के दोहरे शतक की मदद से कर्नाटक ने रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के दूसरे दिन बृहस्पतिवार को पहली पारी में 407 रन बनाकर सौराष्ट्र को दबाव में ला दिया। अपने कल के स्कोर 110 रन से आगे खेलते हुए अग्रवाल ने दूसरे दिन 429 गेंद में 249 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 28 चौके और छह छक्के जड़े। कर्नाटक ने कल के स्कोर पांच विकेट पर 229 रन से आगे खेलते हुए 46 . 3 ओवर में 178 रन जोड़े। विकेटकीपर श्रीनिवास शरत 66 रन बनाकर चेतन सकारिया की गेंद पर पगबाधा आउट हुए। कृष्णप्पा गौतम और विजय कुमार विशाख ज्यादा देर टिक नहीं सके। विद्वत कावेरप्पा ने 15 रन बनाए। सौराष्ट्र के लिए सकारिया और कुशांग पटेल ने तीन तीन विकेट लिए। जवाब में सौराष्ट्र ने दो विकेट पर 76 रन बनाए थे। वह अभी भी कर्नाटक से 331 रन पीछे है जबकि तीन दिन का खेल बाकी है। विकेटकीपर हार्विक देसाई और शेल्डन जैकसन 27 . 27 रन बनाकर खेल रहे थे। स्नेल पटेल और विश्वराज जडेजा अपना विकेट कावेरप्पा को गंवा बैठे।

बंगाल ने 438 रन बनाने के बाद मध्य प्रदेश के दो विकेट चटकाए

इंदौर। युवा विकेटकीपर अभिषेक पोरेल की अर्धशतकीय पारी के बाद बंगाल के गेंदबाजों ने रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में गत चैंपियन मध्य प्रदेश के खिलाफ गुरुवार को दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक पहली पारी में दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट चटकाकर अपनी स्थित मजबूत कर ली। बंगाल ने दूसरे दिन चार विकेट पर 307 रन से आगे खेलना शुरू किया। टीम 54.3 ओवर में 131 रन जोड़कर पहली पारी में 438 रन पर आउट हो गई। इस दौरान 20 वर्षीय पोरेल (51) और कप्तान मनोज तिवारी (42) ने छठे विकेट के लिए 78 रन की साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। दिन का खेल खत्म होने तक मध्य प्रदेश ने 56 रन पर दो विकेट गंवा दिए। टीम अब भी 382 रन से पीछे है। कप्तान तिवारी ने कल के स्कोर पांच रन में 37 रन जोड़े। उन्होंने 129 गेंद की पारी में पांच चौके लगाकर टीम के स्कोर को 400 के पार पहुंचा। उनके आउट होने के बाद बंगाल के बल्लेबाज क्रीज पर ज्यादा देर नहीं ठहर सके। टीम ने आखिरी चार विकेट 37 रन पर गंवा दिए। मध्यप्रदेश के लिए कुमार कार्तिकेय सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 95 रन देकर तीन विकेट चटकाए। बंगाल की पारी को समेटने के बाद मध्य प्रदेश की टीम दमदार शुरुआत नहीं कर सकी। यश दुबे (12) और विकेटकीपर हिमांशु मंत्री (23) की पहले विकेट की 27 रन की साझेदारी को आकाश दीप (10 रन पर एक विकेट) ने तोड़ा। इसके बाद इशान पोरेल (चार रन पर एक विकेट) ने मंत्री को पवेलियन की राह दिखाई। स्टंप्स के समय सारांश जैन और अनुभव अग्रवाल क्रमश: 17 और चार रन पर बल्लेबाजी कर रहे है। बुधवार को मैच के पहले दिन अनुस्तूप मजूमदार (120) और सुदीप घरामी (112) ने शतक लगाकर बंगाल को अच्छी शुरुआत दिलाई थी।

टी-20 विश्वकप में भारत व इंग्लैंड भी मजबूत दावेदार

- विश्व कप मुकाबले आज से : ऑस्ट्रेलिया की नजरें छठे खिताब पर

भाष। केपटाउन

ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) टी20 विश्व कप में अपना दबदबा बरकरार रखते हुए रिकॉर्ड छठी बार इस खिताब को जीतना चाहेगी लेकिन शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले टूर्नामेंट में भारत और इंग्लैंड की टीमें उसके वर्चस्व को खत्म करने के लिए जोर लगाएंगी। टूर्नामेंट के सात आयोजन में ऑस्ट्रेलिया पांच बार चैम्पियन रहा है और इस प्रारूप में 2020 में पिछले आयोजन में चैम्पियन बनने के बाद उसके दबदबे को विश्व क्रिकेट में कोई खास चुनौती नहीं मिली है। पिछले 22 महीने में इस टीम को टी20 प्रारूप में सिर्फ एक बार हार का सामना करना पड़ा है और वह भी भारत के खिलाफ उसकी सरजमीं पर खेले गए मैच में जिसका नतीजा सुपर ओवर में निकला था। इसमें कोई शक नहीं कि गत विजेता टीम एक बार फिर प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी और खिताब की दूसरी हैट्रिक का लक्ष्य रखेगी। ब्रेक से कप्तान मेग लैनिंग की वापसी से टीम को मजबूती मिली है। स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज एलिसा हीली भी चोट से उबर गई है। इस टीम की सबसे बड़ी ताकत बल्लेबाजी की गहराई है, जिसमें लैनिंग, हीली, एलिसे पेरी और तहलिया मैकग्रा जैसे बड़े शॉट लगाने वाले शामिल है। अनुभवी तेज गेंदबाज मेगन शुट्ट गेंदबाजी विभाग की कमान संभालेंगी जिसके स्पिन के कई विकल्प है। हरफनमौला एशले गार्डनर भी शानदार लय में हैं। यह 25 साल की खिलाड़ी शानदार गेंदबाजी के साथ बल्लेबाजी के दौरान निचले क्रम में बड़े शॉट लगाने के लिए जानी जाती है। भारत के खिलाफ इस टीम ने पांच मैचों की श्रृंखला को 4-1 से जीता था लेकिन इसके ज्यादातर मुकाबले काफी करीबी रहे। यही नहीं अभ्यास मैचों आयरलैंड ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर यह दिखा दिया कि इस टीम को भी पटखनी दी जा सकती है। भारत, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के साथ घरेलू दक्षिण अफ्रीका की टीमें से ऑस्ट्रेलिया कड़ी चुनौती मिल सकती है। पिछले टी20 विश्व कप का उपविजेता भारत इस बार एक कदम आगे बढ़ कर पहली बार चैम्पियन बनने के लिए जोर लगाएगा। भारतीय टीम का प्रदर्शन हालांकि काफी हद कर बल्लेबाजी इकाई पर निर्भर करेगा। भारतीय बल्लेबाजी कलात्मक स्मृति मंधाना, बड़े शॉट खेलने वाली शेफाली वर्मा और कप्तान हरमनप्रीत कौर के आस-पास घूमेगी। भारतीय टीम ने 2020 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था लेकिन फाइनल में टीम पिछड़ गई थी। उस आयोजन में शेफाली भारत की शीर्ष स्कोरर थी और उनकी कप्तानी में अंडर-19 टीम ने हाल ही में विश्व कप का खिताब जीता है। अंडर-19 टीम की सफलता से सीनियर टीम का मनोबल जरूर बढ़ेगा। टीम में ऋचा घोष और पूजा वस्त्राकर जैसे बड़े शॉट खेलने वाले खिलाड़ियों की मौजूदगी से शीर्ष क्रम पर दबाव कम होगा। टीम के लिए गेंदबाजी हालांकि चिंता का सबब है। तेज गेंदबाजी विभाग में शिखा पांडे के अलावा किसी के पास ज्यादा अनुभव नहीं है। शिखा ने भी लंबे समय तक बाहर रहने के बाद हाल ही में टीम में वापसी की है।

अभिषेक, अतनु और ज्योति खिताब के दावेदार

- राष्ट्रीय रैंकिंग तीरंदाजी टूर्नामेंट

भाषा। नई दिल्ली

अभिषेक वर्मा, अतनु दास और वेनम ज्योति सुरेखा जैसे शीर्ष भारतीय तीरंदाज शुक्रवार से यहां डीडीए (दिल्ली विकास प्राधिकरण) यमुना खेल परिसर में शुरू हो रहे राष्ट्रीय रैंकिंग टूर्नामेंट में चुनौती पेश करेंगे।
स्पर्धा का शुरूआती एलिमिनेशन दौर शुक्रवार को आयोजित किए जाएंगे। कंपाउंड और रिकर्व स्पर्धा के फाइनल दौर का आयोजन शनिवार और रविवार को होगा। एनटीपीसी राष्ट्रीय रैंकिंग तीरंदाजी टूर्नामेंट का आयोजन दिल्ली तीरंदाजी संघ भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआई) की देख रेख में करेगा। इस आयोजन में रिकर्व और कंपाउंड वर्ग में सीनियर, जूनियर एवं सब-जूनियर (कैडेट) स्तर की प्रतियोगिता होगी। सत्र में हर वर्ग (सीनियर, जूनियर और सब-जूनियर) में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले केवल 32-32 तीरंदाजों को इस प्रतियोगिता के लिए चुना गया है। खिलाड़ियों का चयन हैदराबाद, सरायकेला (झारखंड), अमरावती (महाराष्ट्र) और नर्मदापुरम (मध्य प्रदेश) में पिछले साल जनवरी से अक्टूबर तक आयोजित घरेलू सर्किट के चार चरणों में उनके प्रदर्शन पर आधारित है। एएआई ने एक विज्ञप्ति में कहा कि टूर्नामेंट की कुल पुरस्कार राशि 50 लाख रुपए होगी, जो यहां 2014 में आयोजित पिछले सत्र में दी गई राशि से दोगुनी है।

एशियाई जूनियर स्क्वैश : भारतीय पुरुष टीम जीती, महिला टीम हांगकांग से हारी

चेन्नई। भारत ने गुरुवार को यहां एचसीएल-एसआरएफआई 21वीं एशियाई जूनियर स्क्वाश टीम चैंपियनशिप में मिश्रित सफलता हासिल की, जिसमें पुरुष टीम ने तीसरी जीत दर्ज की लेकिन महिलाओं को हांगकांग चीन से 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जूनियर पुरुष टीम ने जापान को 3-0 से हराया। टीम के तीनों खिलाड़ी शौर्य बावा, पार्थ अंबानी और कृष्णा मिश्रा ने अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ सीधे गेम में जीत दर्ज की।

सीनियर राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप 15 से, पुरुषों की स्पर्धा अप्रैल में होगी

भाषा। नई दिल्ली

हॉकी इंडिया का घरेलू सत्र सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के साथ 15 फरवरी से आंध्र प्रदेश के काकीनाडा में शुरू होगा। ओडिशा ने पिछले साल फाइनल में कर्नाटक को 2-0 से हराकर खिताब जीता था। हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष अंतर-विभागीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप का तीसरा सत्र 26 फरवरी से बेंगलुरु में शुरू होगा। रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) इसका मौजूदा चैम्पियन है। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) के लिए विशेष रूप से आयोजित होने वाली इस चैंपियनशिप के पहले सत्र के बाद ही जुगराज सिंह और सुखजीत सिंह जैसे खिलाड़ियों को 2022 में सीनियर राष्ट्रीय शिविर में बुलाया गया था। इस साल मार्च में राउरकेला में भारतीय पुरुष टीम एफआईएच (अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ) प्रो लीग के घरेलू मैचों में जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगी। पुरुषों का घरेलू सत्र अप्रैल में 13वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप के साथ शुरू होगा।

खेलो इंडिया शीतकालीन खेल में भाग लेंगे 1500 से अधिक खिलाड़ी

गुलमर्ग। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को कहा कि गुलमर्ग में होने वाला खेलो इंडिया शीतकालीन खेल अब तक का सबसे बड़ा आयोजन होगा जिसमें छह दिनों में 11 स्पर्धाओं में देश भर से 1500 खिलाड़ी भाग लेंगे। ठाकुर ने यहां संवाददाताओं से कहा, अगले छह दिनों की अवधि में 11 खेल आयोजनों में भाग लेने के लिए देश के 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 1500 से अधिक खिलाड़ी यहां पहुंचे हैं। यह देश में शीतकालीन खेलों का अब तक का सबसे बड़ा आयोजन होगा। ठाकुर ने इस मौके पर तंगमर्ग में स्नो क्रिकेट मैच में भी भाग लिया जहां उनका गर्मजोशी से पारंपरिक स्वागत किया गया।

नार्थ ईस्टर्न रेलवे की जीत

- बीबीडी सीनियर डिवीजन क्रिकेट लीग

लखनऊ। उपेंद्र यादव-82और अन्नू -49 की शानदार बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के दम पर नार्थ ईस्टर्न रेलवे ने जी20 बीबीडी सीनियर डिवीजन क्रिकेट लीग में कूह स्पोर्ट्स क्रिकेट क्लब को 35 रन से शिकस्त दी। चौक स्टेडियम पर खेले गए इस मुकाबले में एनईआर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 35 ओवर में सात विकेट पर 230 रन का मजबूत स्कोर बनाया। अवनीश कुमार सिंह-9 और सौरभ दुबे-25 ने पहले विकेट के लिए 29 रन जोड़े। जवाब में कूह स्पोर्ट्स क्रिकेट क्लब की टीम 33.1 ओवर में 195 रन ही बना सकी।

विवान अंडर-10 टेनिस चैंपियन

लखनऊ। गुरुकुल अकादमी के प्राथमिक वर्ग के कक्षा 2 के छात्र विवान श्रीवास्तव को स्टेट लॉन टेनिस चैंपियनशिप अंडर-10 का विजेता घोषित किया गया। उन्होंने शहर स्तरीय लॉन टेनिस चैंपियनशिप के कई दौर जीतने के बाद राज्य स्तरीय लॉन टेनिस में गोल्ड मेडल प्राप्त किया।

337 लड़कियों को दिया गया सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग

बरेली। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन की ओर से जिले के कलेक्टरगंज राजकीय आईटीआई और वर्ल्ड बैंक महिला आईटीआई में आयोजित तीन दिवसीय सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग का समापन हुआ। दोनों आईटीआई में मिलाकर कुल 337 लड़कियों ने प्रशिक्षण हासिल किया। इस मौके पर दोनों आईटीआई के प्रिंसिपलों ने लड़कियों को चेन अलार्म, सुरक्षा सीटीए स्प्रे और स्टिंगर युक्त निर्भया किट् भी दिए। इस कार्यक्रम का मकसद लड़कियों को आत्मरक्षा तकनीक और रणनीति सीखाकर उन्हें सशक्त बनाना है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन ने पायलट प्रोजेक्ट के तहत राज्य के 16 शहरों में 10 हजार लड़कियों के लिए सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग दिया जा रहा है। कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय के अंतगर्त कार्यरत स्पोर्ट्स, फिजिकल एजुकेशन, फिटनेस एंड लीजर, स्किल्स काउंसिल की निगरानी में स्किल्ड ट्रेनर लड़कियों को प्रशिक्षण दिया है।

मैकडोनाल्ड हारे, टियाफो डेलास ओपन के क्वार्टर फाइनल में

भाषा। डेलास

फ्रांसिस टियाफो ने हमवतन अमेरिकी मैकेंजी मैकडोनाल्ड को बुधवार को यहां सीधे सेट में हराकर डेलास ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। दूसरे वरीय टियाफो ने मैकडोनाल्ड को 58 मिनट में 6-1, 6-3 से हराया। दुनिया के 14वें नंबर के खिलाड़ी टियाफो अगले दौर में एक अन्य अमेरिकी जेजे वोल्फ से भिड़ेंगे जिन्होंने दूसरे दौर के मुकाबले में राडू एल्बोट को 6-3, 7-6 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

महिला क्रिकेटर सम्मनित

अहमदाबाद-लखनऊ। क्रिकहीरोज अवाड्र्स 2022 ने महिलाओं को पुरस्कार दिया है। इन पुरस्कारों में भारतीय क्रिकेटर किरण नागवीरे सहित अंतराष्ट्रीय महिला खिलाड़ी भी शामिल थीं। इस वर्ष दो नई श्रेणियों राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय शामिल की गईं जिनमें क्रमश: 10 और 30 श्रेणियां थीं। इन पुरस्कारों की मेजबानी प्रसिद्ध ब्रॉडकास्टर और कमेंटेटर जतिन सप्रू ने की। क्रिकहीरोज के संस्थापक अभिषेक देसाई ने कहा कि हम जमीनी स्तर के क्रि केटरों को उनके विकास में मदद करने और खेल में अपना करियर बनाने में मदद करने पर ध्यान देना जारी रखेंगे। राष्ट्रीय स्तर की महिला क्रिकेटरों की श्रेणी में जयपुर की तनिका शर्मा सुर्खियों में छा गईं क्योंकि उन्हें बैटर ऑफद ईयर और बॉलर ऑफ द ईयर दोनों पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। किरण नवगीरे को 38 पारियों में 69 छक्के मारने के लिए हार्ड हिटर ऑफ द ईयर् पुरस्कार से सम्मानित किया गया। गुरुग्राम के साची ग्रोवर की 223 रन की पारी को इनिंग ऑफद ईयर चुना गया। कुरुक्षेत्र की अक्षरा सैनी को ष्फील्डर ऑफद ईयर और नई दिल्ली की निशिका सिंह को विकेटकीपर ऑफ द ईयरका पुरस्कार मिला।